

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 84 । पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 23 नवम्बर 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

शशि थरूर ने जीटीए-6 खेलते हुए नोटबंदी पर कसा तंज, बोले- वह भी बिना वाहन वाली बड़ी चोरी थी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को लोकप्रिय वीडियो गेम 'ग्रैंड थेफ्ट ऑटो-6' (जीटीए-6) खेलते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने इस खेल के नाम का इस्तेमाल करते हुए नोटबंदी पर तंज कसा और कहा कि नोटबंदी भी बिना वाहन वाली एक बड़ी चोरी थी। थरूर ने खेल के नए संस्करण के आने में लगे 13 साल का जिक्र करते हुए इस दौरान भारत और दुनिया में आए बदलावों पर भी टिप्पणी की। थरूर ने कहा कि इन वर्षों में दुनिया काफी बदल गई है, लेकिन भारत में अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। उनके अनुसार, अब अधिक लोग इस बात को लेकर सतर्क रहते हैं कि कहीं उनकी कही गई बात सरकार को पसंद न आ जाए। उन्होंने इस स्थिति को लेकर चिंता जताई। वीडियो गेम खेलने के अपने अनुभव के बारे में थरूर ने बताया कि उन्होंने पहले कभी इस तरह के खेल नहीं खेले। उनके बच्चे 'डंजन्स एंड ड्रैगन्स' जैसे खेल खेलते थे और परिवार में किताबें पढ़ने को अधिक समय दिया जाता था। उन्होंने बच्चों के लिए प्लेस्टेशन-1 खरीदा था, लेकिन बाद के आधुनिक खेल उपकरण उनके बच्चों की दिनचर्या का हिस्सा नहीं बने। जीटीए-6 खेलते समय भी उन्हें खेल के किरदार को नियंत्रित करने और गाड़ी चलाने में परेशानी हुई।



बिसलेरी के पानी के नमूने में मिले तय सीमा से अधिक रासायनिक तत्व, खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण ने मुकदमे की मंजूरी दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पैकेज्ड पेयजल बनाने वाली कंपनी बिसलेरी इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने मुकदमा शुरू करने की मंजूरी दे दी है। कंपनी के परिसर से जांच के लिए लिए गए पैकेज्ड पेयजल के नमूने में निर्धारित सीमा से अधिक रासायनिक तत्व पाए गए। खाद्य नियामक ने रविवार को इसकी जानकारी दी। प्राधिकरण के अनुसार, बिसलेरी इंटरनेशनल परिसर से लिए गए पानी के नमूने में तय मानकों से अधिक मात्रा में ब्रोमेट पाया गया। इसके बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत नमूने को असुरक्षित घोषित किया गया। कंपनी की ओर से अपील किए जाने के बाद नमूने को दोबारा जांच के लिए संदर्भ प्रयोगशाला भेजा गया। वहां की जांच में भी पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएएच) पाए गए, जिसके आधार पर पानी को असुरक्षित माना गया।

क्या हैं ये रासायनिक तत्व?

ब्रोमेट एक रासायनिक यौगिक है, जो पानी को शुद्ध करने की प्रक्रिया के दौरान बन सकता है। पैकेज्ड पानी के उपचार में ओजोन का इस्तेमाल किया जाता है। यदि पानी में पहले से ब्रोमाइड मौजूद हो, तो ओजोन के साथ प्रतिक्रिया के कारण ब्रोमेट बन सकता है।

राजस्थान में कड़ाके की ठंड, माउंट आबू में पारा 0 डिग्री पर पहुंचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। दिल्ली, राजस्थान सहित देश के कई राज्यों में ठंड का असर तेज होने लगा है। राजस्थान के 6 शहरों में शनिवार रात न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। प्रदेश के पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू में पारा गिरकर 0 डिग्री पर पहुंच गया। कड़ाके की ठंड के कारण सुबह वाहनों पर ओस की बूंदें जम गईं। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार में चक्रवात 'अकवान' के प्रभाव तथा पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी के चलते मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मध्य प्रदेश के जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है। बिहार में रविवार सुबह नालंदा और भागलपुर में वर्षा दर्ज की गई। पिछले 24 घंटे के दौरान पटना सहित 9 जिलों में बारिश हुई। वहीं, उत्तर प्रदेश के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे जनजीवन और आवागमन प्रभावित होने की आशंका है। तापमान में गिरावट के साथ कई इलाकों में वायु प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। राजस्थान के बीकानेर में वायु गुणवत्ता सूचकांक 311 और भिवाड़ी में 301 दर्ज किया गया। दिल्ली में भी शनिवार को हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में बनी रही और सूचकांक 265 तक पहुंच गया। मौसम में ठंडक बढ़ने पर हवा ठंडी और भारी हो जाती है। इसके साथ ही हवा की गति कम होने से प्रदूषण फैलकर दूर नहीं जा पाता और धूल तथा धुएं के कण जमीन के नजदीक जमा होने लगते हैं। यही कारण है कि सर्दियों में प्रदूषण का स्तर तेजी से बढ़ सकता है। पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में पराली जलाने से उठने वाला धुआं हवा के साथ पश्चिमी राजस्थान के क्षेत्रों तक पहुंच सकता है। रेगिस्तानी इलाकों में रात के समय तापमान तेजी से गिरता है। ऐसे में तापमान प्रतिलोमन यानी तापीय उलटाव की स्थिति बन सकती है।

दाजिपुरा के पास पुलिस की नाकाबंदी में कार से विदेशी शराब का बड़ा जखीरा जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजपीपला/तिलकवाड़ा । गुजरात में शराबबंदी कानून के बावजूद अवैध रूप से विदेशी शराब की तस्करी का सिलसिला जारी है। इस पर अंकुश लगाने के लिए नर्मदा जिला पुलिस ने एक बार फिर कार्रवाई करते हुए दाजिपुरा गांव के पास नाकाबंदी कर एक चारपहिया गाड़ी से भारतीय निर्मित विदेशी शराब का बड़ा जखीरा बरामद किया है। तिलकवाड़ा पुलिस की निगरानी टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक चारपहिया गाड़ी में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब भरकर अवैध रूप से ले जाई जा रही है। इसके बाद पुलिस टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में दाजिपुरा गांव के निकट निगरानी शुरू की और नाकाबंदी कर रास्ते से गुजरने वाले संदिग्ध वाहनों की जांच की। इसी दौरान सूचना के अनुसार जीजे-03-केसी-0898 नंबर की कार वहां पहुंची। पुलिसकर्मियों ने तत्काल गाड़ी को रुकवाकर उसकी तलाशी ली। जांच के दौरान कार के अंदर से भारतीय निर्मित विदेशी शराब का बड़ा जखीरा मिला। पुलिस ने शराब की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार को भी जब्त कर लिया। पुलिस ने शराब और वाहन सहित लाखों रुपये का सामान कब्जे में लेकर शराबबंदी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

रेत के अवैध खनन का खूनी खेल या सरकार की नाक के नीचे महाघोटाला?

भाजपा विधायक का नाम जुड़ते ही गुजरात की राजनीति में आया भूकम्प!

'बापजी' लिखी गाड़ियों का सिंडिकेट और हफ्ता रैकेटः क्या गांधीनगर तक पहुंच चुके हैं इस लूट के मोटे तार?

नर्मदा के सीने को चीरकर चलाई जा रही हैं प्रतिबंधित मशीनें, तमाम लीज रद्द होने के बावजूद धड़ल्ले से चल रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा / करजण : गुजरात की धरती पर आज एक ऐसा नंगा सच बेनकाब हो रहा है, जिसे सुनकर पूरी व्यवस्था की चूलें हिल जाएंगी! वडोदरा जिले के करजण पेंथक में रेती और माटी के अवैध खनन का ऐसा खौफनाक खेल चल रहा है, जिसके सामने कानून और प्रशासन पूरी तरह बौना साबित हो चुका है।

सबसे बड़ा और सनसनीखेज सच तो यह है कि जब सरकार द्वारा रेती और माटी की तमाम लीज पूरी तरह रद्द की जा चुकी हैं, तब भी ये खनन माफिया कानून को ठेंगा दिखाकर नदी के सीने को छलनी कर रहे हैं। इस काले कारनामे में करजण के भाजपा विधायक अक्षय पटेल का नाम और उनके नाम से जुड़ी 'बापजी' ब्रांडेड गाड़ियों के सिंडिकेट की चर्चाओं ने पूरे राज्य के राजनीतिक गलियारों में कोहराम मचा दिया है! लीज रद्द होने के बावजूद नर्मदा के पटरियों पर चल रहा है 'बाज' (Barge) मशीनों का तांडव!

नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए, किसी भी नदी के पटे में रेत निकालने के लिए पूरी तरह प्रतिबंधित और खतरनाक माने जाने वाले 'बाज'और हाइड्रोलिक मशीनों का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। रात के अंधेरे और दिन के उजाले में इन मशीनों से हजारों टन रेत की बेशर्मी से चोरी की जा रही है। हालत यह है कि 23 टन क्षमता वाले रॉयल्टी पास पर 54 टन से ज्यादा ओवरलोड रेती भरकर ट्रक बेखौफ दौड़ रहे हैं। एक ही रॉयल्टी पास की आड़ में तीन-तीन ट्रकों में चोरी का माल ढोया जा रहा है, और स्थानीय प्रशासन आंखें मूंदकर इस लूट का तमाशा देख रहा है!

'बापजी' का पासवर्ड और खुलेआम वसूली जाने वाली हफ्ताखोरी!

सूत्रों के हवाले से जो विस्फोतक जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक करजण इलाके में घुघो भरवाड़ और गोकुल भरवाड़ इस पूरे अवैध खनन सिंडिकेट को ऑपरेट कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि करजण के विधायक अक्षय पटेल के नाम पर या जिन गाड़ियों पर 'बापजी' लिखा होता है, वही इस अवैध धंधे की रीढ़ हैं।

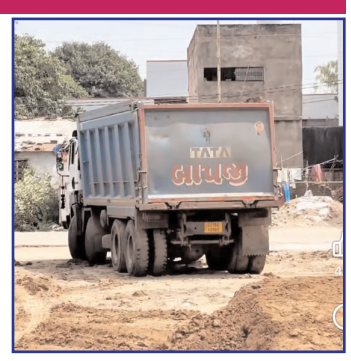
यदि किसी अन्य व्यापारी को अपनी गाड़ी में 'बापजी' लिखकर रेत ले जानी है, तो उसे महीने के 60,000 रुपये का भारी-भरकम हफ्ता चुकाना पड़ता है! जो यह हफ्ता देता है, उसकी गाड़ी पर पुलिस और प्रशासन की आंखें बंद रहती हैं। आखिर किसके शह पर यह वसूली का नंगा नाच चल रहा है? गांधीनगर की चुप्पी पर उठ रहे खौफनाक सवालः क्या भ्रष्टाचार के तार ऊपर तक जुड़े हैं? इतना बड़ा अवैध साम्राज्य धमक रहा है, लेकिन गांधीनगर फ्लाइंग स्क्वाड, भूविज्ञान और खनन विभाग के कमिश्नर धवल पटेल और उनकी टीम कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं कर रही?



विधायक अक्षय पटेल



घुघो भरवाड़



मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के अधीन आने वाले इन महत्वपूर्ण विभागों की यह मूक सहमति क्या किसी बड़े राजनीतिक दबाव की ओर इशारा करती है?क्या कलेक्टर, एसडीएम, स्थानीय पुलिस और भूगर्भ विभाग के अधिकारी सिर्फ इसलिए गूंगे-बहरे बने बैठे हैं क्योंकि इन माफियाओं के सिर पर विधायक अक्षय पटेल का राजनीतिक हाथ है?

क्या जनता की संपत्ती को लूटने का यह लाइसेंस ऊपर से मिला हुआ है?महानगर मेट्रो की अल्टीमेटम भरी ललकारः अब लीपापोती नहीं, आर-पार का संग्राम होगा!

'महानगर मेट्रो' दो-टूक शब्दों में चेतावनी देता है कि इस महाघोटाले में किसी भी तरह की लीपापोती या पर्देदारी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जैन और स्थानीय समाज को अब खोखले आश्वासनों की नहीं, बल्कि निम्नलिखित कठोर कदमों की जरूरत है:

1. **उच्च स्तरीय स्वतंत्र जांचः अवैध खनन और वायरल हो रहे हफ्ता रैकेट की एसआईटी या किसी निष्पक्ष एजेंसी से तुरंत जांच कराई जाए।**

2. **अवैध सिंडिकेट पर बुलडोजर कार्रवाईः 'बापजी' ब्रांडेड गाड़ियों और इस काले कारोबार से जुड़े घुघो, गोकुल भरवाड़ और उनके संरक्षकों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।**

3. **संरक्षक विधायकों और अधिकारियों की बर्खास्तगीः जो भी राजनीतिक चेहरे और भ्रष्ट अधिकारी इस लूट को संरक्षण दे रहे हैं, उन्हें बेनकाब कर सलाखों के पीछे भेजा जाए।**

4. **कमिश्नर और प्रशासनिक अमले की जवाबदेहीः यदि जल्द ही इस महाघोटाले के मुख्य आरोपियों पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो यह जनसैलाब सड़कों पर उतरकर ऐसी आग भड़काएगा जिसे बुझाना किसी के बस में नहीं होगा!**

राहुल गांधी का भाजपा-आरएसएस पर वैचारिक हमला, अर्धनारीश्वर की तस्वीर साझा कर उठाए सवाल

एलिफेंटा की गुफाओं के ऐतिहासिक शिल्प का दिया उदाहरण, भाजपा और संघ की विचारधारा को पुरुषवादी और जातिवादी बताया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सामाजिक माध्यम पर महाराष्ट्र की एलिफेंटा गुफाओं में स्थित भगवान शिव और माता पार्वती के संयुक्त स्वरूप अर्धनारीश्वर की ऐतिहासिक मूर्ति की तस्वीर साझा करते हुए भाजपा और संघ पर भारतीय धार्मिक एवं आध्यात्मिक परंपराओं को सही ढंग से नहीं समझने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि भारतीय धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराओं की गहराई में जाने पर उन्हें यह और स्पष्ट होता जा रहा है कि भाजपा और आरएसएस को इन परंपराओं की समझ नहीं है। उन्होंने दोनों संगठनों की मानसिकता को असभ्य, लालची, जातिवादी और



पुरुषवादी बताया।

अर्धनारीश्वर का स्वरूप भारतीय दर्शन में स्त्री और पुरुष के संतुलन, समानता तथा एकता का प्रतीक माना जाता है। भगवान शिव और माता पार्वती का यह संयुक्त स्वरूप इस विचार को दर्शाता है कि स्त्री और पुरुष एक-दूसरे के पूरक हैं। राहुल गांधी ने इसी धार्मिक प्रतीक के माध्यम से भाजपा और संघ की विचारधारा पर सवाल उठाए हैं।

पहले भी धार्मिक प्रतीकों के जरिए साधा था निशाना

राहुल गांधी इससे पहले भी संसद में भगवान शिव की तस्वीर प्रस्तुत कर अभयमुद्रा और अहिंसा के सिद्धांतों का उल्लेख कर चुके हैं। उस दौरान उन्होंने सत्ताधारी दल पर देश में भय और हिंसा का वातावरण बनाने के आरोप लगाए थे। कांग्रेस नेता लगातार भाजपा और संघ की कार्यप्रणाली तथा विचारधारा पर सवाल उठाते रहे हैं। वे महिलाओं, दलितों और पिछड़े वर्गों के प्रति भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप भी लगाते रहे हैं। राहुल गांधी के ताजा बयान के बाद राजनीतिक हलकों में धार्मिक परंपराओं, सामाजिक समानता और वैचारिक सोच को लेकर बहस तेज हो गई है। कांग्रेस नेताओं और समर्थकों का कहना है कि राहुल गांधी भारतीय संस्कृति के समावेशी स्वरूप और समानता के मूल्यों को सामने रख रहे हैं।

मानपुर-मोहला सड़क निर्माण में घटिया गुणवत्ता का आरोप, ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव । छत्तीसगढ़ में सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और कथित अनियमितताओं को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। राजनांदगांव जिले के मानपुर-मोहला-डोंगरगांव मार्ग के निर्माण को लेकर विवाद सामने आया है। जिला सहकारी बैंक के उपाध्यक्ष एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश महामंत्री भरत वर्मा ने सड़क निर्माण में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए ठेकेदार को काली सूची में डालने और उसके पूर्व में किए गए निर्माण कार्यों की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। दूसरी ओर, ठेकेदार पक्ष की ओर से भरत वर्मा पर पैसे मांगने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दी गई है। इस घटनाक्रम के बाद सड़क निर्माण की गुणवत्ता के साथ दोनों पक्षों के आरोप-प्रत्यारोप भी चर्चा में आ गए हैं। जानकारी के अनुसार, 20 नवंबर को भरत वर्मा क्षेत्र में धान और खेती-किसानी का जायजा लेने के लिए दौरे पर निकले थे। इसी दौरान रास्ते में मानपुर-मोहला-डोंगरगांव सड़क का निर्माण कार्य चल रहा था। इस सड़क का निर्माण कवर्धा के ठेकेदार कन्हैया अग्रवाल द्वारा कराया जा रहा है। मौके पर ठेकेदार के परियोजना पर्यवेक्षक मनीष साहू और कुछ कर्मचारी मौजूद थे। भरत वर्मा वहां रुके और निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन करने और गुणवत्ता से समझौता नहीं करने की बात कही। आरोप है कि इसी दौरान भरत वर्मा और परियोजना पर्यवेक्षक मनीष साहू के बीच कहासुनी हो गई। भरत वर्मा का कहना है कि बातचीत के दौरान पर्यवेक्षक ने उनके प्रति आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। इसके बाद विवाद बढ़ गया और मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया। भरत वर्मा का आरोप है कि वीडियो में केवल उनके विरोध और प्रतिक्रिया को दिखाया गया, जबकि उससे पहले की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को रिकॉर्ड नहीं किया गया। हालांकि, घटनाक्रम के सभी पहलुओं की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

गुजरात कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज, अमित चावड़ा की कुर्सी पर संकट के संकेत!

प्रदेश अध्यक्ष के इस्तीफे की चर्चाओं के बीच प्रभारी रणदीप सुरजेवाला के बयान से बढ़ी हलचल, नए अध्यक्ष की नियुक्ति पर दिल्ली में होगा अंतिम फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात कांग्रेस में संगठनात्मक बदलाव और नेतृत्व परिवर्तन को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा के पद छोड़ने की अटकलों ने पार्टी के भीतर हलचल बढ़ा दी है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि चावड़ा कभी भी अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। हालांकि, अभी तक उनके इस्तीफे या पद से हटाए जाने की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता और गुजरात प्रदेश प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला के बयान को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक चर्चाओं के अनुसार, संगठन को मजबूत करने



और जमीनी स्तर पर पार्टी की सक्रियता बढ़ाने को लेकर नेतृत्व के प्रदर्शन पर मंथन चल रहा है। ऐसे में अमित चावड़ा के नेतृत्व को लेकर भी पार्टी के भीतर सवाल उठने की बातें सामने आ रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष को लेकर चल रही अटकलों के बीच कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है। सुरजेवाला के अनुसार, कांग्रेस आलाकमान के साथ विस्तृत चर्चा के बाद ही इस संबंध में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। पार्टी के सामने गुजरात में संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी तेज करने की चुनौती है।

ग्रामीणों ने कुछ असामाजिक तत्वों पर हिंदू परिवारों को परेशान करने का लगाया आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडगाम । बनासकांठा जिले के वडगाम विधानसभा क्षेत्र के तनीवाड़ा गांव में कथित तौर पर हिंदू परिवारों को परेशान किए जाने और असुरक्षा का माहौल होने के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि गांव में कुछ लोगों की गतिविधियों के कारण परिवारों में भय का वातावरण है। इससे पहले इसी विधानसभा क्षेत्र के भागल गांव से भी ऐसी शिकायतें सामने आने का दावा किया गया था। ग्रामीणों के आरोपों के अनुसार, तनीवाड़ा गांव में कुछ असामाजिक तत्वों की ओर से परिवारों पर दबाव बनाए जाने और उन्हें परेशान किए जाने की घटनाएं हो रही हैं। इस मामले में राजनीतिक संरक्षण मिलने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और न ही प्रशासन या पुलिस की ओर से किसी आधिकारिक जांच अथवा कार्रवाई की जानकारी दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव में सामाजिक सौहार्द और शांति बनाए रखने के लिए प्रशासन को मामले का संज्ञान लेना चाहिए। उनका आरोप है कि शिकायतों के बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन से राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर निष्पक्ष जांच करने तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस मामले को लेकर कुछ जागरूक नागरिकों और हिंदू संगठनों ने भी उच्च अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते शिकायतों की जांच कर उचित कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि गांव में किसी तरह का तनाव न बढ़े और सभी समुदायों के लोग सुरक्षित वातावरण में रह सकें। फिलहाल, लगाए गए आरोपों पर पुलिस और प्रशासन का आधिकारिक पक्ष सामने आना बाकी है।



कथनी और करनी एक हो तभी सफल होगा नशामुक्त भारत अभियान : तुलेश्वर कुमार सेन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साल्हेवारा। रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय साल्हेवारा में 21 नवंबर को खुब भारत खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के तत्वावधान में आस-पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला युवा अधिकारी राजनांदगांव शुभजीत डे के मार्गदर्शन एवं छुईखदान विकासखंड के NYV शिव कुमार गात्रेकर के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य विषय 'नशामुक्त युवा भारत-विकसित भारत' रहा। कार्यक्रम में विगत 20 वर्षों से नशामुक्त भारत अभियान चला रहे राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक



तुलेश्वर कुमार सेन को MY भारत की ओर से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षक तुलेश्वर कुमार सेन ने कहा कि कथनी और करनी एक हो, तभी नशामुक्त भारत अभियान सफल होगा। यदि हम स्वयं नशा करते हैं, उसका प्रचार-प्रसार करते हैं अथवा नशा करने वालों का सहयोग करते हैं और दूसरी ओर नशामुक्ति की बात करते हैं, तो यह स्वयं के साथ-साथ समाज के साथ भी धोखा है। नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सबसे पहले स्वयं अपने आचरण में बदलाव लाना आवश्यक है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका खम्हन ताम्रकार रहीं। विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य श्रीमती हेमलता मंडावी, सांसद प्रतिनिधि श्री खम्हन ताम्रकार, श्री निजाम मंडावी एवं पत्रकार दिलीप शुक्ला उपस्थित रहे। अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती नीतू डोंगरे ने की। विषय विशेषज्ञों ने भी युवाओं को महत्वपूर्ण जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग के डॉ. प्रकाश खुंटे, एमडी, शासकीय चिकित्सालय राजनांदगांव ने नशे के शारीरिक एवं मानसिक दुष्परिणामों की जानकारी दी। थाना प्रभारी सीताराम सागर ने कानून, अनुशासन एवं नशे से दूरी का संदेश दिया। समाजसेवी मनोज साहू ने सामाजिक जिम्मेदारियों तथा मिथलेश पटेल ने आपदा प्रबंधन एवं सुरक्षा के संबंध में मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर तिलक, माल्यार्पण एवं आरती-वंदना के साथ हुआ। इस दौरान नशामुक्ति जागरूकता संवाद, हस्ताक्षर अभियान, स्लोगन बॉक्स एवं सामूहिक शपथ जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं।

अहमदाबाद के धोलका में पुलिस दल पर जमकर पथराव, ब्रिजराज सोलंकी सहित 7 लोगों के खिलाफ गंभीर मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद ग्रामीण क्षेत्र के धोलका में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। धोलका में ड्यूटी पर तैनात पुलिस दल पर असामाजिक तत्वों ने अचानक हमला कर दिया और जमकर पथराव किया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी और तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य आरोपी ब्रिजराज सोलंकी सहित कुल 7 लोगों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने और पुलिस पर जानलेवा हमला करने सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। घटना के अनुसार, धोलका क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, नियमित गश्त और आवश्यक कार्रवाई के सिलसिले में पुलिस दल मौके पर पहुंचा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर नाराज ब्रिजराज सोलंकी और उसके साथियों ने कानून का भय किए बिना पुलिस दल पर हमला कर दिया। भीड़ ने पुलिस के वाहनों और जवानों को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए इस हमले से कुछ समय के लिए घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास रहने वाले लोगों में भी भय का माहौल फैल गया। पुलिस की वर्दी पर हमला करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास करने वाले आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों सहित अतिरिक्त पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। इस मामले में धोलका पुलिस थाने में ब्रिजराज सोलंकी सहित कुल 7 नामजद लोगों और जांच के दौरान सामने आने वाले अन्य आरोपियों के खिलाफ गंभीर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पर हमला करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं। उनकी तलाश में विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की कार्रवाई तेज कर दी गई है।

सर्दियों की गुलाबी ठंड में प्यार का बढ़ता खुमार, साथी की तलाश में डेटिंग मंचों पर उमड़ रही युवाओं की भीड़

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद । सर्दियों का मौसम शुरू होते ही वातावरण में ठंडक घुल गई है, लेकिन डिजिटल प्रेम की दुनिया में गर्माहट बढ़ने लगी है। आजकल युवाओं में साथी तलाशने वाले मोबाइल मंचों का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। इसी बीच सामने आए एक अध्ययन में दिलचस्प खुलासा हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष के अन्य महीनों की तुलना में सर्दियों के दौरान लोगों के एक-दूसरे से जुड़ने और नया साथी मिलने की संभावनाएं अधिक रहती हैं। दुनिया के प्रसिद्ध साथी तलाशने वाले मंच बम्बल की ओर से किए गए एक विस्तृत अध्ययन के अनुसार, इन मंचों पर किसी व्यक्ति को पसंद करने और नए लोगों के साथ बातचीत शुरू करने का सबसे सक्रिय समय नवंबर के अंतिम दिनों से शुरू होकर फरवरी के मध्य तक रहता है। इस अवधि में अकेले युवक-युवतियां अपने जीवनसाथी या मुलाकात के लिए नए साथी की तलाश में सबसे अधिक सक्रिय दिखाई देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इस चलन के पीछे मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारण जिम्मेदार हैं। सर्दियों में शाम जल्दी होने और ठंड बढ़ने के कारण लोग बाहर घूमने के बजाय घरों में रहना अधिक पसंद करते हैं। ऐसे समय में अकेलेपन को दूर करने और किसी खास व्यक्ति का साथ पाने के लिए लोग डिजिटल माध्यमों का सहारा लेते हैं। इसके अलावा नवंबर के अंत से शुरू होने वाला त्योहारों का मौसम, क्रिसमस, नए साल का उत्सव और इसके बाद आने वाला प्रेम सप्ताह भी इस चलन को बढ़ावा देता है। युवाओं में इन खास अवसरों को अकेले बिताने के बजाय किसी साथी के साथ मनाने की इच्छा बढ़ जाती है। यही वजह है कि साथी तलाशने की दुनिया में इस अवधि को 'कफिंग सीजन' के नाम से भी जाना जाता है। बम्बल की इस रिपोर्ट के अनुसार, करीब ढाई से तीन महीने की इस अवधि में केवल लोगों को पसंद करने की संख्या ही नहीं बढ़ती, बल्कि आपसी पसंद बनने और इसके बाद आमने-सामने मुलाकात करने की दर में भी काफी वृद्धि होती है। अहमदाबाद सहित देश के बड़े शहरों में भी युवाओं के बीच यह चलन तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। कुल मिलाकर, सर्दियों का मौसम केवल ठंड और त्योहारों का ही नहीं, बल्कि नए रिश्तों की तलाश का भी समय बनता जा रहा है। ऐसे में साथी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए सर्दियों का यह मौसम खास साबित हो सकता है।



विश्व धरोहर शहर अहमदाबाद की ऐतिहासिक विरासत पर संकट, उत्सवों के बीच अस्तित्व खोने की कगार पर पहुंचीं प्राचीन पोल

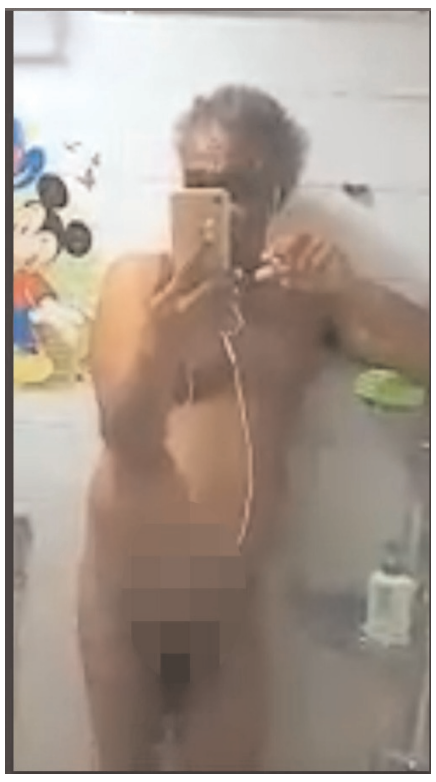
महानगर मेट्रो ब्यूरो

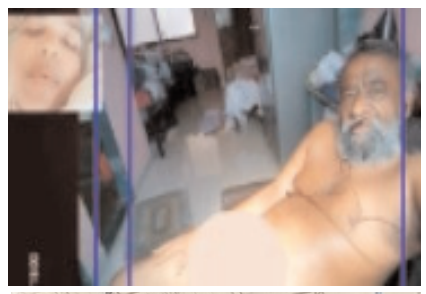
अहमदाबाद। भारत के पहले 'विश्व धरोहर शहर' का गौरव प्राप्त अहमदाबाद की पहचान मानी जाने वाली ऐतिहासिक विरासत आज अपने अस्तित्व के सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। एक ओर नगर निगम और पर्यटन विभाग देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विरासत सप्ताह और भव्य उत्सवों के आयोजन पर करोड़ों रुपये खर्च कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत बेहद चिंताजनक है। जिन ऐतिहासिक इमारतों और प्राचीन पोलों की भव्यता दिखाने के लिए दुनिया भर के पर्यटकों को आमंत्रित किया जाता है, वही विरासत प्रशासन की लापरवाही और ठोस संरक्षण नीति के अभाव में धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है। अहमदाबाद के चारदीवारी वाले पुराने शहर में लगभग 2,250 से 2,500 ऐतिहासिक धरोहर संपत्तियां मौजूद हैं। इनमें अधिकांश आवासीय मकान हैं। वर्षों पुरानी लकड़ी पर की गई बेजोड़ नक्काशी और अद्भुत स्थापत्य कला के नमूने माने जाने वाले ये मकान उचित देखभाल और मरम्मत के अभाव में बेहद जर्जर हो चुके हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, कुल धरोहर संपत्तियों में से लगभग 30 प्रतिशत संपत्तियां खंडहर जैसी स्थिति में पहुंच चुकी हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि जर्जर होने के नाम पर कई ऐतिहासिक मकानों को तोड़ दिया गया है और उनकी जगह आधुनिक कंक्रीट की इमारतें खड़ी कर दी गई हैं। इससे अहमदाबाद की मूल ऐतिहासिक पहचान और सांस्कृतिक विरासत को स्थायी नुकसान पहुंच रहा है। पुराने शहर में धरोहर संपत्तियों की लगातार बिगड़ती स्थिति को लेकर 'श्रेष्ठ खाड़िया अभियान' के सदस्यों द्वारा की गई जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। वर्ष 2019 के एक सर्वेक्षण में दर्ज 489 धरोहर संपत्तियों की वर्तमान स्थिति की जांच करने पर पता चला कि कुछ ही वर्षों के भीतर 38 ऐतिहासिक मकानों को पूरी तरह तोड़ दिया गया है। इसके अलावा लगभग 11 धरोहर संपत्तियां अब केवल खाली भूखंडों में बदल चुकी हैं, जबकि करीब 50 पुरानी और बेजोड़ स्थापत्य कला वाली इमारतों को गिराकर उनकी जगह नए निर्माण कर दिए गए हैं। इस प्रकार जांच के दायरे में आई लगभग 500 संपत्तियों में से करीब 100 ऐतिहासिक मकानों का अस्तित्व पूरी तरह समाप्त हो चुका है। शहर में एक ओर विरासत सप्ताह के आयोजन के माध्यम से ऐतिहासिक धरोहर को बचाने का संदेश दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर प्राचीन पोलों में रहने वाले लोगों को अपने ऐतिहासिक मकानों की देखभाल और मरम्मत के लिए न तो पर्याप्त आर्थिक सहायता मिल रही है और न ही कोई सरल एवं प्रभावी नीति उपलब्ध है।



करोड़ों के दान की खुली लूट और अनैतिक कारनामों से उबल रहा श्रावक वर्ग

धर्म की आड़ में महापाप या संघ को दी दीमक? जैन संत के वेश में छिपे 'भेड़िए' पर फूटा समाज का भयानक आक्रोश!







महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

गांधीनगर / अहमदाबादः अहिंसा, अपरिग्रह, त्याग और संयम के पवित्र मार्ग पर चलने वाली जैन संत परंपरा पर आज एक ऐसा काला दाग लग गया है, जिसने गुजरात से लेकर देश-विदेश में बसे हर जैन की रूह को कंपा दिया है। जिस श्वेत या भगवा वस्त्र को देखकर मस्तक श्रद्धा से झुक जाता था, आज उसी वेश की ओट में रचे गए घिनौने षड्यंत्रों और करोड़ों की महालूट ने एक भयंकर सुनामी ला दी है। सागरचंद्रसागर से जुड़े इस सनसनीखेज प्रकरण ने साफ कर दिया है कि कैसे कुछ भ्रष्ट और पतित तत्व धर्म के नाम पर समाज की आस्था का चीरहरण कर रहे हैं। यह सिर्फ एक व्यक्ति का नैतिक पतन नहीं है, बल्कि यह पूरी संत परंपरा के सीने पर खंजर भोंकने जैसा जघन्य अपराध है! डिजिटल साक्ष्यों का नंगा सचः क्या साधु वेश के पीछे छिपे हैं अय्याशी के अड्डे?सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रहे वे खौफनाक ऑडियो और डिजिटल दस्तावेज इस बात के गवाह हैं कि किस तरह चारित्रिक मर्यादाओं को तार-तार किया गया है। वायरल हो रही बातचीत और शोषण के गंभीर सुबूतों ने यह साबित कर दिया है कि तथाकथित संतों के कमरों और उपाश्रयों के बंद दरवाजों के पीछे क्या खेल चल रहा है। समाज का बच्चा-बच्चा आज गुस्से से उबल रहा है। सवाल यह नहीं है कि ये ऑडियो झूठे हैं या सच्चे–असली आग इस बात पर सुलग रही है कि यदि ये आरोप बेबुनियाद हैं, तो अब तक आरोपी और उसके संरक्षकों पर राहु और केतु की तरह कानूनी डंडा क्यों नहीं चलाया गया? और यदि इनमें एक प्रतिशत भी सच्चाई है, तो वह शख्स अभी भी खुली हवा में सांस कैसे ले रहा है? क्या कानून और समाज का डर सिर्फ आम इंसान के लिए रह गया है?

दान के करोड़ों रुपयों की अंधेरगदीः आस्था की कमाई पर किसका डाका?

यह कांड सिर्फ चरित्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें करोड़ों रुपये के महाघोटाले की ऐसी बदबू आ रही है जो सिरदर्द पैदा कर दे। जैन श्रद्धालुओं द्वारा अपनी गाढ़ी कमाई से जीवदया, धर्म और मानव कल्याण के लिए दिए गए दान के धन को क्या अय्याशी और ऐशो-आराम के साजो-सामान पर लुटाया जा रहा है? श्रावक वर्ग की लपटें अब सड़कों पर आने को बेताब हैं। जनता की सीधी ललकार है– यदि उस तथाकथित साधु में थोड़ी भी नैतिकता या शर्म बची है, तो तुरंत उस वेश को उतारकर फेंक दे, क्योंकि एक पाखंडी के काले कारनामों की सजा पूरा जैन समाज भुगतने को तैयार नहीं है। ट्रस्टियों और संघों की नीच चुप्पीः क्या चंदे के टुकड़ों पर बिक चुकी है धर्म की गरिमा? इस महापाप से भी ज्यादा खतरनाक और घिनौना चेहरा उन उपाश्रय प्रबंधकों, संघ के पदाधिकारियों और ट्रस्टियों का है, जिन्होंने अपनी जुबान पर ताले जड़ रखे हैं। चारों तरफ हाहाकार मचा है, समाज उबल रहा है, लेकिन ये तथाकथित ठेकेदार भूमिगत हो चुके हैं।

क्या इन भ्रष्ट पदाधिकारियों ने अपनी कुर्सियों और तिजोरियों के लालच में इस खौफनाक अपराध पर पर्दा डाल रखा है?

श्रावक समाज अब आर-पार के मूड में है। युवाओं ने दो-टूक चेतावनी दे दी है कि ऐसे कलंकित और संदिग्ध चरित्र के लोगों को अब गोचरी देना, उपाश्रय में घुसने देना या मंच पर बिठाना तो दूर, देखना भी धर्म का अपमान है।

अगर इन बिके हुए ट्रस्टियों ने तुरंत अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी, तो ऐसा सामाजिक भूचाल आएगा कि इन प्रबंधकों को छुपने के लिए भी जगह नहीं मिलेगी!

हजारों तपस्वियों के त्याग पर कालिखः चंद भेड़ियों के कारण क्यों भुगते पूरा समाज?

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि आज भी देश में हजारों साधु-साध्वी और आचार्य अपनी सांसें गलाकर, कठोर तपस्या कर धर्म की असली ज्योति जला रहे हैं। लेकिन सागरचंद्रसागर जैसे कुछ पाखंडी अपनी काली करतूतों से उस महान परंपरा को कलंकित कर रहे हैं।

क्या वेश धारण कर लेने से कोई कानून और नैतिकता से ऊपर हो जाता है? जैन समाज की रग-रग में अब बगावत का खून दौड़ रहा है। अब और लीपापोती बर्दाश्त नहीं होगी!

महानगर मेट्रो की अल्टीमेटम भरी हुंकार: अब होगा न्याय या होगा महासंग्राम!

'महानगर मेट्रो' दो टूक चेतावनी देता है कि इस मामले में किसी भी तरह का समझौता या पर्दापोश अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जैन समाज को अब खोखले आश्वासन नहीं चाहिए, बल्कि तुरंत निम्नलिखित कार्रवाई होनी चाहिएः

1. तत्काल फॉरेंसिक जांचः वायरल ऑडियो और डिजिटल सबूतों की उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराकर दूध का दूध और पानी का पानी किया जाए।

2. करोड़ों के घोटाले का कच्चा-चिट्ठाः दान में आए करोड़ों रुपयों के गबन का हिसाब सार्वजनिक हो और एक-एक पाई का हिसाब लिया जाए।

3. संत पद से निष्कासन और जेलः आरोपी को तत्काल साधु वेश से बेदखल कर सलाखों के पीछे भेजा जाए, और यदि आरोप झूठे हैं तो फैलाने वालों पर देशद्रोह जैसा कड़ा शिकंजा कसा जाए।

4. संरक्षक ट्रस्टियों की लात मारकर विदाईः जो भी पदाधिकारी इस गंदे खेल को संरक्षण दे रहे हैं, उन्हें तुरंत उनके पदों से बर्खास्त किया जाए।

अंतिम ललकारः

अब फैसला कायरों की तरह आंखें मूंदने का नहीं, बल्कि सत्य के साथ अंगार बनकर खड़े होने का है। धर्म बचेगा या पाखंडियों की तिजोरियां–इसका फैसला आज जैन समाज को खुद करना होगा!

अहमदाबाद रिवरफ्रंट पर गंदगी को लेकर प्रशासन की कार्रवाई, 2 स्वच्छता निरीक्षक निलंबित

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए नगर निगम की ओर से चलाए जा रहे अभियान के बीच प्रशासन और सफाई कर्मचारियों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। शहर की पहचान माने जाने वाले साबरमती रिवरफ्रंट पर सुबह-सुबह कचरे के ढेर और गंदगी दिखाई देने पर नगर निगम आयुक्त ने सख्त कार्रवाई करते हुए 2 स्वच्छता निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इस कार्रवाई के विरोध में नगर निगम के 500 से अधिक सफाई कर्मचारियों में नाराजगी फैल गई और उन्होंने कामकाज छोड़कर हड़ताल शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद में चल रहे स्वच्छता अभियान की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने के लिए नगर निगम आयुक्त रविवार सुबह 7 बजे साबरमती रिवरफ्रंट पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान रिवरफ्रंट क्षेत्र में जगह-जगह कचरे के ढेर और गंदगी दिखाई दी। इस स्थिति को देखकर आयुक्त ने नाराजगी जताई और ड्यूटी में लापरवाही बरतने के लिए जिम्मेदार माने गए 2 स्वच्छता निरीक्षकों को मौके पर ही निलंबित करने के आदेश दे दिए। दोनों स्वच्छता निरीक्षकों के निलंबन की खबर फैलते ही सफाई कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया। कार्रवाई के विरोध में नगर निगम के 500 से अधिक सफाई कर्मचारियों ने अपना कामकाज बंद कर दिया। इसके बाद सभी कर्मचारी एकत्र होकर दाणापीठ स्थित नगर निगम के मुख्य कार्यालय पहुंच गए। यहां उन्होंने प्रदर्शन करते हुए निलंबन की कार्रवाई का विरोध किया और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। हड़ताल पर उतरे सफाई कर्मचारियों और कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों का आरोप है कि रिवरफ्रंट की सफाई की मुख्य जिम्मेदारी एक निजी एजेंसी को सौंपी गई है। इसके बावजूद निजी एजेंसी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई करने के बजाय नगर निगम के स्वच्छता निरीक्षकों को जिम्मेदार ठहराकर निलंबित कर दिया गया है। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने प्रशासन के सामने मांग रखी है कि रिवरफ्रंट पर फैली गंदगी के लिए वास्तव में जिम्मेदार निजी एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और दोनों स्वच्छता निरीक्षकों का निलंबन तत्काल वापस लिया जाए। फिलहाल दाणापीठ स्थित नगर निगम कार्यालय में कर्मचारियों के एकत्र होने से माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के दावे से सियासी हलचल, बोले- सोनिया गांधी ने बिना कोई पैसा लगाए हासिल की थी मारुति कंपनी की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी!



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की राजनीति में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और गांधी परिवार को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस के पुराने शासनकाल और तत्कालीन सरकार के फैसलों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। निशिकांत दुबे ने दावा किया है कि 1970 के दशक में सोनिया गांधी बिना एक भी रुपया निवेश किए मारुति कंपनी की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी की मालिक बन गई थीं। उनके इस दावे के बाद भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। निशिकांत दुबे ने पुराने घटनाक्रमों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि 1970 के दशक में जब संजय गांधी द्वारा मारुति कंपनी की शुरुआत की जा रही थी, उस समय कंपनी के आर्थिक मामलों और मालिकाना अधिकारों को लेकर कई संदिग्ध फैसले किए गए थे। उन्होंने दावा किया कि सोनिया गांधी ने किसी भी प्रकार का वित्तीय निवेश या पूंजी लगाए बिना मारुति कंपनी के लगभग 50 प्रतिशत शेयर और मालिकाना हक हासिल कर लिया था। भाजपा सांसद ने इस मामले को तत्कालीन सत्ता के कथित दुरुपयोग से जोड़ते हुए सवाल उठाए हैं। मारुति कंपनी से जुड़े आरोपों के साथ ही निशिकांत दुबे ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के शासनकाल में लिए गए फैसलों पर भी सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने बैंकों के राष्ट्रीयकरण और प्रधानमंत्री कार्यालय की कार्यप्रणाली का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि जिस समय देश में बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया जा रहा था और आम जनता के आर्थिक विकास की बातें हो रही थीं, उसी दौरान प्रधानमंत्री कार्यालय के भीतर एक निजी कंपनी का कार्यालय संचालित किया जा रहा था। उन्होंने यह भी दावा किया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री के निजी सचिव स्वयं उस निजी कंपनी में निदेशक के पद पर कार्यरत थे। भाजपा सांसद ने इन घटनाक्रमों को सत्ता के कथित दुरुपयोग और केंद्रीकरण का उदाहरण बताते हुए तत्कालीन व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। निशिकांत दुबे की ओर से लगाए गए इन आरोपों के बाद कांग्रेस के सामने राजनीतिक जवाब देने की चुनौती खड़ी हो गई है। भाजपा इन आरोपों के जरिए कांग्रेस के पुराने शासनकाल, गांधी परिवार की भूमिका और कथित अनियमितताओं को लेकर सवाल उठा रही है। वहीं, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि और संबंधित पक्षों का जवाब सामने आना महत्वपूर्ण होगा।

बोटाद की जवाहर नवोदय विद्यालय बनी जहरीले धुएं का केंद्र, 405 विद्यार्थियों की पढ़ाई पर संकट, अभिभावकों में हाहाकार



महानगर मेट्रो ब्यूरो

बोटाद । केंद्र सरकार की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था बोटाद की जवाहर नवोदय विद्यालय इन दिनों गंभीर प्रशासनिक लापरवाही का सामना कर रही है। विद्यालय की दीवार से सटी कचरा डालने की जगह से लगातार निकल रहे जहरीले और दमघोंटू धुएं के कारण यहां पढ़ने वाले 405 विद्यार्थियों का स्वास्थ्य और भविष्य खतरे में पड़ गया है। बच्चों के स्वास्थ्य पर मंडराते इस गंभीर खतरे को देखते हुए अभिभावक मजबूर होकर अपने बच्चों को विद्यालय से वापस घर ले जा रहे हैं। इस स्थिति के कारण पूरे जिले में हड़कंप मच गया है। शांत और पवित्र शिक्षा का केंद्र मानी जाने वाली नवोदय विद्यालय की यह दुर्दशा किसी प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं, बल्कि प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी का नतीजा बताई जा रही है। इस गंभीर मामले को लेकर प्रशासन के सामने सात बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं।

1. विद्यालय की स्थापना और कचरा स्थल को मंजूरी देने का सवाल

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बोटाद की जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना 13 फरवरी 2022 को हुई थी और प्रधानमंत्री ने 20 फरवरी 2022 को इसका आभासी माध्यम से उद्घाटन किया था। बताया जा रहा है कि कचरा डालने का यह स्थान इसके बाद अस्तित्व में आया। यदि विद्यालय पहले से संचालित था, तो इसके ठीक बगल में कचरा डालने की अनुमति किसने और किन आधारों पर दी?

2. पर्यावरण संबंधी नियमों की अनदेखी क्यों?

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत बनाए गए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 और गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्धारित मानकों के अनुसार शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और आवासीय क्षेत्रों के आसपास कचरा डालने के स्थान को लेकर निर्धारित मानदंडों का पालन आवश्यक है। इसके बावजूद विद्यालय के नजदीक इस तरह का स्थान किस आधार पर बनाया गया।

सरखेज की ईडब्ल्यूएस आवास योजना के विवाद से अहमदाबाद की राजनीति गरमाई, 2,160 मकानों में से केवल 8 मुस्लिम परिवारों को आवंटन का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर के सरखेज क्षेत्र में स्थित आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) आवास योजना को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। जमालपुर-खाड़िया से कांग्रेस विधायक इमरान खेड़ावाला के एक गंभीर आरोप ने गुजरात की राजनीति में हलचल मचा दी है। विधायक ने आरोप लगाया है कि सरखेज में बनाए गए कुल 2,160 आवासों में से केवल 8 मुस्लिम परिवारों को ही मकान आवंटित किए गए हैं। उन्होंने इसे पक्षपात और भेदभाव का मामला बताते हुए अहमदाबाद नगर निगम की आवास आवंटन नीति और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस विधायक इमरान खेड़ावाला ने सत्ताधारी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि सरखेज की इस विशाल आवास योजना में बड़े पैमाने पर अन्याय किया गया है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि दो हजार से अधिक मकानों वाली इस योजना में अल्पसंख्यक समुदाय को जानबूझकर पीछे रखा गया और केवल 8 मुस्लिम परिवारों को ही आवास आवंटित किए गए। उन्होंने प्रशासन से पूरे मामले की पारदर्शी जांच कराने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि आवश्यकता पड़ने पर इस मुद्दे को लेकर व्यापक आंदोलन किया जाएगा। कांग्रेस विधायक के आरोपों पर एलिसब्रिज क्षेत्र के भाजपा विधायक अमित ठाकर ने पलटवार किया है।

उन्होंने कांग्रेस के आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इसे राजनीतिक लाभ लेने और सामाजिक वातावरण खराब करने का प्रयास बताया। अमित ठाकर ने कहा कि गुजरात सरकार और अहमदाबाद नगर निगम की किसी भी आवास योजना में जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी मकानों का आवंटन पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया और कंप्यूटरीकृत लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाता है। पात्रता और निर्धारित नियमों के आधार पर ही लाभार्थियों को आवास दिए गए हैं।

अहमदाबाद में सक्रिय ऑटो रिक्शा गिरोह का पर्दाफाशः महिला यात्री के 80 हजार रुपये चुराने वाले तीन शातिर आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर में साझा ऑटो रिक्शा में सफर करने वाले आम नागरिकों को निशाना बनाकर चोरी और लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले गिरोह का एक और मामला सामने आया है। सीटीएम एक्सप्रेस हाईवे पर रिक्शा में सवार दंपती को धक्का-मुक्की के बहाने उलझाकर महिला के बैग से 80 हजार रुपये नकद चुराने वाले तीन शातिर आरोपियों को रामोल पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिरों से मिली जानकारी और तकनीकी निगरानी की मदद से आरोपियों तक पहुंचकर उनके कब्जे से चोरी की रकम में से 70 हजार रुपये नकद तथा वारदात में इस्तेमाल की गई रिक्शा बरामद की है। बरामद सामान की कुल कीमत करीब 1 लाख 20 हजार रुपये बताई गई है। हालांकि, चोरी हुई कुल 80 हजार रुपये की रकम में से शेष 10 हजार रुपये कहां गए, इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत 12 नवंबर को एक महिला अपने पति के साथ सीटीएम एक्सप्रेस हाईवे से साझा रिक्शा में सफर कर रही थी। बताया गया है कि रिक्शा में पहले से ही दो शातिर व्यक्ति यात्री बनकर बैठे हुए थे। यात्रा के दौरान इन लोगों ने जानबूझकर महिला और उसके पति के साथ धक्का-मुक्की शुरू कर दी। साथ ही बैठने की जगह को लेकर अव्यवस्था पैदा करने का नाटक किया, ताकि दंपती का ध्यान भटकाया जा सके। इसी दौरान आरोपियों ने मौका देखकर बेहद चालाकी से महिला के बैग की जिप खोली और उसमें रखे 80 हजार रुपये नकद निकाल लिए। कुछ दूरी आगे जाने के बाद जब दंपती रिक्शा से नीचे उतरे और महिला ने अपना बैग संभाला, तो उसमें से नकदी गायब देखकर उनके होश उड़ गए। बैग में रखे 80 हजार रुपये चोरी हो चुके थे।

घटना के बाद पीड़ित परिवार ने तत्काल रामोल पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। शिकायत मिलने के बाद रामोल पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी कैमरों की तस्वीरों की जांच की तथा मुखबिरों को सक्रिय किया।

पुलिस की सख्त कार्रवाई के दावों के बावजूद अहमदाबाद में शराब और मादक पदार्थों की तस्करी पर सवाल, आखिर कैसे पहुंच रहा नशे का जाल?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में शराबबंदी के कड़े कानून लागू हैं। राज्य की पुलिस और विभिन्न एजेंसियां समय-समय पर शराब तस्करों तथा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का दावा करती हैं। आए दिन पुलिस की छापेमारी और लाखों रुपये का सामान जब्त किए जाने की खबरें भी सामने आती रहती हैं। लेकिन इन कार्रवाइयों के बीच आम जनता के मन में एक सवाल लगातार उठ रहा है कि यदि पुलिस वास्तव में इतनी सख्त और सक्रिय है, तो शराब और मादक पदार्थों की इतनी बड़ी खेप अहमदाबाद शहर तक पहुंच कैसे रही है? यह सवाल केवल किसी एक नागरिक का नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर उठ रही गंभीर आशंका को दर्शाता है। इसका जवाब आखिर कौन देगा?

पुलिस की कार्रवाई के बावजूद उठ रहे सवाल

एक ओर पुलिस नियमित वाहन जांच, नाकाबंदी और राज्य निगरानी प्रकोष्ठ की छापेमारी जैसी कार्रवाइयों का उल्लेख करती है, वहीं दूसरी ओर शहर के अलग-अलग इलाकों में विदेशी शराब और मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के सक्रिय होने के आरोप सामने आते रहते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि पुलिस का खुफिया तंत्र इतना सक्रिय है, तो क्या शराब और मादक पदार्थों के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों की गतिविधियां उसकी नजरों से बच सकती हैं? शहर में प्रवेश के प्रमुख रास्तों पर पुलिस चौकियां और नाकाबंदी होने के बावजूद यदि शराब और मादक पदार्थों की बड़ी खेप आसानी से पहुंच रही है, तो यह सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करता है। जनता जानना चाहती है कि आखिर इन अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने में क्या बाधाएं आ रही हैं और जिम्मेदार तंत्र इस दिशा में क्या कदम उठा रहा है।अहमदाबाद जैसे बड़े शहर में शराब और मादक पदार्थों का अवैध कारोबार युवा पीढ़ी के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ा रहा है। अभिभावकों के मन में यह सवाल है कि उनके बच्चे किस दिशा में जा रहे हैं और समाज में फैल रही नशे की प्रवृत्ति पर रोक कैसे लगेगी।

भुज-खावड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण सड़क हादसा, 5 से अधिक लोगों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भुज । कच्छ जिले के भुज-खावड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार और एक अन्य वाहन के बीच हुई जोरदार टक्कर में 5 से अधिक लोगों की मौके पर ही मौत होने की खबर है, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसके दो हिस्से हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भुज-खावड़ा राजमार्ग पर वाहन तेज गति से गुजर रहे थे। इसी दौरान कार और दूसरे वाहन के बीच अचानक जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर की आवाज दूर तक सुनाई दी। हादसे के बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और वहां से गुजर रहे लोगों ने तुरंत पुलिस तथा एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और 108 एंबुलेंस की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि कुछ घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

एक साथ 5 से अधिक लोगों की मौत की खबर से पूरे कच्छ क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और इसके लिए कौनकारण जिम्मेदार थे। लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए स्थानीय लोगों ने राजमार्ग पर यातायात सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण लगाने की मांग की है।



सूरत में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो का बड़ा शिकंजाः 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते आरोपी रंगे हाथों गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



सूरत । गुजरातभर में भ्रष्टाचार के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की ओर से चलाए जा रहे सख्त अभियान के बीच सूरत शहर में रिश्वतखोरी का एक और मामला सामने आया है। सरकारी कार्यालयों में आम नागरिकों के काम करवाने के बदले रिश्वत मांगने और उन्हें परेशान करने वाले लोगों के खिलाफ एसीबी लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में सूरत में 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते एक आरोपी को एसीबी की टीम ने जाल बिछाकर रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के बाद शहर में रिश्वतखोरी से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सूरत क्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण कार्य या सरकारी अनुमति के बदले शिकायतकर्ता से रिश्वत की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता रिश्वत देने के पक्ष में नहीं था। इसलिए उसने इस मामले की जानकारी तत्काल सूरत स्थित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पुलिस थाने में दी और लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद एसीबी के वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाने की योजना तैयार की। पूरी कार्रवाई अधिकारियों के मार्गदर्शन में करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद एसीबी की टीम ने पूर्व सूचना और निर्धारित योजना के अनुसार कार्रवाई की तैयारी की। तय रणनीति के तहत शिकायतकर्ता को आरोपी के संपर्क में रखा गया और टीम ने घटनास्थल पर निगरानी शुरू कर दी। जैसे ही आरोपी ने शिकायतकर्ता से तय की गई 5,000 रुपये की रिश्वत राशि स्वीकार की, पहले से सतर्क एसीबी की जाल बिछाने वाली टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। अचानक हुई इस कार्रवाई से आरोपी को संभलने और बचने का कोई अवसर नहीं मिला। कार्रवाई के दौरान एसीबी की टीम ने रिश्वत की राशि से जुड़े मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की। आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने और आगे की कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। ब्यूरो अब इस बात की भी जांच कर रहा है कि रिश्वत मांगने और लेने के इस पूरे मामले में किसी अन्य अधिकारी या कर्मचारी की भूमिका तो नहीं है। यदि जांच में किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है, तो उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संजय राउत के सनसनीखेज आरोप से राष्ट्रीय राजनीति में हलचलः परिसीमन विधेयक के समर्थन के लिए सांसदों को 150 करोड़ रुपये तक का प्रस्ताव!

महानगर मेट्रो ब्यूरो



नई दिल्ली । देश की राजनीति में एक बार फिर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के वरिष्ठ सांसद संजय राउत ने केंद्र की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया है कि प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को संसद में पारित कराने के लिए सांसदों को अपने पक्ष में करने की कोशिश की जा रही है। राउत के आरोप के मुताबिक, विधेयक के समर्थन में मतदान करने के लिए सांसदों को 150 करोड़ रुपये तक की बड़ी रकम देने का प्रस्ताव दिया जा रहा है। उनके इस बयान के बाद दिल्ली से मुंबई तक राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। मीडिया से बातचीत के दौरान संजय राउत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार अपने फैसलों और विधेयकों को किसी भी कीमत पर पारित करवाना चाहती है। इसके लिए सत्ता का इस्तेमाल करते हुए विपक्षी सांसदों को अपने पक्ष में करने के प्रयास किए जा रहे हैं। राउत ने दावा किया कि प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया और आने वाले समय के राजनीतिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए विपक्षी सांसदों को तोड़ने की कोशिश हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधेयक के समर्थन में मतदान हासिल करने के लिए भारी धनराशि की पेशकश की जा रही है। उनके मुताबिक, एक-एक सांसद को 150 करोड़ रुपये तक देने की चर्चा सामने आ रही है। हालांकि, सांसदों को इतनी बड़ी रकम की पेशकश किए जाने का यह दावा संजय राउत का आरोप है। इस संबंध में प्रस्तुत सामग्री में किसी स्वतंत्र प्रमाण या आधिकारिक पुष्टि का उल्लेख नहीं है। ऐसे में इस आरोप की वास्तविकता और इसके पीछे के तथ्यों को लेकर स्थिति स्पष्ट होना बाकी है।

परिसीमन विधेयक को लेकर राजनीतिक खींचतान तेज

देश में परिसीमन और महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर पिछले कुछ समय से राजनीतिक चर्चा जारी है। परिसीमन के तहत लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं तथा प्रतिनिधित्व से जुड़े समीकरणों में बदलाव हो सकता है।

मतदाताओं ने चुनाव में हराया तो गांव को अंधेरे में धकेला! भाजपा विधायक के निजी सहायक की पत्नी की हार के 3 घंटे बाद ही उतरवा दी गईं 50 सड़क बत्तियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो



जयपुर/टोंक। चुनाव में मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए विकास और सुविधाओं के वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव हारने के बाद जनता के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है, इसका एक चौंकाने वाला मामला राजस्थान के टोंक जिले से सामने आया है। यहां पंचायत समिति के सदस्य पद के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा तो गांव में लगाई गई करीब 50 सड़क बत्तियां ही उतरवा ली गईं। ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव प्रचार के दौरान जिन बत्तियों को लगाकर गांव को रोशन किया गया था, उन्हें परिणाम घोषित होने के महज तीन घंटे के भीतर हटवा दिया गया। इससे गांव एक बार फिर अंधेरे में डूब गया।

29 दिन पहले लगाई गई थीं बत्तियां, हार के 3 घंटे बाद उतार ली गई

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजस्थान के टोंक जिले की पीपलू पंचायत समिति के सदस्य पद के लिए उपचुनाव आयोजित हुआ था। ग्रामीणों के मुताबिक, निवाई-पीपलू क्षेत्र के भाजपा विधायक रामसहाय वर्मा के निजी सहायक (पीए) आलोक शर्मा की पत्नी प्रियंका इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के रूप में मैदान में थीं। चुनाव प्रचार के दौरान मतदाताओं को आकर्षित करने और विकास कार्यों का संदेश देने के उद्देश्य से गांव की सड़कों पर करीब 50 नई सड़क बत्तियां लगाई गई थीं। बताया गया कि ये बत्तियां मतदान से ठीक 29 दिन पहले लगाई गई थीं। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि अब गांव की गलियां और सड़कें रात के समय भी रोशनी से जगमगाती रहेंगी। लेकिन चुनाव परिणाम घोषित होते ही तस्वीर बदल गई। ग्रामीणों ने प्रियंका को अपना समर्थन नहीं दिया और उन्हें चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद जो घटनाक्रम सामने आया, उसने पूरे मामले को चर्चा में ला दिया। ग्रामीणों के अनुसार, चुनाव परिणाम घोषित होने के महज तीन घंटे बाद शाम के समय बिजली निगम की टीम गांव पहुंची और खंभों पर लगी करीब 50 सड़क बत्तियां उतारकर अपने वाहन में भरकर ले गई। इस कार्रवाई से ग्रामीण हैरान रह गए। उनका कहना है कि जिन बत्तियों से गांव की सड़कों पर रोशनी हो रही थी, उन्हें अचानक हटाने का कोई उचित कारण नहीं बताया गया। चुनाव में हार के तुरंत बाद हुई इस कार्रवाई ने ग्रामीणों के मन में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इस पूरे मामले में बिजली निगम के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। जब बिजली निगम के सहायक अभियंता (एईएन) से गांव में लगी सड़क बत्तियों को हटाए जाने के संबंध में जानकारी मांगी गई, तो उन्होंने कथित तौर पर जवाब दिया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि गांव में ये बत्तियां किसने लगवाई थीं। अधिकारी के इस जवाब के बाद मामला और उलझ गया है। ग्रामीणों का सवाल है कि यदि संबंधित अधिकारी को यह जानकारी ही नहीं थी कि गांव में सड़क बत्तियां किसने लगवाई थीं, तो फिर बिजली निगम की टीम किसके आदेश पर उन्हें हटाने पहुंची? बत्तियां लगाने और हटाने की अनुमति किसने दी थी? क्या इस पूरी कार्रवाई के संबंध में कोई आधिकारिक आदेश जारी किया गया था? इन सवालों के जवाब अब तक सामने नहीं आए हैं। इस घटना के बाद पीपलू पंचायत समिति क्षेत्र के ग्रामीणों में भारी नाराजगी बताई जा रही है। लोगों के बीच इस बात को लेकर चर्चा है कि क्या जनसुविधाओं और विकास कार्यों का इस्तेमाल केवल चुनाव के समय मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए किया जाता है? यदि मतदाता अपनी पसंद के उम्मीदवार को वोट देते हैं और कोई प्रत्याशी चुनाव हार जाता है, तो क्या पूरे गांव को अंधेरे में रहने की सजा दी जाएगी? ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बत्तियां किसी एक उम्मीदवार या राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं होतीं, बल्कि उनका उद्देश्य आम जनता को सुविधा देना होता है। गांव में लगाई गई रोशनी को चुनावी नतीजे से जोड़कर हटाया जाना उचित नहीं माना जा सकता। लोगों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और बत्तियां हटाने के आदेश देने वालों की जिम्मेदारी तय करने की मांग उठाई है। फिलहाल यह मामला टोंक जिले से निकलकर राजस्थान के राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। चुनाव में हार के बाद महज तीन घंटे के भीतर 50 सड़क बत्तियां हटाए जाने के ग्रामीणों के आरोपों ने सरकारी व्यवस्था, जनसुविधाओं और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और गांव की सड़कों पर दोबारा रोशनी की व्यवस्था कब तक बहाल होती है।

नगर निगम के दोहरे मापदंडों पर उठे सवालः नागरिकों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाने वाली पालिका की कचरा गाड़ियां ही सड़कों पर फैला रहीं गंदगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत । हीरा और कपड़ा नगरी के रूप में दुनिया भर में पहचान रखने वाले सूरत शहर को स्वच्छता के मामले में देश के आदर्श शहरों में गिना जाता है। लेकिन हाल ही में सूरत महानगरपालिका की व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाली एक घटना सामने आई है। शहर में कचरे के उचित प्रबंधन के लिए नगर निगम ने बेहद सख्त नियम लागू कर रखे हैं। इन नियमों के तहत नागरिकों के लिए चार अलग-अलग श्रेणियों में कचरे को अलग-अलग करना और फिर उसे नगर निगम की कचरा गाड़ी में देना अनिवार्य है। नियमों का पालन नहीं करने पर नागरिकों के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई भी की जाती है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जो नगर निगम आम लोगों से स्वच्छता के नियमों का सख्ती से पालन करवाता है, क्या उसकी अपनी व्यवस्था भी इन नियमों पर खरी उतर रही है? हाल ही में सूरत के सोरैली-पुणा पाटिया क्षेत्र का एक वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हुआ है। इस वीडियो में नगर निगम की कचरा ढोने वाली गाड़ियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में सड़क पर चलती कचरा गाड़ी से कचरा उड़कर रास्ते में बिखरता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि गाड़ियों में कचरे को ढकने के लिए उचित व्यवस्था नहीं होने या क्षमता से अधिक कचरा भरे होने के कारण हवा के साथ कचरा सड़क पर फैल रहा है। इससे सड़क पर गंदगी फैलने के साथ-साथ स्वच्छता व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। एक ओर नगर निगम शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रहा है और नागरिकों से कचरे का उचित वर्गीकरण करने की अपेक्षा करता है, वहीं दूसरी ओर नगर निगम की अपनी कचरा गाड़ियों से ही सड़क पर कचरा फैलने की तस्वीर सामने आने से व्यवस्था की जवाबदेही पर सवाल उठ रहे हैं। यदि कचरा ढोने वाली गाड़ियों में उचित ढकाव और सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था नहीं होगी, तो शहर में स्वच्छता बनाए रखने के प्रयासों का उद्देश्य कैसे पूरा होगा?

राजस्थान में दो भीषण सड़क हादसों ने उजाड़े परिवारः रामदेवरा से लौट रहे बनासकांठा के 3 श्रद्धालुओं की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद । वर्ष के अंतिम दिनों से पहले राजस्थान के धार्मिक स्थलों के दर्शन कर अपने घर लौट रहे गुजरात और महाराष्ट्र के दो परिवारों के लिए सफर जीवन का सबसे दुखद अनुभव बन गया। राजस्थान में हुए दो अलग-अलग भीषण सड़क हादसों में कुल 12 लोगों की मौत हो गई। इनमें रामदेवरा से लौट रहे बनासकांठा जिले के तीन श्रद्धालु और खाटूश्यामजी के दर्शन कर महाराष्ट्र लौट रहे एक ही परिवार के नौ सदस्य शामिल हैं। इन दुर्घटनाओं की खबर से मृतकों के परिवारों में मातम छा गया है। दोनों हादसों ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा और लंबी यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की आवश्यकता को सामने ला दिया है।

रामदेवरा से लौट रहे बनासकांठा के तीन श्रद्धालुओं की मौत

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहला हादसा राजस्थान के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बाबा रामदेवरा के दर्शन कर अपने घर लौट रहे बनासकांठा जिले के श्रद्धालुओं के साथ हुआ। बताया गया कि श्रद्धालु एक वाहन में सवार होकर बाबा रामदेव के दर्शन के लिए गए थे। दर्शन करने के बाद सभी लोग वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनका वाहन भीषण दुर्घटना का शिकार हो गया।हादसा इतना गंभीर था कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में कुछ अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। धार्मिक यात्रा पर खुशी-खुशी निकले परिवारों पर अचानक दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजनों में शोक और चीख-पुकार मच गई।

कोटा-उदयपुर राजमार्ग पर चालक को झपकी आने से नौ लोगों की मौत

दूसरी भीषण दुर्घटना राजस्थान के कोटा-उदयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई। इस हादसे में महाराष्ट्र के धुले क्षेत्र के एक ही परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों की जान चली गई। बताया गया कि परिवार के लोग राजस्थान के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खाटूश्यामजी के दर्शन करने आए थे। दर्शन के बाद सभी लोग कार से अपने गृह क्षेत्र धुले लौट रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार तड़के कोटा-उदयपुर राजमार्ग पर घने कोहरे अथवा थकान के कारण कार चालक को अचानक झपकी आ गई। इससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और तेज गति से जा रही कार सड़क किनारे खड़े वाहन अथवा किसी अन्य वाहन से जोरदार टक्कर मार बैठी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के सदस्यों और उनके रिश्तेदारों सहित कुल नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक साथ नौ लोगों की जान जाने की खबर से महाराष्ट्र के धुले क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। मृतकों के घरों में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

धार्मिक यात्रा से लौटते समय बरतें सावधानी

दोनों दुर्घटनाओं ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। श्रद्धा और आस्था के साथ धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए निकले लोगों ने कल्पना भी नहीं की होगी कि घर वापसी का सफर उनके जीवन का अंतिम सफर बन जाएगा। सड़क हादसों के बाद एक बार फिर वाहन चलाते समय सतर्कता, निर्धारित गति सीमा का पालन और लंबी यात्रा के दौरान पर्याप्त आराम करने की आवश्यकता पर सवाल उठे हैं।विशेषज्ञों के अनुसार, लंबी दूरी की यात्रा के दौरान चालक को थकान या नींद महसूस होने पर वाहन चलाना जारी नहीं रखना चाहिए।

स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की मनमानी उजागर, 14 साल पुरानी पॉलिसी के बावजूद 2.81 लाख रुपये का दावा खारिज; उपभोक्ता फोरम ने कंपनी का फैसला पलटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो



अहमदाबाद। आज के समय में स्वास्थ्य बीमा प्रत्येक परिवार की महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गया है। बीमा पॉलिसी बेचते समय एजेंट और बड़ी-बड़ी कंपनियां ग्राहकों को कई तरह के लाभ और बिना नकद भुगतान के इलाज की सुविधाओं का भरोसा दिलाती हैं। लेकिन जब वास्तव में इलाज का खर्च उठाने की बारी आती है, तो यही कंपनियां नियमों और शर्तों का हवाला देकर दावे खारिज कर देती हैं। बीमा कंपनियों की मनमानी का एक और मामला सामने आया है, जिसमें 14 साल पुरानी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होने के बावजूद कंपनी ने 2.81 लाख रुपये का दावा नामंजूर कर दिया। हालांकि, उपभोक्ता फोरम ने कंपनी के इस फैसले को पलट दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक बीमाधारक वर्ष 2010 से लगातार अपनी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी का नवीनीकरण करवा रहे थे और नियमित रूप से प्रीमियम जमा कर रहे थे। इसी दौरान 19 से 21 मार्च 2024 के बीच उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अहमदाबाद के एक प्रतिष्ठित अस्पताल में भर्ती कराया गया। मोटापे की गंभीर समस्या के कारण चिकित्सकों की सलाह पर उनकी दूरबीन पद्धति से आमाशय की बाईपास शल्य चिकित्सा की गई। इस उपचार पर कुल 2,81,906 रुपये खर्च हुए। इलाज पूरा होने के बाद बीमाधारक ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार बीमा कंपनी के समक्ष दावा प्रस्तुत किया। लेकिन कंपनी ने भुगतान करने के बजाय पॉलिसी में शामिल 48 महीने की प्रतीक्षा अवधि का हवाला देते हुए पूरा दावा खारिज कर दिया। उल्लेखनीय है कि संबंधित व्यक्ति की बीमा पॉलिसी पिछले 14 वर्षों से लगातार चालू थी। इसके बावजूद कंपनी द्वारा दावा नामंजूर किए जाने से विवाद खड़ा हो गया। बीमा कंपनी के इस फैसले से परेशान होकर बीमाधारक ने कानूनी लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया और मामला उपभोक्ता फोरम तक पहुंचाया। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की दलीलें और संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। मामले की जांच के बाद फोरम ने बीमा कंपनी की दलीलों को स्वीकार नहीं किया और दावा खारिज करने के उसके फैसले को अनुचित ठहराते हुए निरस्त कर दिया। इस निर्णय से बीमाधारक को बड़ी राहत मिली। इसी तरह का एक अन्य मामला गुजरात के एक वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी से भी जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, अधिकारी ने अपने परिवार के एक सदस्य के गंभीर उपचार के बाद बीमा कंपनी के समक्ष दावा प्रस्तुत किया था। आरोप है कि कंपनी ने उनके दावे को भी गलत बताते हुए खारिज कर दिया। इसके बाद अधिकारी ने पीछे हटने के बजाय बीमा लोकपाल के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। बीमा लोकपाल ने मामले की विस्तृत जांच की और बीमा कंपनी के फैसले की समीक्षा की। इसके बाद वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी को राहत मिली और उन्हें न्याय प्राप्त हुआ। इन दोनों घटनाओं ने स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की दावा निपटान प्रक्रिया और ग्राहकों के अधिकारों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को कई सुविधाओं का भरोसा दिया जाता है, लेकिन उपचार के समय दावे खारिज होने से उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों में उपभोक्ता फोरम और बीमा लोकपाल की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। जागरूकता और समय पर कानूनी शिकायत के माध्यम से बीमाधारक अपने अधिकारों की रक्षा कर सकते हैं।

जोधपुर में स्थाई लोक अदालतों के अध्यक्षों और सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान और राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशन में स्थाई लोक अदालतों के अध्यक्षों एवं सदस्यों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 21 और 22 नवंबर को राजस्थान राज्य न्यायिक अकादमी, जोधपुर में हुए इस कार्यक्रम में प्रदेश की विभिन्न स्थाई लोक अदालतों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ राजस्थान उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायाधीश एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति विनीत कुमार माथुर ने किया। आयोजन राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल के संरक्षण में हुआ।इस अवसर पर राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरि ओम अत्री, राजस्थान राज्य न्यायिक अकादमी के निदेशक बालकृष्ण मिश्रा, जोधपुर महानगर के जिला एवं सेशन न्यायाधीश सत्य नारायण व्यास तथा जोधपुर जिला की जिला एवं सेशन न्यायाधीश शिवानी सिंह सहित वरिष्ठ न्यायिक और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिरोही स्थाई लोक अदालत के पूर्णकालिक अध्यक्ष एवं सेवानिवृत्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश हुकमसिंह राजपुरोहित तथा सदस्य नरेश कुमार रबारी और सुरेश चंद्र पुरोहित ने भी भाग लिया।प्रशिक्षण के दौरान सदस्य सचिव हरि ओम अत्री और अन्य विशेषज्ञों ने स्थाई लोक अदालतों की कार्यप्रणाली, जनउपयोगी सेवाओं से जुड़े विवादों के त्वरित निस्तारण और संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही मामलों के प्रभावी निपटारे और आमजन को समय पर न्याय उपलब्ध कराने में स्थाई लोक अदालतों की भूमिका पर भी चर्चा की गई।



जोधपुर के होटल में बिना वीजा रह रही थाईलैंड की 7 युवतियां पकड़ी गईं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। शहर के एक होटल में बिना वीजा संबंधी दस्तावेजों के रह रही थाईलैंड की 7 युवतियों को पुलिस की विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए पकड़ा है। रविवार को की गई इस कार्रवाई में होटल संचालक अनिल माहेश्वरी सहित कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। छापे के दौरान एक आरोपी पुलिस से बचने के लिए पलंग के नीचे छिप गया था, जिसे तलाशी के दौरान पकड़ लिया गया।प्रारंभिक जांच में सामने आया कि होटल में ठहरी थाईलैंड की युवतियों के पास भारत में रहने से संबंधित वीजा दस्तावेज नहीं थे। इसके अलावा विदेशी नागरिकों के होटल में ठहरने पर अनिवार्य रूप से भरा जाने वाला ईसी प्रपत्र भी नहीं मिला। नियमानुसार किसी विदेशी नागरिक को होटल में ठहराने पर संचालक को इसकी जानकारी खुफिया ब्यूरो को देनी होती है। आरोप है कि होटल संचालक अनिल माहेश्वरी ने इस संबंध में निर्धारित सूचना नहीं दी। पुलिस के अनुसार, होटल संचालक के खिलाफ पहले भी तीन मामले दर्ज हैं। अब जांच की जा रही है कि विदेशी युवतियां शहर में कब से रह रही थीं और इस पूरे मामले में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस आयुक्त अंशुमन भोमिया के निर्देश और पुलिस उपायुक्त (यातायात एवं मुख्यालय) शाहीन सी. की निगरानी में यह कार्रवाई की गई। पुलिस की विशेष टीम का नेतृत्व उप निरीक्षक मेहराज तंवर ने किया। कार्रवाई के बाद सभी युवतियों और होटल संचालक को राजीव गांधी नगर थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। सभी युवतियों को सखी केंद्र भेजने की तैयारी है।पुलिस ने होटल संचालक अनिल माहेश्वरी के अलावा जगदीश उर्फ जग्गू राम (51), अनिल जाट (21), संदीप प्रजापत (20), मनोज भील (36), प्रभु लाल (27) और हनुमान भील (22) को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में अलग-अलग क्षेत्रों के निवासी शामिल हैं। पुलिस अब होटल में विदेशी नागरिकों को ठहराने से जुड़े दस्तावेजों और पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

आबूरोड में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण



महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। सुरक्षित बचपन अभियान के दूसरे चरण के तहत आबूरोड के एकलव्य आवासीय आदर्श विद्यालय, दानवाव में शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इसमें 100 से अधिक सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों ने भाग लिया। शिविर का उद्देश्य शिक्षकों को बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। इसकी मुख्य विषयवस्तु 'जागरूकता, सुरक्षा और संरक्षण हर बच्चे का अधिकार' रखी गई।राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिरोही के निर्देश पर तालुका विधिक सेवा समिति, आबूरोड की ओर से यह आयोजन किया गया। शिविर में तालुका अध्यक्ष एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रमांक-1 कुलदीप सूत्रकार, अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रमांक-2 सुरेश कुमार चौहान तथा सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट दीपांशु आर्य ने शिक्षकों को बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।न्यायिक अधिकारियों ने लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो), बाल विवाह निषेध कानून, साइबर अपराध और इंटरनेट पर बच्चों की सुरक्षा से जुड़े विषयों पर विस्तार से बताया। उन्होंने शिक्षकों को बच्चों के साथ होने वाले अपराधों के प्रति सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने की आवश्यकता समझाई।शिविर में बाल सहायता दूरभाष संख्या 1098, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की सहायता संख्या 15100 और साइबर अपराध सहायता संख्या 1930 की जानकारी भी दी गई। पैनल अधिवक्ता हसीब अहमद सिद्दीकी ने जरूरतमंदों को उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में बताया।कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें विद्यालय की शिक्षिका संजू राकेचा, शालिनी राठौर और भावनिशा राठौर ने भाग लिया। अंत में राजेन्द्र कुमार मीना ने बच्चों के प्रति शिक्षकों और समाज की जिम्मेदारी पर प्रकाश डालते हुए उनके सुरक्षित भविष्य के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई।

जिला प्रमुख चुनाव में जोड़तोड़ की जंग

भाजपा-कांग्रेस के बीच जोड़तोड़ की जंग, 9 जिलों में बाजी पलटने की कोशिश

चूरू में राजेंद्र राठौड़ की रणनीति पर नजरें, नागौर में हनुमान बेनीवाल का गढ़ मजबूत; झालावाड़ में वसुंधरा राजे के प्रभाव के चलते कांग्रेस की राह मुश्किल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान की 37 जिला परिषदों के चुनाव परिणाम सामने आने के बाद अब जिला प्रमुख की कुर्सी को लेकर राजनीतिक जोड़तोड़ तेज हो गई है। भाजपा को 5 जिलों में स्पष्ट बहुमत मिला है, जबकि कांग्रेस 23 जिलों में बहुमत हासिल करने में सफल रही है। इसके अलावा कांग्रेस 27 जिलों में बढ़त की स्थिति में है, जबकि भाजपा 6 जिलों में आगे है। इसके बावजूद भाजपा ने करीब 9 जिलों में राजनीतिक समीकरण बदलकर जिला प्रमुख बनाने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। वहीं, कांग्रेस की नजरें भी उन 4 जिलों पर हैं, जहां भाजपा बहुमत के आंकड़े के आसपास है।चूरू में भाजपा बहुमत से 3 सीट पीछे है। यहां पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ की राजनीतिक पकड़ और रणनीति महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भाजपा इस जिले में निर्दलीय और अन्य विजयी सदस्यों के समर्थन से बहुमत जुटाने की कोशिश में है। ऐसे में 25 नवंबर को होने वाले जिला प्रमुख चुनाव से पहले चूरू के राजनीतिक समीकरणों पर सबकी निगाहें रहेंगी।दूसरी ओर कांग्रेस उन जिलों में सेंध लगाने की कोशिश कर सकती है, जहां भाजपा बहुमत के करीब है। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का गृह जिला झालावाड़ भी शामिल है। हालांकि यहां कांग्रेस के लिए भाजपा का समीकरण बिगाड़ना आसान नहीं माना जा रहा है। वसुंधरा राजे का जिले में राजनीतिक प्रभाव भी इस मुकाबले को खास बनाता है।



नागौर में हनुमान बेनीवाल का पलड़ा भारी

नागौर जिला परिषद के 37 वार्डों में बहुमत का आंकड़ा 19 है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के पास 19 सीटें हैं, ऐसे में पार्टी प्रमुख हनुमान बेनीवाल की स्थिति मजबूत दिखाई दे रही है। यहां उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने सदस्यों को एकजुट रखने की होगी। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, भाजपा की नजर नागौर में भी समीकरण बदलने पर है, लेकिन आरएलपी से समर्थन मिलने की संभावना कम मानी जा रही है। इसकी वजह बेनीवाल का **करीब पांच साल पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से अलग होना है।**

कांग्रेस भी नागौर में भाजपा को जिला प्रमुख बनाने से रोकने की रणनीति पर विचार कर रही है। पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, यदि भाजपा आरएलपी के सदस्यों में सेंध लगाने की कोशिश करती है तो कांग्रेस आरएलपी को समर्थन देने पर विचार कर सकती है। हालांकि पार्टी फिलहाल सीधे समर्थन देने के बजाय राजनीतिक परिस्थितियों पर नजर बनाए हुए है।

डीडवाना-कुचामन में आरएलपी बन सकती है निर्णायक

डीडवाना-कुचामन में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। यहां कांग्रेस और आरएलपी के बीच सहमति बनने पर दोनों में से किसी एक दल का जिला प्रमुख बन सकता है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, दोनों दलों की प्राथमिकता भाजपा को सत्ता से दूर रखना हो सकती है। ऐसे में आरएलपी की भूमिका निर्णायक रहेगी।यहां भाजपा और कांग्रेस दोनों को बहुमत तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त सदस्यों के समर्थन की जरूरत है। आरएलपी के 7 सदस्य चुनावी समीकरण बदलने की ताकत रखते हैं। भाजपा यदि अन्य विजयी सदस्यों को अपने पक्ष में करने में सफल रहती है तो मुकाबले में उलटफेर संभव है। वहीं, कांग्रेस भी आरएलपी के समर्थन की उम्मीद लगाए बैठी है। ऐसे में हनुमान बेनीवाल की भूमिका एक बार फिर निर्णायक हो सकती है।अब 25 नवंबर को होने वाले जिला प्रमुख चुनाव तक राजनीतिक खेमों में बैठकों, संपर्कों और रणनीतियों का दौर जारी रहने की संभावना है। स्पष्ट बहुमत वाले जिलों के अलावा उन परिषदों में भी मुकाबला रोचक होगा, जहां किसी दल को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला है।

पंचायत चुनाव में झटके के बाद भाजपा में बड़े बदलाव की तैयारी, मंत्रियों और संगठन के पदाधिकारियों का बनेगा रिपोर्ट कार्ड

कमजोर मंत्रियों की छुट्टी और नए चेहरों को मौका देने पर हो सकता है विचार, राजनीतिक नियुक्तियों व निष्क्रिय पदाधिकारियों की भी होगी समीक्षा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। पंचायत चुनाव के नतीजों ने राजस्थान में भाजपा की चुनावी रणनीति को झटका दिया है। पंचायत से लेकर संसद तक लगातार जीत हासिल करने की पार्टी की योजना के बीच अब सत्ता और संगठन में बड़े बदलाव की चर्चाएं तेज हो गई हैं। मामला केवल मंत्रिमंडल में फेरबदल या मंत्रियों के विभाग बदलने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि संगठनात्मक स्तर पर भी व्यापक बदलाव की तैयारी मानी जा रही है सूत्रों के अनुसार, मंत्रियों, विधायकों, चुनाव प्रभारियों और संगठन के पदाधिकारियों का प्रदर्शन जांचने के लिए रिपोर्ट कार्ड तैयार किया जा सकता है। इसके आधार पर कमजोर प्रदर्शन करने वाले मंत्रियों को हटाने, नए चेहरों को जिम्मेदारी देने और विभागों में फेरबदल पर विचार



होगा। राजनीतिक नियुक्तियों की समीक्षा के साथ निष्क्रिय पदाधिकारियों को संगठन से बाहर करने की संभावना भी जताई जा रही है।गौरतलब है कि जयपुर में आयोजित सभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने पंचायत से संसद तक पार्टी का परचम लहराने और आगामी चुनावों में जीत हासिल करने का आह्वान किया था। लेकिन पंचायत चुनाव के परिणामों ने पार्टी की इस रणनीति के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जयपुर दौरा प्रस्तावित है। हालांकि, अभी कार्यक्रम को अंतिम रूप नहीं दिया गया है, लेकिन उनके संभावित दौरे से पहले प्रदेश भाजपा के संगठनात्मक हालात और पंचायत चुनाव के नतीजों की समीक्षा को लेकर राजनीतिक हलचल बढ़ गई है। सत्ता और संगठन में जिम्मेदारी संभाल रहे नेताओं की निगाहें अब संभावित समीक्षा और उसके बाद होने वाले फैसलों पर टिकी हैं। पंचायतीराज चुनावों में कांग्रेस ने जिला परिषद और पंचायत समितियों में भाजपा के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है। 37 जिलों के परिणामों के अनुसार, राजनीतिक दलों के दावों में कांग्रेस को 24 जिलों में बहुमत मिला है, जबकि भाजपा 5 जिलों में बहुमत की स्थिति में है। एक जिले में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को बहुमत मिला है। वहीं, 7 जिलों में सत्ता हासिल करने के लिए राजनीतिक जोड़तोड़ की जरूरत पड़ सकती है। पंचायत समितियों में भी कांग्रेस करीब 269 स्थानों पर प्रधान बनाने की स्थिति में बताई जा रही है, जबकि भाजपा का आंकड़ा लगभग 73 तक सिमटता नजर आ रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग ने 37 जिला परिषदों के 1,275 और 419 पंचायत समितियों के 7,543 वार्डों के परिणाम घोषित किए हैं। चुनाव में कुल 29,177 उम्मीदवार मैदान में थे और 2 करोड़ 48 लाख 63 हजार 783 मतदाताओं ने मतदान किया। अब जिला प्रमुखों के चुनाव 25 नवंबर और उप जिला प्रमुखों के चुनाव 26 नवंबर को होंगे। इसी तरह प्रधानों के चुनाव 27 नवंबर तथा उप प्रधानों के चुनाव 28 नवंबर को कराए जाएंगे। इन चुनावों के बाद सत्ता और संगठन में बदलाव को लेकर भाजपा का अगला कदम क्या होगा, इस पर सबकी नजर रहेगी।

दीपावली की रात डिलीवरी बॉय की हत्या कर पिकअप लूटा, एक आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रोहिड़ा (सिरोही)। सिरोही जिले के रोहिड़ा थाना क्षेत्र में दीपावली की रात लूट के इरादे से मध्यप्रदेश निवासी एक डिलीवरी बॉय की हत्या करने के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। आरोपियों ने पहले युवक के साथ मारपीट की और फिर चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद वे उसका पिकअप वाहन लेकर फरार हो गए थे। पुलिस ने मामले में एक सहअभियुक्त को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, 8 नवंबर 2026 को दीपावली की रात करीब 9 बजे अज्ञात आरोपियों ने डिलीवरी बॉय को लूट के इरादे से निशाना बनाया था। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट करने के बाद चाकू से हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद वे मृतक का पिकअप वाहन लेकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर घटनास्थल और आसपास से मिले साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अजेय सिंह राठौड़ के निर्देशन में विशेष पुलिस दल गठित किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेंद्र कुमार और पिण्डवाड़ा वृत्ताधिकारी राहुल मीणा के पर्यवेक्षण में रोहिड़ा थानाधिकारी ओमकरण के नेतृत्व में टीम ने जांच आगे बढ़ाई। पुलिस ने संदिग्धों की जानकारी जुटाकर वारदात में शामिल एक सहअभियुक्त की पहचान की और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की।पुलिस ने जोकर खैर जोगरिया (26) पुत्र लसमाराम गरासिया निवासी रेबारीवास, भीमाना को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपी ने वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अब मामले में शामिल अन्य आरोपियों का पता लगाने और लूटे गए पिकअप वाहन के संबंध में जानकारी जुटाने में लगी है।

सोने-चांदी के भाव टूटते ही ज्वेलरी के पुराने ऑर्डर रद्द कराने पहुंचे ग्राहक 15 दिनों में सोना 20 हजार और चांदी 30 हजार रुपए प्रति किलो तक हुई सस्ती,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उदयपुर। सोने-चांदी की कीमतों में आई तेज गिरावट का असर अब सर्राफा बाजार में भी दिखाई देने लगा है। कुछ सप्ताह पहले ऊंचे भाव पर आभूषणों की बुकिंग कराने वाले ग्राहक अब कीमतें कम होने के बाद अपने पुराने ऑर्डर रद्द कराने और जमा रकम वापस मांगने पहुंच रहे हैं। इससे सर्राफा कारोबारियों के सामने नई परेशानी खड़ी हो गई है।जनवरी 2026 के अंत में सोना 1.80 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 4.04 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। इसके बाद से दोनों कीमती धातुओं के भाव में बड़ी गिरावट आई है। सोना अब तक



करीब 53 से 55 हजार रुपए और चांदी 2.30 लाख से 2.46 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो चुकी है।पिछले 15 दिनों में भी कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। 5-6 नवंबर को सोना करीब 1.42 से 1.45 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास था, जो दो सप्ताह में घटकर लगभग 1.22 से 1.25 लाख रुपए पर आ गया। इस दौरान चांदी भी प्रति किलोग्राम करीब 25 से 30 हजार रुपए तक सस्ती हुई है।कीमतों में आई इस गिरावट के कारण कुछ ग्राहक पुराने आभूषणों के आदेश रद्द कराने या धनवापसी की मांग कर रहे हैं। कारोबारियों के मुताबिक, जिन लोगों ने कुछ सप्ताह या करीब एक महीने पहले ऊंचे भाव पर आभूषण बनवाने के लिए बुकिंग कराई थी, वे अब कम कीमतों को देखते हुए पीछे हट रहे हैं।ज्वेलर्स का कहना है कि कई ग्राहक सीधे तौर पर भाव गिरने की बात कहने के बजाय पारिवारिक परिस्थितियों और अन्य कारणों का हवाला देकर आदेश रद्द कराने की मांग कर रहे हैं। कारोबारियों के अनुसार, इस तरह आदेश रद्द होने से उन्हें भी नुकसान उठाना पड़ सकता है, क्योंकि बुकिंग के आधार पर आभूषण तैयार करने की प्रक्रिया और अन्य व्यवस्थाएं की जाती हैं। ऐसे में सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर अब ग्राहकों के साथ कारोबारियों पर भी पड़ रहा है।

लंगूर ने बुजुर्ग महिला को जमीन पर गिराकर 3-4 बार काटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जिले के वागसीन गांव में लंगूरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। घर के बाहर खड़ी एक बुजुर्ग महिला पर अचानक लंगूर ने हमला कर दिया। उसने महिला को जमीन पर गिराकर 3 से 4 बार काट लिया। महिला की चीख सुनकर बेटा डंडा लेकर बाहर दौड़ा और लंगूर को भगाया। हमले की पूरी घटना घर में लगे निगरानी कैमरे में कैद हो गई। घायल महिला को उपचार के लिए गांव के अस्पताल ले जाया गया।निगरानी कैमरे में कैद घटना के अनुसार, बुजुर्ग महिला घर के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान घर के अंदर से एक लंगूर बाहर निकला और अचानक महिला पर झपट पड़ा। महिला ने उसे भगाने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह जमीन पर गिर गई। इसके बाद लंगूर ने उस पर हमला जारी रखा और उसे 3 से 4 बार काट लिया।महिला की आवाज सुनकर उसका बेटा डंडा लेकर तुरंत बाहर पहुंचा और लंगूर को वहां से भगाया। इसके बाद परिजन घायल महिला को उपचार के लिए गांव के अस्पताल ले गए।ग्रामीणों के अनुसार, गांव में पिछले कुछ दिनों से लंगूरों के हमले लगातार बढ़ रहे हैं। उनका दावा है कि अब तक लंगूर 15 से 17 लोगों को काटकर घायल कर चुका है। वन विभाग के कर्मचारी एक लंगूर को पकड़कर ले गए हैं, लेकिन ग्रामीणों को यह स्पष्ट नहीं है कि बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला लंगूर वही था या कोई दूसरा। लगातार हो रही घटनाओं से गांव के लोगों में भय बना हुआ है।

जिला प्रमुख चुनाव पर विश्वेन्द्र सिंह की क्रिकेट वाली गुगली, 25 नवंबर के मुकाबले पर सबकी नजर

सोशल मीडिया पर आईपीएल से जोड़कर की टिप्पणी, जिला परिषद में कांग्रेस के 21, भाजपा के 9 और रालोपा का एक सदस्य; सदस्यों को एकजुट रखने की चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरतपुर। जिला प्रमुख की कुर्सी को लेकर चल रही राजनीतिक गतिविधियों के बीच पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेन्द्र सिंह की सोशल मीडिया पोस्ट ने चर्चाओं को तेज कर दिया है। उन्होंने भरतपुर जिला

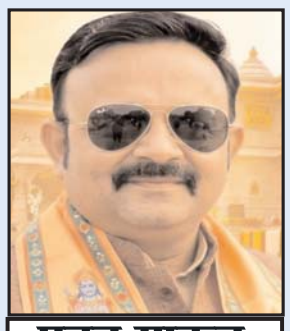


परिषद के चुनावी समीकरणों की तुलना आईपीएल के मुकाबले से करते हुए 25 नवंबर को होने वाले जिला प्रमुख चुनाव को लेकर रोचक टिप्पणी की है। विश्वेन्द्र सिंह ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'आईपीएल की ताजा जानकारी... जिला भरतपुर की जनता की निगाहें 25 नवंबर के मैच पर टिकी हैं। बाजी पलट सकती है और अंतिम ओवर में धुआंधार छक्के लग सकते हैं।' उनकी इस टिप्पणी को जिला प्रमुख के चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। पोस्ट के जरिए उन्होंने मुकाबले के अंतिम समय तक दिलचस्प बने रहने का संकेत दिया है। भरतपुर जिला परिषद की कुल 31 सीटों में कांग्रेस ने 21 सीटें हासिल की हैं, जबकि भाजपा के खाते में 9 और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के हिस्से में एक सीट आई है। सीटों के आंकड़ों के लिहाज से कांग्रेस के पास स्पष्ट बहुमत है, लेकिन सदस्यों की बाड़ेबंदी और राजनीतिक जोड़तोड़ की चर्चाओं के चलते जिला प्रमुख का चुनाव चर्चा का विषय बना हुआ है। कांग्रेस के सामने अपने सभी 21 सदस्यों को एकजुट रखने और जिला प्रमुख के नाम पर सहमति बनाने की चुनौती है। पार्टी ने सदस्यों को साथ रखने की जिम्मेदारी पूर्व मंत्री को सौंपी है। वहीं, भाजपा के लिए भी चुनाव के दौरान अपनी रणनीति और एकजुटता बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा।जिला परिषद के सदस्यों का चुनाव पूरा हो चुका है, लेकिन जिला प्रमुख की कुर्सी का फैसला 25 नवंबर को होगा। अब राजनीतिक दलों की रणनीति, सदस्यों के बीच सहमति और अंतिम समय में होने वाली गतिविधियों पर सबकी निगाहें टिकी हैं।



फैमिली कोर्ट के अजीबोगरीब किस्से: कहीं चोटी की दुहाई, तो कहीं डिमांड ड्राफ्ट को लेकर पूर्व पति पर शक

अदालतों की फाइलों और कानूनी दलीलों के बीच परिवार न्यायालय के भीतर केवल पति-पत्नी के विवाद, वकीलों की बहस और न्यायाधीशों के फैसले ही सामने नहीं आते, बल्कि मानवीय स्वभाव के ऐसे कई रंग भी देखने को मिलते हैं, जो कभी हैरान करते हैं तो कभी सोचने पर मजबूर कर देते हैं। विवाह संबंधों में जब आपसी सहमति और विश्वास की जगह विवाद, अविश्वास और कानूनी लड़ाई ले लेते हैं, तब कई बार ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जिनकी कल्पना करना भी मुश्किल होता है। कहीं भरण-पोषण की बकाया राशि चुकाने के लिए व्यक्ति त्योहारों तक की मोहलत मांगता है, तो कहीं पढ़ी-लिखी पत्नी बैंक के डिमांड ड्राफ्ट को लेकर ऐसी आशंकाएं जताती है कि न्यायाधीश भी हैरान रह जाते हैं। परिवार न्यायालय की चारदीवारी के भीतर सामने आने वाले ये प्रसंग रिश्तों की जटिलता और मनुष्य की सोच के अलग-अलग पहलुओं को उजागर करते हैं।



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

कर्मकांडी ब्राह्मण की दलीलः श्रावण से दिवाली तक काम मिलेगा, तभी चुका पाऊंगा रकम

परिवार न्यायालय में भरण-पोषण की राशि जमा नहीं कर पाने के कारण कई बार पक्षकारों को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही एक दिलचस्प मामला उस समय सामने आया, जब एक कर्मकांडी ब्राह्मण पर 80 हजार रुपये की भरण-पोषण राशि बकाया हो गई। न्यायालय में जब न्यायाधीश ने उससे पूछा कि वह बकाया रकम जमा करेगा या फिर उसकी हिरासत में लेने की कार्रवाई की जाए, तो उसने घबराने के बजाय अपनी परेशानी समझाने का अलग ही तरीका अपनाया।

उस व्यक्ति ने अपनी चोटी की ओर इशारा करते हुए बताया कि वह कर्मकांडी ब्राह्मण है और पूजा-पाठ तथा धार्मिक अनुष्ठान कराकर अपना जीवनयापन करता है। फिलहाल उसके पास पूरी बकाया राशि जमा करने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं। उसने न्यायाधीश को बताया कि करीब 15 दिन बाद श्रावण महीने की शुरुआत होगी। इसके बाद गणेश उत्सव, नवरात्रि और दीपावली तक पूजा-पाठ तथा धार्मिक विधियों के काम मिलते रहेंगे। इन आयोजनों से होने वाली कमाई के आधार पर वह धीरे-धीरे बकाया राशि जमा कर सकता है।

उसकी दलील सुनने के बाद न्यायाधीश ने पूछा कि वह फिलहाल कितनी रकम जमा कर सकता है। इस पर उसने बताया कि उसके पास अभी छह हजार रुपये उपलब्ध हैं। न्यायाधीश ने उसकी परिस्थिति को देखते हुए छह हजार रुपये जमा करने की बात कही और तत्काल हिरासत में लेने की कार्रवाई नहीं की। साथ ही भविष्य में समय पर भरण-पोषण की राशि जमा करने की हिदायत भी दी। यह प्रसंग बताता है कि न्यायालय में आने वाले हर मामले के पीछे केवल कानूनी सवाल नहीं होते, बल्कि कई बार संबंधित व्यक्ति की आर्थिक स्थिति और रोजी-रोटी से जुड़ी मजबूरियां भी सामने आती हैं। इस मामले में व्यक्ति ने अपनी कमाई के स्रोत और आने वाले त्योहारों के दौरान मिलने वाले काम का हवाला देकर अदालत से समय मांगा।

एम.कॉम. पास पत्नी को डिमांड ड्राफ्ट पर भी भरोसा नहीं, उठाए ऐसे सवाल कि न्यायाधीश हुए हैरान

परिवार न्यायालय में आपसी सहमति से तलाक के मामलों में कई बार आर्थिक लेन-देन और तय शर्तों को लेकर विवाद खड़े हो जाते हैं। आपसी सहमति से तलाक की प्रक्रिया में दोनों पक्षों को निर्धारित शर्तों पर सहमत होना होता है। कई मामलों में समझौते के तहत तय रकम का कुछ हिस्सा अंतिम सुनवाई या अगली तारीख तक दिया जाना बाकी रहता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि दोनों पक्ष अपनी सहमति और तय शर्तों का पालन करें। ऐसे ही एक मामले में पति की ओर से दो लाख रुपये की रकम देना बाकी थी। दोनों पक्षों के वकीलों के बीच सहमति के बाद इस राशि का डिमांड ड्राफ्ट तैयार करवा लिया गया था, ताकि अंतिम दस्तावेजों पर हस्ताक्षर के समय पत्नी को भुगतान किया जा सके। लेकिन जब पत्नी के सामने डिमांड ड्राफ्ट रखा गया तो उसने उसे स्वीकार करने और अंतिम दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया। न्यायाधीश ने जब उससे इनकार की वजह पूछी तो उसने आशंका जताई कि कहीं डिमांड ड्राफ्ट ही बाउंस न हो जाए। न्यायाधीश ने उसे समझाया कि डिमांड ड्राफ्ट पहले से भुगतान की गई राशि के आधार पर जारी होता है और संबंधित बैंक उसे भुगतान करने के लिए बाध्य होता है। इसलिए सामान्य चेक की तरह उसके बाउंस होने का सवाल नहीं उठता। हालांकि, पत्नी की आशंकाएं यहीं समाप्त नहीं हुईं। उसने एक और सवाल खड़ा कर दिया कि यदि उसका पूर्व पति उसके हस्ताक्षर की नकल करके बैंक से रकम निकाल ले तो क्या होगा? इस पर न्यायाधीश ने उसे समझाया कि इस तरह किसी दूसरे व्यक्ति के हस्ताक्षर करके राशि निकालना कानूनी रूप से स्वीकार्य नहीं है। यदि ऐसी कोई गड़बड़ी होती है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है और न्यायालय से भी सहायता ली जा सकती है।

देव और दानव बाहर नहीं, हमारे भीतर ही बसते हैं! मनुष्य का चेहरा नहीं, उसके गुण उसका असली स्वरूप दिखाते हैं।

श्रीमद् भगवद् गीता शृंखलाः अध्याय - 16 (दैवासुर सम्पद् विभाग योग)

पुराणों में हमने देवों और असुरों के बीच के भीषण युद्धों की कथाएँ पढ़ी हैं। हमें हमेशा ऐसा लगता है कि देव स्वर्ग में रहते हैं और असुर पाताल में! मनुष्य पूरी ज़िंदगी अपना चेहरा सुंदर बनाने और समाज में प्रतिष्ठा खड़ी करने में बिता देता है, लेकिन कभी अपने भीतर झाँककर यह नहीं पूछता कि मेरे विचार और मेरा व्यवहार मुझे कैसा इंसान बना रहे हैं? अध्याय 15 में हमने संसार रूपी वृक्ष की जड़ों और परम तत्त्व 'पुरुषोत्तम' को जाना। अब प्रश्न यह उठता है कि सभी मनुष्यों में एक ही परमात्मा का अंश होने के बावजूद, कुछ लोग समाज के लिए वरदान और कुछ विनाश का कारण क्यों बन जाते हैं? इसका अद्भुत उत्तर भगवान श्रीकृष्ण 16वें अध्याय 'दैवासुर सम्पद् विभाग योग' में देते हैं। वे स्पष्ट करते हैं कि देवत्व और आसुरीपन किसी अलग लोक या जाति में नहीं है, बल्कि हर मनुष्य के हृदय में ये दोनों प्रवृत्तियाँ एक साथ बसती हैं।

दैवी संपत्तिः मनुष्य को 'मनुष्य' बनाने वाले गुण श्रीकृष्ण इस अध्याय की शुरुआत में ही 26 दैवी गुणों की सूची देते हैं, जिनमें सबसे पहला गुण है अभय (निर्भयता)। जहाँ सत्य होता है, वहाँ भय नहीं होता। इसके अतिरिक्त अंतःकरण की शुद्धि, दान, इंद्रियों पर संयम, स्वाध्याय, सरलता, अहिंसा, सत्य, क्रोध का अभाव (अक्रोध), त्याग, शांति, क्षमा, दया और विनम्रता—ये सभी दैवी संपत्तियाँ हैं। कोई व्यक्ति बहुत ऊँचे पद या सफलता के शिखर पर पहुँच जाए, फिर भी अपने से छोटे कर्मचारी या ज़रूरतमंद के साथ उतने ही आदर और उदारता से व्यवहार करे; अपनी गलती होने पर निस्संकोच स्वीकार करे और शक्ति होने के बावजूद कमज़ोर पर अन्याय न करे—वही व्यक्ति दैवी संपत्ति का धनी है। देवत्व का अर्थ भगवान बन जाना नहीं, बल्कि अपने व्यवहार में मानवता को जीवित रखना है। 'देवत्व कोई जन्म से मिलने वाली पदवी नहीं है; मनुष्य की महानता इसमें नहीं कि उसके पास कितनी शक्ति है, बल्कि इसमें है कि वह उस शक्ति का उपयोग कितने लोगों के हित में करता है।'

आसुरी संपत्तिः पतन की शुरुआत भीतर से होती है दूसरी ओर, श्रीकृष्ण आसुरी संपत्ति के छह मुख्य लक्षण गिनाते हैं—दंभ (दिखावा), दर्प (अहंकार), अभिमान, क्रोध, कठोरता और अज्ञान। गीता आसुरी प्रवृत्ति का अत्यंत सटीक मनोवैज्ञानिक वर्णन करती है। ऐसा व्यक्ति मानता है कि दुनिया में नैतिकता जैसा कुछ नहीं है, सब कुछ केवल भोगने के लिए ही है। वह निरंतर इस भ्रम में जीता है कि 'आज मैंने इतना प्राप्त किया, कल और प्राप्त करूँगा। यह सब मेरी ही ताकत से हुआ है। मैं ही शक्तिशाली हूँ, मेरे जैसा कोई दूसरा नहीं!' उसे रिश्तों से ज़्यादा स्वार्थ और सत्य से ज़्यादा अहंकार प्रिय होता है। किसी अधिकारी को सत्ता मिले और धीरे-धीरे पद का अहंकार उस पर हावी हो जाए, वह लोगों की बात सुनना बंद कर दे और सत्ता का उपयोग दूसरों को दबाने के लिए करे—तो वह भूल जाता है कि पद स्थायी नहीं है। आज सोशल मीडिया पर झूठा दिखावा (दंभ), पैसे के ज़ोर पर दूसरों को तुच्छ समझना और अपनी गलती को भी सही साबित करने के लिए तर्क-वितर्क करना—ये सब आसुरी प्रवृत्ति के ही आधुनिक रूप हैं। ऐसा व्यक्ति बाहर से भले ही समृद्ध दिखे, लेकिन भीतर से लगातार असंतोष और अशांति की आग में जलता रहता है। 'पतन तब शुरू होता



है, जब मनुष्य स्वयं को सुधारने के बजाय दुनिया को गलत साबित करने में समय बिताता है।'

दंभ और दिखावा: बाहर धर्म, भीतर अहंकार

आज के समय में यह संदेश सबसे अधिक प्रासंगिक है। यदि कोई व्यक्ति बाहर से बहुत धार्मिक दिखे, नियमित पूजा करे और दान दे, लेकिन अपने घर के सदस्यों के साथ बुरा व्यवहार करे, कमज़ोर लोगों का अपमान करे या दूसरों का हक छीने, तो उसकी धार्मिकता केवल दंभ (दिखावा) है। धर्म का सच्चा अर्थ केवल मंदिर में सिर झुकाना नहीं है, बल्कि मंदिर के बाहर भी मानवता को बनाए रखना है। किसी के पैरों में झुकना आसान है, लेकिन किसी का अपमान न करना उससे बड़ा संस्कार है। 'भगवान के सामने झुका हुआ सिर तभी सार्थक है, जब इंसान के सामने ऊँचा उठा हुआ अहंकार का सिर भी झुक जाए।'

काम, क्रोध और लोभः जीते-जी नरक के तीन द्वार

इस अध्याय का सबसे प्रभावशाली श्लोक (16.21) श्रीकृष्ण देते हैं। काम (असीमित वासना/इच्छा), क्रोध और लोभ—ये तीनों आत्मा का पतन करने वाले नरक के द्वार हैं। नरक मृत्यु के बाद की कोई जगह नहीं है; जब मनुष्य इन तीनों की पकड़ में आता है, तो वह जीते-जी नरक की यातना भोगता है।

कामनाः आवश्यकता से अधिक पाने की अतृप्त इच्छा, जो संतोष छीन लेती है।

क्रोधः अपनी इच्छा के अनुसार न होने पर विवेक खो बैठना, जो वर्षों के रिश्तों को पल भर में भस्म कर देता है।

लोभः पर्याप्त मिलने के बाद भी दूसरों का हड़पने की लालसा।

दो भाइयों को पिता की संपत्ति में बराबर का हिस्सा मिलता है। एक संतोष के साथ स्वीकार करता है, जबकि दूसरे के मन में थोड़ा-सा लोभ जाग जाता है। उस लोभ से अपेक्षाएँ और क्रोध जन्म लेते हैं, और देखते ही देखते हँसता-खेलता घर कोर्ट-कचहरी और कड़वाहट का नरक बन जाता है! संपत्ति शायद मिल भी जाए, लेकिन रिश्तों की असली संपत्ति खो जाती है। 'कामना मनुष्य को दौड़ाती है, क्रोध उसे अंधा बनाता है और लोभ उसे कभी संतुष्ट नहीं होने देता।' दुर्योधन और विदुरः दो प्रवृत्तियाँ, दो मार्ग महाभारत के दो पात्र इस अध्याय का सार स्पष्ट कर देते हैं। दुर्योधन के पास अपार सत्ता, शक्ति और राजसुख था, फिर भी ईर्ष्या, लोभ और अहंकार के कारण उसने कभी सत्य को स्वीकार नहीं किया और अंततः विनाश को निमंत्रण दिया। दूसरी ओर विदुर के पास राजसत्ता नहीं थी, लेकिन नीति, ज्ञान, सत्य और विवेक था। दुर्योधन के पास सब कुछ था फिर भी शांति नहीं थी; विदुर के पास सत्ता नहीं थी फिर भी मूल्यों की समृद्धि थी। स्वेच्छाचार नहीं, शास्त्र और विवेक का मार्गदर्शन अध्याय के अंत में श्रीकृष्ण एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण सिद्धांत देते हैं कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं, इसका निर्णय केवल मन की मनमानी (स्वेच्छाचार) से नहीं, बल्कि शास्त्र, संस्कार और विवेक के मार्गदर्शन से लेना चाहिए। क्योंकि हर मनपसंद चीज़ हितकारी नहीं होती। जैसे खेल के मैदान में नियमों के बिना कोई खेल नहीं खेला जा सकता—नियम खिलाड़ी को बाँधने के लिए नहीं, बल्कि खेल को सुंदर और न्यायपूर्ण बनाने के लिए होते हैं—उसी प्रकार जीवन में अनुशासन और नैतिक मर्यादाएँ हमें पतन से बचाकर सही दिशा देती हैं। मन जो कहे वही करना स्वतंत्रता नहीं है; मन को विवेक से सही मार्ग पर ले जाना ही सच्ची स्वतंत्रता है। हमारे भीतर का रोज़मर्रा का महाभारत श्रीमद् भगवद् गीता का सोलहवाँ अध्याय हमें आईना दिखाता है। हम सभी के भीतर रोज़ एक छोटा-सा महाभारत चलता है। जब कोई हमारा अपमान करे तो क्रोध करना है या क्षमा? जब किसी की मदद करने का अवसर मिले तो स्वार्थ देखना है या दया? जब सफलता मिले तो अहंकार करना है या विनम्र रहना है? हर एक चुनाव यह तय करता है कि हम अपने भीतर के देव को जिता रहे हैं या दानव को!

जीवन में संपत्ति कमाइए, पद प्राप्त कीजिए, लेकिन उसके साथ मानवता मत खोइए। क्योंकि दुनिया आपको आपके पद और बैंक बैलेंस से पहचानेगी, लेकिन इतिहास आपको आपके कर्मों और दैवी गुणों से याद रखेगा।

देवत्व किसी वेश या दिखावे में नहीं है; देवत्व तो मनुष्य के ऐसे व्यवहार में है, जहाँ अपनी शक्ति से अधिक दूसरों की पीड़ा महत्त्वपूर्ण लगे।

क्रमशः...

आगामी अध्याय 17 (श्रद्धात्रय विभाग योग) में हम जानेंगेः

'श्रद्धा हर मनुष्य में होती है, लेकिन हर किसी की श्रद्धा एक जैसी क्यों नहीं होती? सात्त्विक, राजसिक और तामसिक—ये तीन प्रकार के आहार, यज्ञ, तप और दान हमारे मन और जीवन पर कैसा प्रभाव डालते हैं? और 'तत् सत' का अद्भुत रहस्य क्या है?'

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट, नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित)
स्पोर्ट्स टीचर

गरीबी, संघर्ष और हादसों को मात देकर सफलता की मिसाल बने सफीन हसन

मां ने शादियों में खाना बनाया, पिता ने बिजली का काम किया, बेटे ने 22 साल की उम्र में यूपीएससी परीक्षा पास कर रचा इतिहास

किसी भी इंसान की सफलता का मूल्य केवल उसके पद, प्रतिष्ठा या उपलब्धियों से नहीं आंका जाना चाहिए, बल्कि उन संघर्षों से भी समझा जाना चाहिए, जिन्हें पार करके वह उस मुकाम तक पहुंचा है। कई बार किसी व्यक्ति की सफलता के पीछे वर्षों का त्याग, परिवार की मेहनत, आर्थिक कठिनाइयां और ऐसी परिस्थितियां होती हैं, जिनमें सामान्य व्यक्ति के लिए अपने सपनों को जारी रखना भी मुश्किल हो जाता है। गुजरात के बनासकांठा जिले से निकलकर देश की सबसे कठिन मानी जाने वाली संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास करने वाले सफीन हसन की कहानी भी इसी संघर्ष, जिद और दृढ़ इच्छाशक्ति का उदाहरण है। उनका जीवन बताता है कि अभाव किसी सपने की राह में अंतिम दीवार नहीं होते और कठिन परिस्थितियों के बावजूद आगे बढ़ने का संकल्प कायम रखा जाए तो सफलता की राह बनाई जा सकती है। सफीन हसन का बचपन आर्थिक कठिनाइयों के बीच बीता। परिवार की स्थिति ऐसी थी कि माता-पिता को अपनी नौकरियां गंवानी पड़ीं और घर चलाना भी मुश्किल हो गया। एक ओर परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियां थीं, तो दूसरी ओर बेटे



की पढ़ाई और उसके भविष्य की चिंता। ऐसे समय में परिवार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि सीमित संसाधनों के बीच घर का खर्च चलाने के साथ-साथ सफीन की शिक्षा भी जारी रखी जाए। लेकिन माता-पिता ने हालात के सामने घुटने नहीं टेके। उन्होंने अपनी परेशानियों को बेटे के सपनों के रास्ते में बाधा नहीं बनने दिया। परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए पिता ने बिजली का काम शुरू किया, वहीं मां ने दूसरे घरों और शादी समारोहों में खाना बनाने का काम किया। यह काम केवल आजीविका कमाने का साधन नहीं था, बल्कि बेटे की पढ़ाई और उसके बेहतर भविष्य के लिए किया गया संघर्ष भी था। माता-पिता दिन-रात मेहनत करते रहे, ताकि सफीन को पढ़ने का अवसर मिलता रहे। उनके लिए बेटे की शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद उन्होंने उसकी पढ़ाई को बीच में रुकने नहीं दिया। सफीन ने भी माता-पिता के इस त्याग को समझा और पढ़ाई को गंभीरता से जारी रखा। उनकी प्रतिभा और मेहनत को देखते हुए विद्यालय ने 11वीं और 12वीं कक्षा की फीस माफ कर दी। यह सहायता उनके शैक्षणिक सफर में महत्वपूर्ण साबित हुई। इसके बाद उन्होंने सूरत स्थित सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान से अभियांत्रिकी की पढ़ाई पूरी की। हालांकि यहां तक पहुंचना भी आसान नहीं था। उच्च शिक्षा का खर्च उठाना परिवार के लिए बड़ी चुनौती था। ऐसे समय में रिश्तेदारों ने आर्थिक सहयोग देकर उनकी पढ़ाई जारी रखने में मदद की। इस तरह सफीन की सफलता की नींव केवल उनकी व्यक्तिगत मेहनत से ही नहीं, बल्कि माता-पिता के त्याग और परिवार के सहयोग से भी तैयार हुई। अभियांत्रिकी की पढ़ाई पूरी करने के बाद सफीन ने अपने लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने का निर्णय लिया। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में सफलता हासिल करना आसान नहीं माना जाता। इसके लिए निरंतर अध्ययन, धैर्य और कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। सफीन के सामने पहले से ही आर्थिक और पारिवारिक चुनौतियां थीं, लेकिन उन्होंने इन परिस्थितियों को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। उन्होंने अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखा और परीक्षा की तैयारी जारी रखी। उनकी सफलता की राह में आर्थिक कठिनाइयों के अलावा एक गंभीर दुर्घटना भी आई। संघ लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा देने जाते समय उनका हादसा हो गया और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। यह ऐसा समय था, जब उनके सामने परीक्षा देने और उपचार की स्थिति से निपटने की चुनौती एक साथ खड़ी थी। ऐसी परिस्थिति में परीक्षा तक पहुंच पाना भी कठिन था, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं छोड़ी। अस्पताल से परीक्षा केंद्र पहुंचकर परीक्षा देने का उनका निर्णय उनके दृढ़ संकल्प और लक्ष्य के प्रति समर्पण को दर्शाता है। जिस समय परिस्थितियां उन्हें रुकने के लिए मजबूर कर सकती थीं, उस समय उन्होंने अपनी मेहनत और तैयारी पर भरोसा बनाए रखा। आखिरकार उनकी मेहनत रंग लाई। वर्ष 2017 की संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में सफीन हसन ने 570वीं रैंक हासिल की। महज 22 वर्ष की उम्र में भारतीय पुलिस सेवा का अधिकारी बनकर उन्होंने अपने परिवार के वर्षों के संघर्ष को सफलता में बदल दिया। यह उपलब्धि उनके लिए ही नहीं, बल्कि उन माता-पिता के लिए भी गर्व का क्षण थी, जिन्होंने अपनी जरूरतों और सुविधाओं से समझौता करके बेटे की पढ़ाई जारी रखी। पिता का बिजली का काम करना, मां का घरों और शादी समारोहों में खाना बनाना तथा रिश्तेदारों का शिक्षा में सहयोग करना—इन सभी प्रयासों का परिणाम सफीन की सफलता के रूप में सामने आया।

आज का राशिफल

(सोमवार)23 नवम्बर 2026



अहमदाबाद के अमराईवाड़ी से अपराध की दुनिया तक पहुंचा 'घेटियो', 2009 में क्राइम ब्रांच के मुठभेड़ में हुआ अंत

गुजरात के अपराध जगत और पुलिस इतिहास के पन्नों में अहमदाबाद के पूर्वी क्षेत्र अमराईवाड़ी का नाम एक ऐसे अपराधी के कारण भी दर्ज है, जिसने लंबे समय तक पुलिस प्रशासन और स्थानीय लोगों के बीच भय का माहौल बनाए रखा था। सुब्रमण्यम परनीवेल उर्फ 'घेटियो' का नाम उस दौर में अपराध की दुनिया से जुड़ा हुआ था। उस पर आरोप था कि वह पैसों के लिए गंभीर अपराधों को अंजाम देने से भी पीछे नहीं हटता था। अमराईवाड़ी की तंग गलियों और कपड़ा मिलों के आसपास के माहौल से निकलकर उसने अपराध जगत में अपनी पहचान बनाई और धीरे-धीरे सुपारी लेकर हत्या करने वाले अपराधियों में उसका नाम लिया जाने लगा। अमराईवाड़ी उस समय कपड़ा मिलों, मजदूर बस्तियों और औद्योगिक गतिविधियों के लिए जाना जाता था। मिलों में काम करने वाले श्रमिकों की बस्तियों में जीवन संघर्ष से भरा हुआ था। इसी इलाके की तंग मिल चालियों



और कारखानों के बीच सुब्रमण्यम परनीवेल का शुरुआती जीवन बीता। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, उसकी आपराधिक गतिविधियों की शुरुआत छोटी-मोटी चोरियों और मारपीट जैसी घटनाओं से हुई। समय के साथ उसका अपराधों से जुड़ाव बढ़ता गया और वह गंभीर वारदातों में शामिल होने लगा। धीरे-धीरे उसका नाम अहमदाबाद के अपराध जगत में सामने आने लगा। उस पर सुपारी लेकर हत्या करने जैसे गंभीर अपराधों में शामिल होने के आरोप लगाए जाते थे। बताया जाता है कि पैसे के लालच, आपसी रंजिश और इलाके में अपना प्रभाव स्थापित करने की कोशिश ने उसे लगातार अपराध की दुनिया की ओर धकेला। अमराईवाड़ी की संकरी गलियां और आसपास की बस्तियां उसके परिचित ठिकाने मानी जाती थीं। इस कारण पुलिस के लिए उसकी गतिविधियों पर नजर रखना और उसे पकड़ना चुनौतीपूर्ण बताया जाता था। उस दौर में अहमदाबाद के पूर्वी हिस्सों में अपराध और आपराधिक गिरोहों की गतिविधियां पुलिस के लिए चिंता का विषय बनी हुई थीं। सुब्रमण्यम परनीवेल उर्फ 'घेटियो' का नाम भी ऐसे ही अपराधियों में शामिल बताया जाता था। पुलिस अभिलेखों में उसकी आपराधिक गतिविधियों को लेकर लगातार निगरानी और कार्रवाई का उल्लेख किया जाता रहा। उसका नाम सामने आने के बाद पुलिस की नजर उसकी गतिविधियों पर बनी हुई थी। वर्ष 2009 में गुजरात पुलिस की विशेष अभियान संबंधी कार्रवाई के दौरान सुब्रमण्यम परनीवेल उर्फ 'घेटियो' का अंत हो गया। उपलब्ध विवरणों के मुताबिक, गुजरात पुलिस की अपराध शाखा और विशेष अभियान समूह की ओर से अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस और घेटियो के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें वह मारा गया। इस घटना के साथ ही उसके आपराधिक सफर का अंत हो गया। उस समय इस कार्रवाई को अहमदाबाद के अपराध जगत से जुड़े एक चर्चित घटनाक्रम के रूप में देखा गया था। अमराईवाड़ी और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले पुराने लोगों के लिए घेटियो का नाम उस दौर की यादों से जुड़ा हुआ है। बताया जाता है कि 1990 के दशक से लेकर वर्ष 2009 तक क्षेत्र में अपराधियों की गतिविधियों और उनके प्रभाव को लेकर लोगों के बीच चिंता बनी रहती थी। हालांकि समय के साथ अमराईवाड़ी का स्वरूप बदल गया। पुरानी मिलों और औद्योगिक परिसरों की जगह नई इमारतें और दूसरी गतिविधियां दिखाई देने लगीं, लेकिन पुराने निवासियों के बीच उस दौर की घटनाओं की चर्चा आज भी होती है।

फर्जी दस्तावेजों से बैंकों को करोड़ों की चपत, एक साल से फरार पति-पत्नी गिरफ्तार

15 अस्थायी वारंट के बावजूद पुलिस को दे रहे थे चकमा, बैंक खातों और संपत्तियों की जांच में जुटी

महानगर मेट्रो ब्यूरो



भोपाल। फर्जी दस्तावेजों के सहारे बैंकों से करोड़ों रुपये का ऋण लेकर धोखाधड़ी करने के आरोप में फरार चल रहे पति-पत्नी संदीप ममतानी और संगीता ममतानी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अयोध्या नगर पुलिस ने दोनों को देर रात पकड़ा। आरोपी करीब एक साल से फरार थे और उनके खिलाफ जिला न्यायालय से 15 अस्थायी वारंट जारी हो चुके थे। गिरफ्तारी के बाद पुलिस अब कथित धोखाधड़ी के पूरे वित्तीय नेटवर्क की जांच कर रही है। पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, आरोपी दंपती मकानों और अन्य संपत्तियों के फर्जी दस्तावेज तैयार कराते थे। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर बैंकों से ऋण लिया जाता था। आरोप है कि ऋण की रकम का इस्तेमाल महंगी और आलीशान जिंदगी जीने में किया जाता था। पुलिस आयुक्त संजय कुमार सिंह के मुताबिक, दोनों निर्माणकर्ताओं के साथ संयुक्त उपक्रम में भी काम करते थे। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि इस कथित धोखाधड़ी में कुल कितनी रकम का लेनदेन हुआ और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं। मामला करीब दो साल पहले संपत्ति कारोबारी योगेश सूद की शिकायत के बाद सामने आया था। उन्होंने अयोध्या नगर थाने में संदीप और संगीता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि दंपती ने संपत्तियों के फर्जी दस्तावेज तैयार कर बैंक से ऋण हासिल किया और करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी दंपती के खिलाफ भोपाल के अलग-अलग थानों और जांच एजेंसियों में आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। इनमें अयोध्या नगर, चूना भट्टी, अपराध शाखा और आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ से जुड़े मामले शामिल बताए गए हैं। पंजाब में भी दोनों के खिलाफ मामला दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तारी से बचने के लिए दोनों लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे। करीब एक साल तक तलाश के बावजूद उनका पता नहीं चल पा रहा था। आखिरकार संपत्ति कारोबारी से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। अब पुलिस आरोपियों के बैंक खातों, संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन का ब्योरा जुटा रही है। संबंधित बैंकों से ऋण संबंधी जानकारी मांगी जा रही है।

पेट्रोल पंप पर दबंगों का तांडव, बेल्ट और धारदार कड़े से सेल्समैन पर हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के हजरतगंज क्षेत्र में विधानसभा मार्ग पर रतन स्क्वायर के सामने स्थित पेट्रोल पंप पर शनिवार देर शाम दबंग युवकों ने जमकर उत्पात मचाया। कतार तोड़कर पहले पेट्रोल भरवाने को लेकर हुए विवाद में बाइक सवार युवकों ने सेल्समैन पर बेल्ट और हाथ में पहने धारदार कड़े से हमला कर दिया। हमले में कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना का सीसीटीवी वीडियो सामाजिक माध्यमों पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। पेट्रोल पंप पर कार्यरत सेल्समैन अमित कुमार रावत के अनुसार, शनिवार देर शाम पेट्रोल भरवाने के लिए ग्राहकों की लंबी कतार लगी थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार कुछ युवक वहां पहुंचे और कतार की अनदेखी करते हुए पहले पेट्रोल भरने की मांग करने लगे। अमित ने उन्हें नियमानुसार कतार में आने को कहा तो युवक भड़क गए। आरोप है कि उन्होंने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और विवाद बढ़ने पर अमित पर हमला कर दिया। पीड़ित की ओर से हुसैनगंज थाने में दी गई लिखित शिकायत के मुताबिक, युवकों ने बेल्ट और हाथ में पहने धारदार कड़े जैसी नुकीली वस्तु से वार किए। इससे अमित का सिर फट गया और आंख पर भी गंभीर चोट आई। मौके पर मौजूद अन्य कर्मचारियों और ग्राहकों ने बीच-बचाव कर उन्हें हमलावरों से बचाया। पीड़ित का कहना है कि यदि लोग समय पर बीच में नहीं आते तो उनकी जान भी जा सकती थी। हमले के बाद आरोपी भागने लगे। इसी दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने अपाचे मोटरसाइकिल से भागने की कोशिश कर रहे एक युवक को पकड़ लिया। आरोपियों के नई बस्ती क्षेत्र का निवासी होने की बात कही जा रही है। घायल कर्मचारी ने पकड़े गए।



पंचशील हाइनिश सोसाइटी में एओए चुनाव को लेकर हंगामा, महिलाओं से अभद्रता और मारपीट के आरोप



महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की पंचशील हाइनिश सोसाइटी में अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) के चुनाव कराने की मांग को लेकर विवाद खड़ा हो गया। रविवार को निवासियों ने शांतिपूर्ण सांकेतिक प्रदर्शन किया, लेकिन इसी दौरान एओए कार्यालय के पास कहासुनी और मारपीट होने का आरोप लगा। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बाल खींचने और अभद्रता किए जाने की शिकायत की है। घटना के बाद करीब 50 से 60 निवासी बिसरख थाने पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। निवासियों का कहना है कि एओए का कार्यकाल समाप्त होने के बावजूद नए चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। इसी के विरोध में लोग प्रदर्शन कर रहे थे। आरोप है कि एओए कार्यालय के पास विनोद नेगी, हिमांशु गौतम और विजय कुमार रस्तोगी ने महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया। विनोद नेगी पर अनुज के साथ मारपीट करने का भी आरोप लगाया गया है। निवासियों के मुताबिक, इस घटना में अनुज के सिर और हाथ में चोट आई है। निवासी राम गोपाल ने आरोप लगाया कि घटना के दौरान मोनिका सैनी, वंदना सिंह और विजेता सिंह के साथ भी अभद्रता की गई। इसके बाद बड़ी संख्या में निवासी थाने पहुंचे और पुलिस को शिकायत दी। उन्होंने जिलाधिकारी और पुलिस आयुक्त से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। दूसरी ओर, एओए अध्यक्ष ने निवासियों की ओर से लगाए गए आरोपों को खारिज किया है। अब पुलिस जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। निवासियों ने सोसाइटी में विरोध करने वाले लोगों और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी मांग की है।

बजरंगगढ़ किले के पास अवैध खनन और विस्फोटों पर एनजीटी सख्त, कलेक्टर समेत 5 प्राधिकरणों को नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। जिले के ऐतिहासिक बजरंगगढ़ किले से सटी पहाड़ियों में कथित अवैध खनन और लगातार हो रही विस्फोटक गतिविधियों के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने स्वतः संज्ञान लिया है। पर्यावरण नियमों के उल्लंघन और ऐतिहासिक धरोहर पर संभावित खतरे को गंभीरता से लेते हुए अधिकरण ने गुना कलेक्टर समेत पांच प्राधिकरणों को नोटिस जारी किए हैं। संबंधित विभागों को 23 दिसंबर को होने वाली अगली सुनवाई से पहले अपना जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं। नोटिस पाने वालों में गुना कलेक्टर के माध्यम से मध्य प्रदेश शासन, मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण मंडल के सदस्य सचिव, गुना नगर पालिका परिषद, वन मंडलाधिकारी और जिला खनिज अधिकारी शामिल हैं। अधिकरण की प्रारंभिक टिप्पणी के अनुसार, मामला पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन से जुड़ा प्रतीत होता है। इसमें पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, वायु प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम, खान एवं खनिज विकास एवं विनियमन अधिनियम तथा पर्यावरणीय प्रभाव आकलन अधिसूचना के प्रावधान लागू हो सकते हैं। शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि किले के आसपास की पहाड़ियों में खतरनाक तरीके से विस्फोट किए जा रहे हैं और गहरे खोदकर खनन किया जा रहा है। विस्फोटों के कारण पत्थर उछलकर आसपास के इलाकों तक पहुंचने और कई रिहायशी मकानों में दरारें आने की बात भी कही गई है। स्थानीय लोगों को आशंका है कि लगातार होने वाले धमाकों और कंपन से ऐतिहासिक बजरंगगढ़ किले की दीवारों को भी नुकसान पहुंच सकता है। मामले में खनिज विभाग और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायतों के अनुसार, खनन पट्टे जारी करते समय स्वीकृत क्षेत्र और किले की



सुरक्षा से जुड़ी शर्तों का पर्याप्त ध्यान रखा गया या नहीं, इसकी जांच जरूरी है। जानकारी के मुताबिक, पिछले एक दशक में इस क्षेत्र में कुल 9 खनन पट्टे आवंटित किए गए हैं। आरोप है कि कुछ स्थानों पर पट्टों में स्वीकृत सीमा से कई गुना अधिक क्षेत्र में खुदाई की जा रही थी।अब राष्ट्रीय हरित अधिकरण के नोटिस के बाद संबंधित विभागों को खनन की वास्तविक स्थिति, स्वीकृत सीमाओं, पर्यावरणीय नियमों के पालन और ऐतिहासिक धरोहर की सुरक्षा को लेकर अपना पक्ष रखना होगा। 23 दिसंबर की सुनवाई में विभागों के जवाब के आधार पर आगे की कार्रवाई की दिशा स्पष्ट हो सकेगी।अब राष्ट्रीय हरित अधिकरण के नोटिस के बाद संबंधित विभागों को खनन की वास्तविक स्थिति, स्वीकृत सीमाओं, पर्यावरणीय नियमों के पालन और ऐतिहासिक धरोहर की सुरक्षा को लेकर अपना पक्ष रखना होगा। 23 दिसंबर की सुनवाई में विभागों के जवाब के आधार पर आगे की कार्रवाई की दिशा स्पष्ट हो सकेगी।

संपत्ति के पैसों को लेकर खूनी विवाद, गोद लिए बेटे पर पिता और बहन की हत्या का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो



इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में संपत्ति विवाद को लेकर दोहरे हत्याकांड का मामला सामने आया है। आरोप है कि 28 वर्षीय हर्ष यादव ने अपने 17 वर्षीय साथी की मदद से पिता राजू यादव और बहन हर्षिता यादव की हत्या कर दी। पुलिस ने नाबालिग को हिरासत में ले लिया है, जबकि मुख्य आरोपी हर्ष अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। मामले का खुलासा उस समय हुआ, जब एरोड्रम थाना पुलिस को कलानी नगर क्षेत्र स्थित एक घर में महिला का शव पड़े होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने हर्षिता का शव बरामद किया और जांच शुरू की। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने तथा स्थानीय लोगों से पूछताछ के बाद पुलिस को वारदात में दो लोगों के शामिल होने के संकेत मिले। इनमें हर्ष और उसका 17 वर्षीय साथी शामिल बताए गए हैं। जांच के दौरान नाबालिग से पूछताछ में पिता राजू यादव की हत्या की जानकारी भी सामने आई। पुलिस के अनुसार, राजू की हत्या दो दिन पहले गांधी नगर क्षेत्र में की गई थी। इसके बाद शव को हातोद इलाके में फेंक दिया गया था। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में संपत्ति के पैसों को लेकर विवाद की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि राजू यादव ने हाल ही में 50 लाख रुपये की संपत्ति बेची थी। इसमें से करीब 25 लाख रुपये उन्होंने बेटी हर्षिता को दे दिए थे और शेष रकम अपने पास रखी थी। आरोप है कि हर्ष उनसे पैसे मांग रहा था और इसको लेकर दबाव बना रहा था। हर्ष यादव राजू का जैविक पुत्र नहीं था। परिवार ने करीब 28 साल पहले उसे गोद लिया था। अब उसी पर पिता और बहन की हत्या में शामिल होने का आरोप है। हालांकि, मामले की पूरी सच्चाई मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी और पुलिस की विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस के हाथ हर्षिता की हत्या से जुड़ा सीसीटीवी दृश्य भी लगा है। इसके अनुसार, 19 नवंबर की सुबह करीब 6:16 बजे हर्ष पैदल घर पहुंचा। कुछ ही देर बाद उसका 17 वर्षीय साथी रिक्शा लेकर वहां आया। सुबह करीब 6:17 बजे हर्ष ने दरवाजे की घंटी बजाई। हर्षिता के दरवाजा खोलते ही कथित तौर पर उसने मारपीट शुरू कर दी और गला दबाने लगा। फुटेज में हर्षिता की चीखें करीब 40 सेकंड तक सुनाई देने की बात सामने आई है। पुलिस ने मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की है। अधिकारियों के अनुसार, हर्ष की गिरफ्तारी के बाद वारदात के पीछे की वजह, विवाद की अवधि।

संभल में महिला का पर्स लूटने वाले 2 बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

महानगर मेट्रो ब्यूरो



संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में महिला का पर्स लूटकर फरार हुए 2 आरोपियों को पुलिस ने शनिवार रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। घेराबंदी के दौरान आरोपियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी की। जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान पूछताछ में एक आरोपी हाथ जोड़कर आगे से गलत काम नहीं करने की बात कहता नजर आया। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार शाम सदर कोतवाली क्षेत्र में एक महिला से सरेराह पर्स लूटकर बाइक सवार 2 बदमाश फरार हो गए थे। घटना की सूचना पर सदर कोतवाली प्रभारी और क्षेत्राधिकारी कुलदीप कुमार मौके पर पहुंचे और महिला से जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए क्षेत्राधिकारी के नेतृत्व में विशेष दल गठित किया। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। शनिवार रात पुलिस को बाइपास मार्ग पर छैमनाथ मंदिर की ओर बाइक सवार 2 संदिग्धों के होने की सूचना मिली। पुलिस दल ने घेराबंदी कर उन्हें रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी गोलीबारी में दोनों घायल हो गए। उनकी पहचान ओवैस और खालिद के रूप में हुई है। दोनों हयातनगर थाना क्षेत्र के सरायतरीन के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से महिला का लूटा हुआ पर्स, एक बाइक और 2 तमंचे बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, दोनों के खिलाफ पहले से भी कई मामले दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि दोनों आरोपियों का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जैन दिवाकरजी की 150वीं जन्मजयंती पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो



इंदौर। 22 नवंबर एयरपोर्ट रोड स्थित नरसिंह वाटिका में चातुर्मास के लिए विराजित महासती डॉ. श्री कुमुदलताजी महाराज साहब के पावन सान्निध्य में रविवार को जैन दिवाकर श्री चौथमलजी महाराज साहब की 150वीं जन्मजयंती श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई। इस अवसर पर 20वें श्री जैन दिवाकर गुरु मोहन राष्ट्रीय सम्मान समारोह एवं जन्म-स्मृति गुणानुवाद सभा का भव्य आयोजन किया गया। धर्मसभा में साध्वी मंडल ने जैन दिवाकरजी के जीवन, आदर्शों और गुणों का भावपूर्ण स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किए। साध्वी श्री महाप्रज्ञाजी महाराज साहब की मधुर भजन प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। समारोह में 20वां श्री जैन दिवाकर गुरु मोहन राष्ट्रीय सम्मान श्री बाबूलालजी पितलिया को प्रदान किया गया। यह सम्मान श्री अभयजी पोखरना परिवार की ओर से दिया गया। वहीं, जैन दिवाकर युवा रत्न सम्मान श्री अभिषेकजी माहर को प्रदान किया गया। धर्मसभा का विशेष आकर्षण जयपुर निवासी श्री राजेंद्रजी जैन पोरवाल द्वारा एक माह की तपस्या का संकल्प लेकर मासक्षमण की पचक्खावनी ग्रहण करना रहा। उपस्थित श्रद्धालुओं ने उनकी तपस्या की अनुमोदना की। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा श्री अरुणजी मेहता, श्री रमेशजी भंडारी और श्री सुनीलजी चोरड़िया सहित अनेक गणमान्य लोगों ने विचार व्यक्त किए। चित्तौड़ सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से गुरु भक्त दर्शन-वंदन के लिए पहुंचे। श्रीसंघ की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन चातुर्मास समिति के मुख्य समन्वयक जिनेश्वर जैन ने किया। इस अवसर पर परिसर में आयोजित श्री जैन दिवाकर मेले का लोकार्पण बाबूलालजी पितलिया परिवार ने किया। मेले में विभिन्न आकर्षक दुकानें और प्रदर्शनियां लगाई गईं। पूरे कार्यक्रम की गौतम प्रसादी का लाभ भी पितलिया परिवार ने लिया। श्रीसंघ ने लाभार्थी परिवार का स्वागत और अभिनंदन किया।

बुलंदशहर में 3 साल की बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, पड़ोसन के बंद कमरे में मिला शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के भूड़ इलाके में 3 साल की बच्ची की मौत से सनसनी फैल गई। शनिवार सुबह घर से लापता हुई बच्ची का शव पड़ोस के मकान में किराये पर रहने वाली सोनाली नाम की महिला के बंद कमरे में मिला। पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस तंत्र क्रिया सहित सभी संभावित पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, 21 नवंबर को अवंती नगर भूड़ इलाके से बच्ची के लापता होने की सूचना मिली थी। परिजनों ने बताया कि वह सुबह करीब 11 बजे घर से गायब हुई थी। परिवार और मोहल्ले के लोगों ने आसपास तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन के साथ सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली। फुटेज में बच्ची कहीं दूर जाती दिखाई नहीं दी, जिसके बाद आसपास के मकानों की तलाशी पर ध्यान केंद्रित किया गया। डॉग स्क्वॉड बंद कमरे तक पहुंचा बच्ची के कपड़े को सूंघाकर डॉग स्क्वॉड की मदद से तलाशी कराई गई। पुलिस के मुताबिक, खोजी कुत्ता एक बंद कमरे तक पहुंचा। दरवाजा तोड़कर पुलिस अंदर दाखिल हुई तो वहां बच्ची का शव मिला। यह कमरा रोहताश राजपूत के मकान में था, जिसमें सोनाली किराये पर रहती थी। बच्ची का घर घटनास्थल से करीब 40 मीटर दूर बताया गया है। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह के अनुसार, घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए प्रथम दृष्टया बच्ची का मुंह दबाकर हत्या किए जाने की आशंका है। तंत्र क्रिया के पहलू की भी जांच की जा रही है। हालांकि, हत्या का वास्तविक कारण और मौत की परिस्थितियां पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट होंगी। शव मिलने के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने दिल्ली रोड पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोपी महिला के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया और स्थिति संभाली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल महिला से पूछताछ जारी है।



मंच पर नाम लेने को लेकर विवाद, सांसद और विधायक के समर्थकों में मारपीट

विधायक विनय वर्मा का नाम न लिए जाने पर बढ़ा विवाद, धक्का-मुक्की में समर्थक का कुर्ता फटा; पुलिस ने संभाली स्थिति

महानगर मेट्रो ब्यूरो





सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में रविवार को एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल और शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा के समर्थकों के बीच विवाद हो गया। मंच से विधायक का नाम न लिए जाने को लेकर शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। इस दौरान एक समर्थक के साथ मारपीट हुई और उसका कुर्ता फट गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मंच पर धक्का-मुक्की और मारपीट के बीच पुलिसकर्मी दोनों पक्षों को अलग करते दिखाई दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार, बढ़नी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में उच्चीकृत करने के निर्माण कार्य का शिलान्यास और भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस परियोजना पर 19 करोड़ 66 लाख रुपये खर्च किए जाने हैं। कार्यक्रम में सांसद जगदम्बिका पाल पहले पहुंच गए थे। इसी दौरान विधायक विनय वर्मा के समर्थक मंच से उनके समर्थन में नारे लगा रहे थे। कुछ देर बाद सांसद के समर्थक भी वहां पहुंच गए। आरोप है कि सांसद के साथ आए कुछ लोगों ने मंच से कार्यक्रम का संचालन कर रहे उद्घोषक जुग्गी राम राही को विधायक का नाम लेने से रोकने का प्रयास किया। इस पर विधायक समर्थक प्रदीप कमलापुरी ने विरोध जताया। प्रदीप के अनुसार, उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के आयोजन में विधायक ने प्रयास किए हैं, इसलिए मंच से उनका नाम लिया जाना चाहिए। इसी बात को लेकर कहासुनी बढ़ गई। प्रदीप कमलापुरी का आरोप है कि कुछ लोग अचानक मंच पर चढ़ आए और उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। इस दौरान उन्हें हल्की चोटें आईं और उनका कुर्ता भी फट गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हमलावरों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। प्रदीप के मुताबिक, उद्घोषक ने भी उन्हें बताया था कि कुछ लोग विधायक का नाम न लेने के लिए उन पर दबाव बना रहे थे। प्रदीप ने आरोप लगाया कि अनिल अग्रहरि द्वारा उद्घोषक के साथ अभद्रता किए जाने पर उन्होंने विरोध किया था, जिसके बाद उनके साथ मारपीट की गई। उन्होंने दावा किया कि विवाद में शामिल लोग तुलसियापुर के रहने वाले हैं और सांसद के साथ आए थे। हालांकि, आरोपितों की राजनीतिक संबद्धता और घटना में उनकी भूमिका की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना के दौरान पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे और उन्होंने दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति संभाली। इसके बाद विधायक विनय वर्मा जब मंच से संबोधित कर रहे थे, तब भी नीचे मौजूद लोगों के बीच नोकझोंक जारी रही। दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई और अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी किया गया। प्रदीप के मुताबिक, उद्घोषक ने भी उन्हें बताया था कि कुछ लोग विधायक का नाम न लेने के लिए उन पर दबाव बना रहे थे। प्रदीप ने आरोप लगाया कि अनिल अग्रहरि द्वारा उद्घोषक के साथ अभद्रता किए जाने पर उन्होंने विरोध किया था, जिसके बाद उनके साथ मारपीट की गई। उन्होंने दावा किया कि विवाद में शामिल लोग तुलसियापुर के रहने वाले हैं और सांसद के साथ आए थे। हालांकि, आरोपितों की राजनीतिक संबद्धता और घटना में उनकी भूमिका की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। घटना के दौरान पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे और उन्होंने दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति संभाली। इसके बाद विधायक विनय वर्मा जब मंच से संबोधित कर रहे थे, तब भी नीचे मौजूद लोगों के बीच नोकझोंक जारी रही। दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई और अभद्र भाषा का इस्तेमाल भी किया गया।

मंडई मेले में चाउमीन-मंचूरियन खाने से 100 से अधिक बच्चे बीमार

महानगर मेट्रो ब्यूरो



बालाघाट। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के हिर्री गांव में आयोजित मंडई मेले में शनिवार शाम चाउमीन और मंचूरियन खाने के बाद 100 से अधिक बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। बच्चों को उल्टी और पेट दर्द की शिकायत होने पर परिजन उन्हें तत्काल किरनापुर अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को बालाघाट जिला चिकित्सालय भेज दिया गया। प्रारंभिक तौर पर विषाक्त भोजन के कारण बच्चों के बीमार पड़ने की आशंका जताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, हिर्री गांव में आयोजित मंडई मेले में शनिवार शाम बड़ी संख्या में ग्रामीण और बच्चे पहुंचे थे। इसी दौरान बच्चों ने मेले में लगी एक खाद्य सामग्री की दुकान से चाउमीन और मंचूरियन खाया। कुछ ही देर बाद बच्चों को पेट दर्द और उल्टी की शिकायत होने लगी। देखते ही देखते एक के बाद एक बड़ी संख्या में बच्चे बीमार पड़ गए। इससे मेले में अफरा-तफरी मच गई और परिजन घबराकर बच्चों को अस्पताल ले जाने लगे।

भाजपा के राज्यसभा सांसद रामराव वडकुते का निधन, 72 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

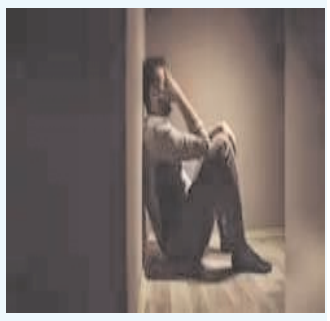
नई दिल्ली। महाराष्ट्र से भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद रामराव सखाराम वडकुते का रविवार, 22 नवंबर को 72 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में अंतिम सांस ली। गंभीर हृदयाघात के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उनके निधन से महाराष्ट्र के राजनीतिक क्षेत्र में शोक की लहर है। रामराव वडकुते मराठवाड़ा क्षेत्र के प्रमुख राजनीतिक नेताओं में शामिल थे। वे धनगर समुदाय से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए भी जाने जाते थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से की थी। वर्ष 2004 से 2019 तक वे महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य रहे। अपने लंबे राजनीतिक सफर के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। वे महाराष्ट्र राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ के अध्यक्ष और अहिल्यादेवी होलकर भेड़ एवं बकरी विकास निगम के अध्यक्ष भी रहे। मार्च 2026 में भाजपा ने उन्हें महाराष्ट्र से राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया था। अप्रैल 2026 में उनका संसदीय कार्यकाल शुरू हुआ और इसी महीने उन्होंने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली थी। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में गंभीर हृदयाघात के बाद राज्यसभा सदस्य रामराव वडकुते के निधन की खबर अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। उनके निधन पर राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के लोगों ने शोक जताया है।



पिता की गिरफ्तारी के बाद तनाव में था लॉ छात्र, रोहिणी में 13वीं मंजिल से गिरकर मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-32 में 19 वर्षीय विधि छात्र पार्थ गुप्ता की एक ऊंची इमारत की 13वीं मंजिल से गिरने के बाद मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। पार्थ के पिता डॉ. मनीष गुप्ता घरेलू सहायिका मीना हलधर की हत्या के आरोप में जेल में बंद हैं। परिजनों का कहना है कि पिता की गिरफ्तारी के बाद से पार्थ मानसिक तनाव से गुजर रहे थे। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर बेगमपुर थाना पुलिस को रोहिणी में एक निर्माणाधीन इमारत के पास युवक के लहूलुहान हालत में पड़े होने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि युवक इमारत से नीचे गिरा था। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की तो युवक की पहचान पार्थ गुप्ता के रूप में हुई। जांच में सामने आया कि वह रोहिणी सेक्टर-32 स्थित अपने घर से किसी दोस्त से मिलने की बात कहकर निकले थे। वह अपना मोबाइल फोन भी घर पर ही छोड़ गए थे। पार्थ विधि की प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहे थे। उनके माता-पिता दोनों त्वचा रोग विशेषज्ञ हैं। उनकी मां अमर कॉलोनी के माउंट कैलाश क्षेत्र में रहती हैं, जबकि पिता डॉ. मनीष गुप्ता जून में घरेलू सहायिका मीना हलधर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किए गए थे। पार्थ कुछ समय से अपनी नानी के घर रह रहे थे। परिजनों के मुताबिक, पिता की गिरफ्तारी के बाद से पार्थ मानसिक रूप से परेशान थे और अवसाद से जूझ रहे थे। रोहिणी के पुलिस उपायुक्त शशांक जायसवाल ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटनाक्रम की पूरी जानकारी जुटाने के लिए परिजनों और परिचितों से पूछताछ की जा रहे। घटनाक्रम की पूरी जानकारी जुटाने के लिए परिजनों और परिचितों से पूछताछ की जा रहे।



मंडोली जेल में गैंगस्टर रणदीप भाटी की हत्या की साजिश का खुलासा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुख्यात गैंगस्टर रणदीप भाटी की दिल्ली की मंडोली जेल में हत्या की कथित साजिश का मामला सामने आया है। इस साजिश में दक्षिण दिल्ली के बदमाश रोहित चौधरी और उत्तर-पूर्वी दिल्ली के इरफान उर्फ छेनू पहलवान के नाम सामने आए हैं। तीनों गैंगस्टर मंडोली जेल की बैरक संख्या 15 में बंद हैं। सूत्रों के मुताबिक, करीब चार दिन पहले जेल प्रशासन ने तलाशी के दौरान मोबाइल फोन और नुकीले हथियार बरामद किए थे। इसके बाद रणदीप की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सूत्रों के अनुसार, बरामद सामान की जांच के दौरान रणदीप की हत्या की साजिश से जुड़े संकेत मिले। इसके बाद जेल प्रशासन ने उसकी सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था की है। अब हर समय दो जेलकर्मी उसकी निगरानी में तैनात रहेंगे। रणदीप और अन्य दोनों गैंगस्टरों की बैरकों के बीच त्वरित कार्रवाई दल भी तैनात किया गया है। दोनों गिरोहों से जुड़े अन्य बंदियों पर भी नजर रखी जा रही है। बताया जा रहा है कि जेल प्रशासन तीनों गैंगस्टरों को अलग-अलग जेलों में स्थानांतरित करने पर भी विचार कर रहा है, ताकि किसी संभावित टकराव या वारदात को रोका जा सके। ग्रेटर नोएडा के रिठोरी गांव का रहने वाला रणदीप कई मामलों में जमानत पा चुका है, लेकिन उत्तर प्रदेश गैंगस्टर अधिनियम के मामले में उसे अभी राहत नहीं मिली है। सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में भी उसे जल्द जमानत मिलने की संभावना जताई जा रही है। दूसरी ओर, आया नगर का रहने वाला रोहित चौधरी और सीलमपुर निवासी छेनू पहलवान अलग-अलग गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम के मामलों में जेल में बंद हैं। गैंगवार की पुरानी दुश्मनी पुलिस अभिलेखों के अनुसार, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सुंदर भाटी और नरेश भाटी कभी एक-दूसरे के करीबी थे, लेकिन वर्चस्व की लड़ाई ने दोनों को दुश्मन बना दिया। मार्च 2004 में सुंदर भाटी ने नरेश की हत्या कर दी थी। इसके बाद नरेश के भाई रणपाल ने सुंदर के भाई प्रताप की हत्या कर दी। वर्ष 2006 में रणपाल पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। इसके बाद रणदीप ने गिरोह की कमान संभाली और उसे अनिल दुजाना का साथ मिला।

सूरत-बिलिमोरा खंड परीक्षण के लिए तैयार, अगले साल दौड़ सकती है देश की पहली बुलेट ट्रेन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। देश की पहली मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना ने एक महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया है। इसके सूरत-बिलिमोरा खंड में 20 नवंबर को ऊपर लगे बिजली के तारों में विद्युत आपूर्ति शुरू कर दी गई। इससे इस हिस्से में आगे के तकनीकी परीक्षणों का रास्ता साफ हो गया है। सूरत से बिलिमोरा के बीच करीब 50 किलोमीटर लंबा ऊंचा रेलमार्ग तैयार किया गया है, जिस पर आने और जाने के लिए अलग-अलग पटरियां बनाई गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल पूरे खंड में बिजली आपूर्ति चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएगी। यह प्रक्रिया तकनीकी दल की निगरानी में निर्धारित सुरक्षा नियमों के अनुसार पूरी होगी। इसके बाद इस मार्ग पर आगे के परीक्षण किए जा सकेंगे। परियोजना के अगले वर्ष परिचालन शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। बिजली आपूर्ति के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल बुलेट ट्रेन मार्ग पर बिजली पहुंचाने के लिए 2 म 25 किलोवोल्ट की आधुनिक विद्युत प्रणाली लगाई गई है। इस तकनीक का उपयोग दुनिया की कई उच्च गति वाली रेल सेवाओं में किया जाता है। 508 किलोमीटर लंबे पूरे गलियारे में कुल 14 विद्युत उपकेंद्र बनाए गए हैं। ये उपकेंद्र राष्ट्रीय बिजली ग्रिड से विद्युत लेकर ऊपर लगे तारों तक पहुंचाएंगे। बिजली व्यवस्था पर केंद्रीय नियंत्रण केंद्र से निगरानी गुजरात के नवसारी जिले में बिलिमोरा के पहले विद्युत उपकेंद्र में नियंत्रण पटल, परिवर्तन स्विच, विद्युत परिवर्तक और परिपथ विच्छेदक लगाने का काम पूरा हो चुका है। गुजरात के इन उपकेंद्रों को जीईटीसीओ के 220 किलोवोल्ट अंबेठा ग्रिड उपकेंद्र से बिजली मिलेगी। पूरे बिजली नेटवर्क की निगरानी एक केंद्रीय नियंत्रण केंद्र से की जाएगी, ताकि आपूर्ति को सुरक्षित और सुचारु बनाए रखा जा सके। लोगों को बिजली के तारों से दूर रहने की चेतावनी ऊपर लगे बिजली के तारों में विद्युत आपूर्ति शुरू होने के बाद आसपास रहने वाले लोगों, यात्रियों, श्रमिकों और आम नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। उन्हें बिजली के तारों और उपकरणों के पास नहीं जाने, उन्हें छूने का प्रयास नहीं करने और बिना अनुमति वहां कोई काम नहीं करने को कहा गया है। इन तारों में उच्च वोल्टेज बिजली होने के कारण गंभीर हादसे का खतरा रहता है। ध्वनि कम करने के लिए लगाए 94 हजार अवरोधक सूरत-बिलिमोरा के बीच बने ऊंचे रेलमार्ग पर चार नदियों के ऊपर पुल तैयार किए गए हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर एक इस्पात पुल भी बनाया गया है। आसपास रहने वाले लोगों को बुलेट ट्रेन के गुजरने से होने वाली तेज आवाज से राहत देने के लिए पूरे रेलमार्ग पर करीब 94 हजार ध्वनि अवरोधक लगाए गए हैं। इससे रेलगाड़ियों की आवाज का आसपास के क्षेत्रों पर पड़ने वाला प्रभाव कम करने में मदद मिलेगी। आसपास रहने वाले लोगों को बुलेट ट्रेन के गुजरने से होने वाली तेज आवाज से राहत देने के लिए पूरे रेलमार्ग पर करीब 94 हजार ध्वनि अवरोधक लगाए गए हैं। इससे रेलगाड़ियों की आवाज का आसपास के क्षेत्रों पर पड़ने वाला प्रभाव कम करने में मदद मिलेगी।



मुंबई हवाई अड्डे के पास बनी मस्जिद हटाने का आदेश, एमएमआरडीए ने दिया अल्टीमेटम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 के पास बनी एक मस्जिद को लेकर विवाद गहरा गया है। मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने इसे अवैध निर्माण बताते हुए हटाने का आदेश दिया है। प्राधिकरण ने मस्जिद के द्वार पर नोटिस चिपकाने के साथ मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एमआईएएल) को भी इसे हटाने का निर्देश दिया है। आदेश में चेतावनी दी गई है कि निर्धारित कार्रवाई नहीं होने पर हवाई अड्डा संचालक के खिलाफ भी कानूनी कदम उठाए जा सकते हैं। फिलहाल मौके पर तोड़फोड़ की कार्रवाई नहीं हुई है। इस मामले को लेकर भाजपा नेता किरीट सोमैया लंबे समय से विरोध जता रहे हैं। उनका आरोप है कि करीब 5 हजार वर्ग फुट सरकारी जमीन पर बिना अनुमति मस्जिद का निर्माण किया गया है। उन्होंने इस स्थान को संवेदनशील सुरक्षा क्षेत्र बताते हुए इसे सुरक्षा के लिहाज से खतरा भी बताया है। सोमैया का दावा है कि वर्ष 2014 से पहले यहां कोई निर्माण नहीं था और बाद में टिन की छत वाला ढांचा खड़ा कर जमीन पर कब्जा किया गया। उन्होंने मस्जिद हटाने के साथ निर्माण के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। मस्जिद के गेट पर चिपकाए गए नोटिस में निर्माण को अवैध बताया गया है। एमएमआरडीए के अनुसार, अशबुल जन्नत एयरपोर्ट चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से प्रस्तुत दस्तावेज पर्याप्त नहीं पाए गए। इसी आधार पर प्राधिकरण ने एमआईएएल को मस्जिद हटाने का निर्देश दिया है। सोमैया ने दावा किया है कि एक सप्ताह के भीतर मस्जिद को हटाया जा सकता है और निर्माण के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई जाएगी। मस्जिद पक्ष ने अनुमति लेने का किया दावा दूसरी ओर, मस्जिद प्रबंधन और एआईएमआईएम ने सोमैया के आरोपों का विरोध किया है। मस्जिद पक्ष का कहना है कि निर्माण से पहले आवश्यक अनुमति ली गई थी और उस समय जीवीके तथा हवाई अड्डे के अधिकारियों को भी इसकी जानकारी थी। इसके समर्थन में वर्ष 2015 के एक पत्र का हवाला दिया गया है, जिसमें प्रार्थना स्थल का उल्लेख होने का दावा किया गया है। एआईएमआईएम नेता वारिस पठान ने भी सोमैया के विरोध पर आपत्ति जताई है। उन्होंने उनके खिलाफ ही प्राथमिकी दर्ज करने की मांग करते हुए आरोप लगायाै।



ब्रेकअप से नाराज प्रेमी ने प्रेमिका के घर में लगाई आग, माता-पिता सहित बाल-बाल बचा परिवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

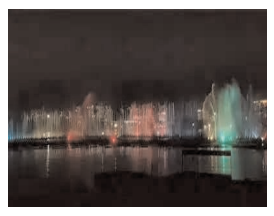
डोंबिवली। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के डोंबिवली में प्रेम संबंध टूटने से नाराज एक युवक ने कथित तौर पर अपनी प्रेमिका के घर में आग लगा दी। घटना के समय युवती अपने माता-पिता के साथ घर में मौजूद थी। अचानक आग फैलने से परिवार में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन तीनों समय रहते घर से बाहर निकल आए। इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने आरोपी दीपेश रस्तोगी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, युवती और दीपेश के बीच पिछले 7 से 8 वर्षों से प्रेम संबंध था। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच विवाद चल रहा था। इसके बाद युवती ने संबंध खत्म करने का फैसला किया और दीपेश को स्पष्ट कर दिया कि वह अब इस रिश्ते को आगे नहीं बढ़ाना चाहती। बताया जा रहा है कि दीपेश इस फैसले से नाराज था और रिश्ता टूटने को स्वीकार नहीं कर पा रहा था। आरोप है कि इसी नाराजगी में उसने युवती के घर को निशाना बनाया और आग लगा दी। देखते ही देखते आग फैलने लगी और घर में मौजूद युवती तथा उसके माता-पिता की जान खतरे में पड़ गई। हालांकि, तीनों किसी तरह सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। घटना के बाद इलाके में भी हलचल मच गई। सूचना मिलने पर मानपाड़ा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और आरोपी दीपेश रस्तोगी को गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस इस बात की पड़ताल कर रही है कि आरोपी का इरादा केवल घर में आग लगाने का था या वह युवती के माता-पिता सहित पूरे परिवार को नुकसान पहुंचाना चाहता था। मानपाड़ा पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संदीपन शिंदे ने बताया कि इस पहलू को भी जांच में शामिल किया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर घटना के पीछे की परिस्थितियों और उसकी मंशा का पता लगाने में जुटी है।



पवई तालाब में बनेगा 180 मीटर लंबा संगीतमय फव्वारा, रोशनी और ध्वनि के जरिए दिखाई जाएगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शहर के पर्यटन आकर्षण में जल्द ही एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। पवई तालाब के गणेश घाट पर करीब 30 करोड़ रुपये की लागत से 180 मीटर लंबा अत्याधुनिक संगीतमय फव्वारा और रोशनी एवं ध्वनि का प्रदर्शन तैयार किया गया है। इसके माध्यम से छत्रपति शिवाजी महाराज की शौर्यगाथा, मराठों के पराक्रम और महाराष्ट्र की गौरवशाली संस्कृति को आधुनिक तकनीक के जरिए जीवंत किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा रविवार शाम 7 बजे इस परियोजना का उद्घाटन करेंगे। मंत्री लोढ़ा ने बताया कि यह परियोजना देश के सबसे बड़े संगीतमय फव्वारों में शामिल होने जा रही है। इसमें पानी की विशाल पर्दानुमा सतह, लेजर प्रक्षेपण और 27 अग्नि धाराएं लगाई गई हैं। फव्वारे से पानी की धाराएं करीब 40 मीटर यानी 130 फीट की ऊंचाई तक उठेंगी। संगीत की धुन के साथ पानी और रोशनी का तालमेल दर्शकों को अनूठा दृश्य-श्रव्य अनुभव देगा। प्रदर्शन के दौरान तीन अलग-अलग फिल्मों के माध्यम से मराठों का गौरवशाली इतिहास, महाराष्ट्र की संस्कृति और मुंबई की विकास यात्रा दिखाई जाएगी। परियोजना का उद्देश्य नई पीढ़ी को राज्य के इतिहास और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के साथ मुंबई को पर्यटन के नए केंद्र के रूप में विकसित करना है। मंगल प्रभात लोढ़ा के अनुसार, छत्रपति शिवाजी महाराज का गौरवशाली इतिहास और मराठों का पराक्रम आधुनिक तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाना इस परियोजना का प्रमुख उद्देश्य है। इससे पवई तालाब की सुंदरता बढ़ने के साथ मुंबई के पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। परियोजना के लिए मुंबई उपनगर जिला नियोजन एवं विकास समिति के माध्यम से धन उपलब्ध कराया गया है, जबकि निर्माण कार्य म्हाडा ने किया है। प्रतिदिन तीन शो आयोजित करने की योजना परियोजना के तहत प्रतिदिन करीब तीन घंटे के दौरान तीन प्रदर्शन आयोजित करने की योजना है। फव्वारे की व्यवस्था में प्रतिदिन लगभग 30 लाख लीटर पानी में हवा मिलाने की प्रक्रिया भी शामिल होगी।



कृषि भवन परिसर की 100 साल पुरानी मस्जिद का मामला हाईकोर्ट पहुंचा, 23 नवंबर को सुनवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

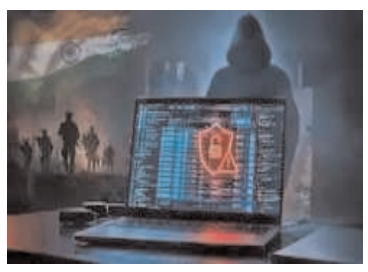
नई दिल्ली। दिल्ली के कृषि भवन परिसर में स्थित 100 साल से अधिक पुरानी कदीमी मस्जिद को हटाए जाने का मामला उच्च न्यायालय पहुंच गया है। मस्जिद को तोड़े जाने से बचाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर 23 नवंबर को सुनवाई होगी। यह मस्जिद 'मस्जिद कृषि भवन' के नाम से भी जानी जाती है और सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत इसके अस्तित्व पर सवाल उठे हैं। न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने मोहम्मद यासिर की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई टालते हुए कहा कि कदीमी मस्जिद से संबंधित एक अन्य याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई की जाएगी। याचिकाकर्ता यासिर का कहना है कि मस्जिद अब भी संचालित है और इसे हटाए जाने का खतरा बना हुआ है। वहीं, केंद्र सरकार के वकील ने इस याचिका को पहले से लंबित मामले का दायरा बढ़ाने का प्रयास बताया। मस्जिद हटाने के पक्ष में केंद्र ने दी दलील इससे पहले केंद्र सरकार ने अदालत में दलील दी थी कि सरकारी कार्यालय परिसर के भीतर स्थायी धार्मिक ढांचे का होना नियमों के अनुकूल नहीं है। सरकार के अनुसार, ऐसे निर्माण सरकारी संपत्ति के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप के भी अनुरूप नहीं हैं। दूसरी ओर, याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता एम. सुफियान सिद्दीकी ने कहा कि केंद्र सरकार के पास मस्जिद को तोड़ने का अधिकार नहीं है और इसे हटाने के रास्ते में कई कानूनी अड़चनें हैं। वकील ने वर्ष 1945 में तत्कालीन अधिकारियों और दिल्ली वक्फ बोर्ड के पूर्ववर्ती निकाय के बीच हुए एक समझौते का भी हवाला दिया। उनका तर्क है कि इस समझौते के रहते मस्जिद को हटाने की कार्रवाई सीधे तौर पर नहीं की जा सकती।



14 साल के किशोर ने सरकारी वेबसाइट में लगाई सेंध, 4 हजार अग्निवीरों का डेटा चुराने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। महज 14 साल के एक किशोर पर सरकारी वेबसाइट में सेंध लगाकर करीब 4 हजार अग्निवीरों की निजी जानकारी चुराने और उसे डार्क वेब पर बेचने की कोशिश करने का आरोप लगा है। दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ की खुफिया एवं रणनीतिक अभियान इकाई ने उसे फरीदाबाद के बल्लभगढ़ से पकड़ा है। पुलिस के अनुसार, नाबालिग ने कथित तौर पर एक सरकारी वेबसाइट में अनधिकृत तरीके से प्रवेश कर वहां से जानकारी हासिल की। इसके बाद उसने डार्क वेब पर विज्ञापन देकर करीब 4 हजार अग्निवीरों का निजी विवरण होने का दावा किया और इसे 500 अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 42 हजार रुपये में बेचने की पेशकश की। जांच अधिकारियों के मुताबिक, जिस वेबसाइट को निशाना बनाया गया, उसे पूर्व अग्निवीरों को सरकारी विभागों सहित अन्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसर तलाशने में मदद के लिए तैयार किया गया था। यह एक परीक्षण पोर्टल था। आरोप है कि किशोर ने इसी पोर्टल में सेंध लगाकर उससे जानकारी निकाल ली और उसे बेचने की कोशिश की। प्रारंभिक जांच में वेबसाइट में सेंध लगाने और जानकारी हासिल करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरणों के इस्तेमाल की आशंका जताई गई है। पुलिस की विशेष इकाई ने किशोर के डिजिटल उपकरणों से कथित तौर पर चुराया गया विवरण बरामद किया है। हालांकि, बरामद जानकारी में कितने अग्निवीरों का वास्तविक विवरण शामिल है और उसमें कितनी संवेदनशील सूचनाएं हैं, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है। इसके लिए दिल्ली पुलिस ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर अग्निवीरों का आधिकारिकै कि सरकारी वेबसाइट की सुरक्षा में सेंध कैसे लगाई गई, जानकारी किस तरीके से निकाली गई और क्या इस मामले में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल है।



दिल्ली की हवा में सुधार, आनंद विहार और इंडिया गेट सहित कई इलाकों में एक्यूआई 150 से नीचे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सर्दियों की दस्तक के बीच राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की हवा की गुणवत्ता में कुछ सुधार देखने को मिला है। रविवार, 22 नवंबर की सुबह राजधानी के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 150 से नीचे दर्ज किया गया। आनंद विहार और इंडिया गेट जैसे क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर घटने से लोगों को राहत मिली। हालांकि, दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 239 दर्ज किया गया, जो अब भी खराब श्रेणी में है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, प्रदूषण के प्रमुख केंद्र माने जाने वाले आनंद विहार में सुबह 5:30 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 252 दर्ज किया गया था। यह खराब श्रेणी में आता है। इसके बाद सुबह 6:40 बजे इसमें उल्लेखनीय गिरावट आई और यह 145 पर पहुंच गया। इससे इलाके की हवा मध्यम श्रेणी में आ गई। इसी तरह इंडिया गेट और कर्तव्य पथ के आसपास भी सुबह हवा की गुणवत्ता बेहतर रही। यहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 143 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में है। इससे सुबह की सैर और अन्य गतिविधियों के लिए बाहर निकलने वाले लोगों को कुछ राहत मिली। हालांकि, राजधानी के सभी इलाकों में स्थिति एक जैसी नहीं है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के आसपास सुबह 6:50 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 326 दर्ज किया गया, जो बहुत अलग क्षेत्रों में काफी भिन्न है। कुछ इलाकों में हवा साफ होने के संकेत मिले हैं, लेकिन औसत स्तर अभी भी खराब श्रेणी में बना हुआ है। ऐसे में प्रदूषण से पूरी तरह राहत मिलने की स्थिति नहीं है।



पुणे में कुरुक्षेत्र के युवक की संदिग्ध मौत, होटल से 400 किलोमीटर दूर दफनाया शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुण । हरियाणा के कुरुक्षेत्र निवासी एक युवक की महाराष्ट्र के पुणे में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। युवक पिछले 12 वर्षों से पुणे के एक होटल में रसोइये का काम कर रहा था। परिवार ने उसकी हत्या किए जाने और घटना को हादसा बताकर मामले को दबाने की आशंका जताई है। परिजनों का आरोप है कि युवक की मौत के बाद उसका शव होटल से करीब 400 किलोमीटर दूर दफना दिया गया। अब परिवार शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमॉर्टम कराने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है। परिवार के अनुसार, युवक की 10 नवंबर को आखिरी बार वीडियो कॉल पर बात हुई थी। उस दिन उसने बताया था कि वह पुणे से रेलगाड़ी के जरिए घर लौटने के लिए निकला है। इसके बाद परिजन दो दिनों तक कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर उसका इंतजार करते रहे, लेकिन वह घर नहीं पहुंचा।



शैले होटल्स तीन साल में 3,500 करोड़ का निवेश करेंगी- सीईओ

नई दिल्ली।

शैले होटल्स अगले तीन वर्षों में लगभग 3,500 करोड़ रुपये का निवेश करने पर विचार कर रही है। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि दिल्ली हवाईअड्डे पर बनने वाले इसके ताज ब्रांड के होटल में अब अगले वित्त वर्ष (2027-28) की अप्रैल-जून तिमाही में लगभग 200 कमरे खुलने की उम्मीद है, जबकि पहले 70 कमरे खोलने की योजना थी। कंपनी के आगामी पोर्टफोलियो में दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) में 380 कमरों वाला ताज होटल शामिल है। अ धिकारी ने एक साक्षात्कार में बताया कि डीआईएएल हवाईअड्डे पर ताज होटल का काम पूरा होने के करीब है, लेकिन प्रदूषण से जुड़े जीआरएपी प्रतिबंधों के कारण इसमें कुछ देरी हुई। उन्होंने कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि हवाईअड्डा स्थित यह होटल उसके समग्र पोर्टफोलियो में अहम योगदान देगा, हालांकि राजस्व पर इसके असर का सटीक आकलन करना अभी जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि हमें अगले तीन वर्षों में 3,500 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की उम्मीद है। शैले होटल्स के पास इस समय लगभग 3,300 कमरे हैं और 2,036 कमरों की घोषित परियोजनाओं पर काम जारी है। कंपनी की अन्य परियोजनाएं योजना के अनुसार आगे बढ़ रही हैं।

दो पैन कार्ड रखने पर व्यापारी को इनकम टैक्स ने भेजा लाखों का नोटिस

क्लर्क की कथित गलती से व्यापारी के नाम पर जारी हो गए थे दो पैन कार्ड

नई दिल्ली ।

गुजरात के एक पटाखा कारोबारी के साथ ऐसा मामला सामने आया है, जहां क्लर्क की कथित गलती से उनके नाम पर दो पैन कार्ड जारी हो गए थे। इस त्रुटि के बाद आयकर विभाग ने उनके एक पैन कार्ड के आधार पर 7.60 लाख रुपए की रकम को छिपी हुई आय मान लिया, जिससे व्यापारी कानूनी दांव-पेच में फंस गए। असेसमेंट ईयर 2020-21 के लिए उन्होंने एक पैन कार्ड से इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल किया था, जिसमें पटाखों के कारोबार से हुई पूरी कमाई की जानकारी और ऑडिट रिपोर्ट शामिल थी। हालांकि, आयकर विभाग ने उनके दूसरे पैन कार्ड नंबर के आधार पर दोबारा जांच शुरू कर दी। असेसिंग ऑफिसर ने 24 मार्च 2025 को कार्रवाई पूरी करते हुए 7.60 लाख रुपए को उनकी आय में जोड़ दिया। कारोबारी का तर्क था कि इस कमाई पर पहले ही दूसरे पैन के तहत दाखिल रिटर्न में टैक्स दिया जा चुका है, इसलिए एक ही रकम पर दोबारा टैक्स लगाना गलत है। व्यापारी ने अपने दावे के समर्थन में बैंक स्टेटमेंट, कारोबार से जुड़े लोगों के खाते की पुष्टि और अन्य दस्तावेज जमा किए। उन्होंने दो पैन कार्ड जारी होने की गलती को लेकर हलफनामा भी दिया। लेकिन पहली अपील के दौरान वह अपना पक्ष और जरूरी सबूत सही तरीके से पेश नहीं कर सके, जिसके चलते अपील अथॉरिटी ने आयकर विभाग के फैसले को बरकरार रखा। इसके बाद कारोबारी ने आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) अहमदाबाद का रुख किया। ट्रिब्यूनल ने अपील अथॉरिटी का पिछला आदेश रद्द करते हुए इस मामले को नए सिरे से जांच के लिए असेसिंग ऑफिसर के पास भेज दिया।

पल्सर एनएस125 का अपडेटेड मॉडल जल्द होगा पेश

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी बजाज जल्द ही पल्सर एनएस125 के अपडेटेड मॉडल को पेश कर सकती है। यह अपडेटेड बाइक कई और नए फीचर्स के साथ बाजार में धूम मचाने को तैयार है।

इसे हाल ही में टेस्टिंग के दौरान देखा गया है, जिससे यह पुष्टि हुई है कि इसमें नया टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलेगा। जानकारी के अनुसार, नई पल्सर एनएस125 में 5-इंच का टीएफटी डिस्प्ले होगा, जो इसके सेगमेंट में काफी उन्नत माना जा रहा है। यह डिस्प्ले गूगल मैप्स मिररिंग, म्यूजिक कंट्रोल, डॉक्यूमेंट स्टोरेज और लैप टाइमर जैसे फीचर्स को सपोर्ट करेगा। खास बात यह है कि यह एंड्रॉइड फोन की स्क्रीन बंद होने पर भी गूगल मैप्स मिररिंग की सुविधा देगा। इसमें डे-नाइट थीम और ऑटो ब्राइटनेस एडजस्टमेंट भी मिलेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर कंपनी इलेक्ट्रॉनिक थ्रॉटल बॉडी देती है, तो बाइक में राइडिंग मोड्स भी शामिल किए जा सकते हैं। अन्य संभावित फीचर्स में हैजर्ड लाइट स्विच और पैनिक ब्रेक अलर्ट शामिल हो सकते हैं। राइडर की सुविधा के लिए इसमें एडजस्टेबल क्लच और ब्रेक लीवर भी दिए जाने की संभावना है।

हार्डवेयर के मामले में, अपडेटेड पल्सर एनएस125 में ज्यादातर चीजें मौजूदा मॉडल जैसी ही रह सकती हैं, जैसे फ्रंट डिस्क ब्रेक, रियर ड्रम ब्रेक, रियर मोनोशॉक और फ्रंट टेलिस्कोपिक फोर्क्स।

वैश्विक कारकों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

अमेरिकी ब्याज दरों की दिशा और वैश्विक बॉन्ड यील्ड पर भी निवेशकों की नजर रहेगी

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह दिग्गज कंपनियों में लिवाली के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों पर रहेगी और प्रमुख सूचकांकों में तेजी जारी रहने की उम्मीद है।

पिछले सप्ताह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लिवाली के दम पर बाजार में जबरदस्त तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,327.26 अंक (2.85 प्रतिशत) चढ़कर 83,919.71 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 656.30 अंक यानी 2.61 प्रतिशत ऊपर 25,800.60 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों सूचकांकों का नौ महीने से अधिक का उच्चतम स्तर है। बाजार के जानकारों का कहना है कि बीते सप्ताह की जबरदस्त तेजी के बाद, आने वाले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार की चाल मुख्य रूप से वैश्विक संकेतों, विदेशी निवेशकों के रुख और कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर करेगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि एशियाई और अमेरिकी बाजारों में हाल ही में तकनीकी और एआई शेयरों के मूल्यांकन को लेकर उतार-चढ़ाव



देखा गया है।

उनका कहना है कि इस सप्ताह अमेरिकी ब्याज दरों की दिशा और वैश्विक बॉन्ड यील्ड पर निवेशकों की कड़ी नजर रहेगी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी भारतीय अर्थव्यवस्था र कॉरपोरेट मार्जिन के लिए सकारात्मक है। हालांकि, पश्चिम एशिया और यूक्रेन से जुड़े भू-राजनीतिक घटनाक्रम बाजार की धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। बाजार विश्लेषकों के अनुसार तेजी का रुख अभी बरकरार है।

देशभर में पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई फेरबदल नहीं

दिल्ली में डीजल 95.20 रुपए और पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में भले ही कच चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी हो, लेकिन भारत में फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर हैं। सरकारी तेल विपणन कंपनियों द्वारा रविवार को जारी दरों के मुताबिक देशभर में पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई फेरबदल नहीं हुआ है। दिल ली में डीजल 95.20 रुपए और पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। प्रीमियम श्रेणी में एक्सपी 100 की कीमत 167.35 रुपए, एक्सपी 95 की कीमत 109.24 रुपए और एक्सजी डीजल की कीमत 100.52 रुपए प्रति लीटर है। नोएडा में डीजल का रेट 95.56 रुपए और पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर है। एक्सपी 95 110.68 रुपए और एक्सजी 101.17 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। हरियाणा के गुरुग्राम में डीजल 95.64 रुपए और पेट्रोल 102.97 रुपए प्रति लीटर है। वहीं यहां एक्सपी 100 167.35 रुपए और एकसपी 95 111.78 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। फरीदाबाद में डीजल 96.01,पेट्रोल 103.35 रुपए और एक्सपी 95 112.16 रुपए लीटर है। लखनऊ में डीजल की कीमत 95.36 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल की कीमत 101.89 रुपये प्रति लीटर है। भोपाल में डीजल 99.64 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल 114.57 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। जयपुर में डीजल 97.78 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल 112.69 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

गोकुल डेयरी ने भैंस का दूध 6 और गाय का 4 रुपए किया महंगा

दूध के भाव बढ़ने से उपभोक्ताओं पर सीधा वित्तीय भार पड़ेगा

मुंबई ।

अब महाराष्ट्र में दूध खरीदने वाले उपभोक्ताओं को अधिक पैसे खर्च करने होंगे, क्योंकि गोकुल डेयरी ने भैंस और गाय के दूध की कीमतों में वृद्धि की घोषणा की है। कोल्हापुर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ, जिसे गोकुल के नाम से जाना जाता है, ने भैंस के दूध की बिक्री कीमत में 6 रुपए प्रति लीटर और गाय के दूध की कीमत में 4 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। ये नई दरें 21 नवंबर से प्रभावी हो गई हैं और गोकुल के सप्लाई क्षेत्र, यानी महाराष्ट्र के उन इलाकों में लागू होंगी जहां गोकुल दूध की आपूर्ति करता है। इस बढ़ोतरी से उपभोक्ताओं पर सीधा वित्तीय भार पड़ेगा। उदाहरण के लिए, यदि कोई परिवार प्रतिदिन 2 लीटर भैंस का दूध खरीदता है, तो उसे पहले के मुकाबले हर दिन 12 रुपए अधिक खर्च करने होंगे, जिससे मासिक खर्च लगभग 360 रुपए बढ़ जाएगा। वहीं, रोज 2 लीटर गाय का दूध खरीदने वाले परिवार को महीने में करीब 240 रुपए अतिरिक्त देने होंगे। गोकुल ने सिर्फ ग्राहकों के लिए दूध महंगा नहीं किया है, बल्कि दूध उत्पादकों को मिलने वाली खरीद कीमत भी बढ़ाई है। भैंस के दूध पर किसानों को अब 3 रुपए प्रति लीटर और गाय के दूध पर 2 रुपए प्रति लीटर ज्यादा मिलेंगे। डेयरी के चेयरमैन के अनुसार सूखे की स्थिति और किसानों को हो रही परेशानियों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है, और बोर्ड के सभी निदेशकों ने इस बढ़ोतरी पर सहमति जताई है। यह नई दरें करीब 131 दिनों यानी मार्च तक लागू रहेंगी।

सोना हुआ सस्ता, मुथूट-मणप्पुरम के शेयर धड़ाम, क्या गोल्ड लोन कंपनियों की बढ़ेगी मुश्किल?

मजबूत अमेरिकी डॉलर और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका से सोने पर दबाव

मुथूट फाइनेंस और मणप्पुरम फाइनेंस के शेयरों में बिकवाली बढ़ी
सोने के भाव एक साल के निचले स्तर पर पहुंचने से निवेशक सतर्क

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में आई तेज गिरावट का असर अब गोल्ड लोन कंपनियों के शेयरों पर भी दिखाई देने लगा है। मुथूट फाइनेंस और मणप्पुरम फाइनेंस के शेयरों में बिकवाली बढ़ गई है। सोने के भाव एक साल के निचले स्तर पर पहुंचने और आगे भी गिरावट की आशंका से निवेशक सतर्क हो गए हैं। बाजार को चिंता है कि बुलियन की कीमतों में कमजोरी से गोल्ड लोन कंपनियों की लोन देने की क्षमता, वसूली और मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है। बीते सप्ताह शुक्रवार के कारोबार में मणप्पुरम फाइनेंस का शेयर करीब 5 फीसदी गिरकर 270 रुपये पर आ गया। यह अप्रैल के बाद इसका सबसे निचला स्तर बताया गया। वहीं मुथूट फाइनेंस का शेयर भी करीब 3 फीसदी टूटकर इंट्राडे में 2,480 रुपये तक फिसल गया। पिछले कुछ कारोबारी सत्रों से इन शेयरों में लगातार बिकवाली देखी जा रही है। दरअसल, गोल्ड लोन कंपनियों का कारोबार सोने की कीमतों से सीधे तौर पर जुड़ा होता है। ये कंपनियां ग्राहकों के सोने के आभूषण गिरवी रखकर कर्ज देती हैं। ऐसे में सोने का बाजार मूल्य घटने से गिरवी रखे सोने की कीमत कम हो जाती है। इससे लोन-टू-वैल्यू अनुपात पर दबाव



बढ़ सकता है। यदि सोने की कीमतों में और गिरावट आती है तो कंपनियों को गिरवी रखे सोने के मुकाबले बकाया कर्ज की सुरक्षा बनाए रखने में अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। इसके अलावा कर्ज चुकाने में ग्राहकों की ओर से चूक होने पर सोने की नीलामी के जरिए रकम वसूलना भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हालांकि, इसका वास्तविक असर कंपनियों के एनपीए, वसूली और नीलामी के आंकड़ों पर निर्भर करेगा। सोने की कीमतों में गिरावट के पीछे मजबूत अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका को प्रमुख कारण माना जा रहा है।

घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 942, मुंबई में 941.50 रुपए

शादी सीजन में सस्ता हुआ गैस सिलेंडर या बढ़ गए दाम? दिल्ली से पटना तक चेक करें नए रेट

नई दिल्ली ।

आज 22 नवंबर 2026 को गैस सिलेंडर की कीमतों पर आम लोगों की नजर बनी हुई है, खासकर शादी के सीजन में जब रसोई गैस की खपत बढ़ जाती है। रसोई गैस के दाम बढ़ने या घटने का सीधा असर घर के बजट पर पड़ता है। यदि आप आज एलपीजी सिलेंडर बुक करने की सोच रहे हैं, तो अपने शहर के नए रेट जानना महत्वपूर्ण है। राहत की बात यह है कि फिलहाल 14.2 किलो वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह पुराने रेट पर ही मिलेगा। दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 942 रुपए है, जबकि मुंबई में इसके लिए 941.50 रुपए चुकाने होंगे। कोलकाता में यह 968 रुपए और चेन्नई में 957.50 रुपए का मिल रहा है। पटना में इसकी कीमत 1,031.50 रुपए है, और लखनऊ तथा वाराणसी में 979.50 रुपए है। हालांकि, 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

ये सिलेंडर होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक कामों में इस्तेमाल होते हैं। दिल्ली में



कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2,820 रुपए हो गई है, मुंबई में इसका रेट 2,775 रुपए और कोलकाता में 2,971 रुपए है। पटना में यह 3,110.50 रुपए और बेंगलुरु में 2,774 रुपए का मिल रहा है।

कमर्शियल सिलेंडर महंगा होने से होटल और रेस्टोरेंट के खर्च पर भी असर पड़ सकता है, जिसका बोझ अंततः उपभोक्ताओं पर भी आ सकता है। तेल कंपनियां आमतौर पर हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा करती हैं और नए रेट जारी करती हैं। इन कीमतों पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति और दूसरे खर्चों का असर पड़ता है।

रिलायंस ब्रांड्स का राजस्व बढ़कर 3,390.9 करोड़, घाटा कम हुआ

नई दिल्ली ।

रिलायंस ब्रांड्स का वित्त वर्ष 2025-26 में राजस्व 3.77 प्रतिशत बढ़कर 3,390.89 करोड़ रुपये हो गया है और कंपनी का घाटा कम होकर 137.04 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी पंजीयक (आरओसी) के पास दाखिल दस्तावेजों से यह जानकारी मिली है। देश की प्रमुख खुदरा कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) की अनुषंगी कंपनी रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड (आरबीएल) रणनीतिक साझेदारी, ब्रांड स्वामित्व और खुदरा परिचालन के जरिये भारतीय बाजार में वैश्विक फैशन और जीवनशैली ब्रांडों का कारोबार करती है।

एक कारोबारी सूचना मंच से मिले वित्तीय आंकड़ों के अनुसार आरबीएल ने वित्त वर्ष 2024-25 में परिचालन से 3,267.66 करोड़ रुपये का राजस्व और 237.12 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। आरबीएल ने कहा कि विवेकाधीन उपभोग क्षेत्र में काम करते हुए कंपनी भारत में एक संपन्न ग्राहक वर्ग की जरूरतों को पूरा करती है, जिसमें अनुमानित 1.2 से 1.5 करोड़ उपभोक्ता शामिल हैं। कंपनी ने खुद को प्रमुख वैश्विक ब्रांडों के लिए पसंदीदा साझेदार के रूप में स्थापित किया है।

बजट से पहले एल्युमीनियम उद्योगों की कच्ची धातु के शुल्क-मुक्त आयात की मांग

विनिर्माताओं के संगठन एएलईएमएआई ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखा पत्र

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2027-28 के आम बजट से पहले एल्युमीनियम उत्पाद विनिर्माताओं ने घरेलू खपत को बढ़ावा देने और छोटे उद्यमों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार से कच्ची धातु के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देने का आग्रह किया है। विनिर्माताओं के संगठन एएलईएमएआई ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर प्राथमिक एल्युमीनियम पर मूल सीमा शुल्क को घटाकर शून्य करने की मांग की है। संगठन का तर्क है कि मौजूदा 7.5 प्रतिशत शुल्क, जो सामाजिक कल्याण अधिभार सहित प्रभावी रूप से 8.25 प्रतिशत हो जाता है, घरेलू मूल्य संवर्धन को नुकसान पहुंचा रहा है। एल्युमीनियम एक्सटूजन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलईएमएआई) ने पत्र में कहा कि हम सरकार से आगामी आम बजट में शुल्क शीर्षक 7601 के तहत प्राथमिक एल्युमीनियम पर मूल सीमा शुल्क को 7.5 प्रतिशत से घटाकर शून्य प्रतिशत करने का अनुरोध करते हैं। संगठन ने कहा कि इस कदम से देश के विनिर्माण तंत्र की प्रतिस्पर्धी क्षमता को मजबूत करने, घरेलू मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने, एमएसएमई को सहारा देने, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करने और पूरी अर्थव्यवस्था में एल्युमीनियम की खपत बढ़ाने में मदद मिल सकती है। पत्र में कहा गया कि भारत ने वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी प्राथमिक एल्युमीनियम उद्योग स्थापित किया है और इसमें घरेलू एल्युमीनियम खपत बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं।

देश के बढ़ते घरेलू यात्रा बाजार का लाभ उठाने एयरबीएनबी भारत में बढ़ाएगी मौजूदगी

नई दिल्ली ।

देश के बढ़ते घरेलू यात्रा बाजार का लाभ उठाने के लिए वैश्विक आतिथ्य मंच एयरबीएनबी पारंपरिक पर्यटन स्थलों से आगे बढ़कर भारत में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने पर विचार कर रही है। इसके तहत कंपनी होमस्टे खंड को मजबूत करने और अधिक स्थानीय उद्यमियों को अपने मंच से जोड़ने पर ज्यादा ध्यान दे रही है। एयरबीएनबी इंडिया के एक अ धिकारी ने एक साक्षात्कार में कहा कि कंपनी की भारत में वृद्धि रणनीति गुणवत्तापूर्ण आवास बढ़ाने, अधिक समुदायों को पर्यटन में भागीदार बनाने और ठहरने की सुविधा से आगे बढ़कर अनुभवों तथा सेवाओं के जरिये अपनी पेशकश में विविधता लाने पर केंद्रित होगी।

उन्होंने कहा कि हम पारंपरिक अवकाश बाजारों तथा महानगरों के साथ-साथ आध्यात्मिक गलियारों और प्रकृति से जुड़े स्थानों जैसे उभरते गंतव्यों में भी गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति का विस्तार जारी रखेंगे। हम चाहते हैं कि यात्रियों के पास अधिक विकल्प हों और स्थानीय समुदायों को पर्यटन से लाभ मिले।

उन्होंने बताया कि भारत वैश्विक स्तर पर एयरबीएनबी के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है, जिसमें घरेलू यात्रा वृद्धि का एक बड़ा आधार बनकर उभरी है।

वर्ष 2026 की पहली छमाही में भारतीय मेहमानों द्वारा की गई 85 प्रतिशत से अधिक बुकिंग घरेलू थीं, जबकि इस दौरान पहली बार बुकिंग करने वाले लगभग 70 प्रतिशत लोग जेन जी (युवा पीढ़ी) से थे। उन्होंने कहा कि हमारी मौजूदगी पूरे भारत में है और यात्रा का नक्शा लगातार बड़ा हो रहा है, क्योंकि यात्री प्रकृति, संस्कृति, विरासत और स्थानीय अनुभवों के लिए पारंपरिक पर्यटन केंद्रों से आगे बढ़कर विकल्प देख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पर्वतीय स्थलों के साथ ही कांगड़ा, पूर्वी खासी हिल्स और श्रीनगर जैसे स्थान लोगों का ध्यान खींच रहे हैं, जबकि वाराणसी और अमृतसर प्रमुख सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों के रूप में उभर रहे हैं।

भारत का तेल एवं गैस आयात बिल अक्टूबर में 60 प्रतिशत बढ़ा

अक्टूबर 2025 में आयात बिल 10 अरब डॉलर था



नई दिल्ली ।

पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत आने वाले पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों से मिली जानकारी के मुता बिक भारत का तेल एवं गैस आयात बिल अक्टूबर में 60 प्रतिशत बढ़कर 16 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। ब्रेंट कच्चे तेल की औसत कीमत सालाना आधार पर लगभग दोगुनी होकर 124.77 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने के चलते आयात बिल बढ़ा।

अक्टूबर 2025 में शुद्ध आयात बिल 10 अरब डॉलर था। हालांकि, मात्रा के हिसाब से कच्चे तेल का आयात केवल 11 प्रतिशत बढ़कर 2.33 करोड़ टन रहा। तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात पर 1.3 अरब डॉलर खर्च हुए, जबकि पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात से 6.3 अरब डॉलर की कमाई हुई।ब्रेंट कच्चे तेल की औसत कीमत सितंबर में 116.77 डॉलर और अक्टूबर 2025 में 64.75 डॉलर प्रति बैरल थी।

अक्टूबर में भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की औसत कीमत 119.91 डॉलर प्रति बैरल रही, जो एक साल पहले 65.08 डॉलर थी।

अप्रैल-अक्टूबर के दौरान शुद्ध आयात बिल बढ़कर 97.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 70.3 अरब डॉलर था। इस दौरान मात्रा के हिसाब से कच्चे तेल का आयात 2.7 प्रतिशत बढ़ा, लेकिन इस पर 111 अरब डॉलर खर्च हुए, जबकि एक साल पहले यह खर्च 72.3 अरब डॉलर था।

महिंद्रा एलएमएम की आईपीओ लाने की तैयारी-चेयरमैन

नई दिल्ली ।

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी लिमिटेड वृद्धि के अपने अगले चरण के वित्तपोषण के लिए करीब 18 महीने में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही है। इसके तहत कंपनी नए उत्पाद खंडों में विस्तार और उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना बना रही है, साथ ही वह विदेशी बाजारों में संभावित अवसरों की भी तलाश कर रही है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी का मूल्यांकन पहले ही करीब एक अरब अमेरिकी डॉलर है। इसमें दो निवेशक जुड़े हुए हैं और तीसरे निवेशक के जल्द ही शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने साफ किया कि 18 महीने की समयसीमा एक मोटा अनुमान है और कंपनी ने अभी सूचीबद्धता की कोई तारीख तय नहीं की है। उन्होंने कहा कि इससे मिलने वाली राशि का इस्तेमाल निश्चित रूप से आंशिक तौर पर मूल्य सृजन के लिए किया जाएगा, लेकिन मुख्य रूप से इसका उपयोग नए खंडों तथा नए उत्पादों में वृद्धि को गति देने और क्षमता विस्तार के लिए होगा।

अद्भुत है भगवान जगन्नाथ मंदिर की महिमा



पुरी का भगवान जगन्नाथ मंदिर अपनी भव्यता और आस्था के लिए विश्व प्रसिद्ध है, लेकिन इससे जुड़े कई रहस्य और परंपराएं भी हैं, जो आपको हैरान कर देंगी। इन्हीं में से एक है इस मंदिर का झंडा जो हवा की दिशा के विपरीत लहराता है। आम तौर पर झंडा हवा के साथ उड़ता है, लेकिन यहां ऐसा नहीं होता। यही बात इस मंदिर को रहस्यमयी और अद्भुत बनाती है.

आज तक कोई पता नहीं लगा पाया है कि मंदिर का झंडा हवा के विपरीत दिशा में क्यों लहराता है। स्थानीय लोग इसे भगवान जगन्नाथ की दैवीय शक्ति का संकेत मानते हैं। कहा जाता है कि मंदिर के ऊपर लहराता झंडा नकारात्मक ऊर्जाओं को खत्म करता है और पूरे वातावरण में सकारात्मकता फैलाता है। इस झंडे को हर दिन बदला जाता है, लेकिन यह काम कोई साधारण नहीं है, बल्कि भगवान के प्रति भक्ति और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। हर शाम लगभग सूर्यास्त के समय पुराना झंडा उतारकर नया त्रिकोणीय झंडा लगाया जाता है.

ऐसा भी मान्यता है कि अगर किसी दिन झंडा नहीं बदला गया, तो मंदिर 18 सालों तक बंद हो सकता है। इसलिए चाहे बारिश हो या तूफान, यह परंपरा एक दिन के लिए भी नहीं रुकती। झंडा बदलने का यह कार्य एक विशेष परिवार, जिसे चुनरा सेवक या चोला परिवार कहा जाता है, के हाथों से ही होता है। इस परिवार के लोग लगभग पिछले 800 सालों से यह पवित्र जिम्मेदारी निभा रहे हैं.

सबसे हैरानी की बात यह है कि वे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के 214 फुट ऊंचे मंदिर के शिखर पर चढ़ते हैं और वहां झंडा बदलते हैं। कहा जाता है कि आज तक इस परिवार के किसी भी सदस्य को इस काम के दौरान कोई चोट नहीं लगी। यह झंडा केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है।

मनी प्लांट में डालें ये 2 खास चीजें, घर में बरसेगी धन की वर्षा

मनी प्लांट को केवल सजावट का पौधा नहीं, बल्कि सौभाग्य और बरकत का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में यह मान्यता है कि इस पौधे की सही देखभाल और इसके साथ किए गए कुछ विशेष उपाय आपके रुके हुए धन को वापस ला सकते हैं। रसोई में रखी दो ऐसी सामान्य चीजें हैं, जिन्हें मनी प्लांट की मिट्टी में मिलाने से न केवल पौधे की ग्रोथ तेजी से होती है, बल्कि यह आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर बरकत लाने का काम भी करता है। तो आइए जानते हैं, इन दो शक्तिशाली उपायों के बारे में जो आपके भाग्य को बदल सकते हैं।



दूध

कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, मनी प्लांट की मिट्टी में दूध मिलाना बहुत शुभ होता है। माना जाता है कि यह उपाय करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में आर्थिक समृद्धि आती है। यह कर्ज से मुक्ति दिलाने में भी सहायक हो सकता है। दूध में कैल्शियम, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो पौधे को स्वस्थ और हरा-भरा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, हालांकि इसे बहुत सीमित मात्रा में और पतला करके ही इस्तेमाल करना चाहिए।

चीनी

मनी प्लांट की मिट्टी में चीनी डालने को भी धन और सौभाग्य से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और वित्तीय नुकसान दूर होते हैं। कुछ लोग इसे राहु दोष से मुक्ति पाने के लिए भी उपयोगी मानते हैं। चीनी पौधे के लिए एक तरह से कार्बोहाइड्रेट का स्रोत बन सकती है, जो मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को बढ़ावा दे सकती है।

मनी प्लांट पर लाल धागा बांधें

घर में स्थायी सुख और समृद्धि बनाए रखने के लिए मनी प्लांट की डालियों पर लाल धागा बांधना चाहिए। इससे पौधे की सकारात्मक ऊर्जा और बढ़ जाती है और घर में धन का स्थिर प्रवाह बना रहता है।



वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य यंत्र (जिसे सूर्य के देवता का प्रतीक माना जाता है) घर में लगाने के लिए विशेष दिशा और स्थान का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होता है, ताकि इसके प्रभाव से सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो और घर के सदस्य स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध रहें। सूर्य यंत्र को पूर्व दिशा (या उत्तर-पूर्व दिशा) में स्थापित करना सबसे अच्छा होता है। यह दिशा सूर्य के ऊर्जा के अनुरूप होती है और इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

वास्तु के अनुसार घर में लगाएं सूर्ययंत्र

सूर्य यंत्र को किस दिशा में लगाना चाहिए:

पूर्व दिशा:

सूर्य यंत्र को घर में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम माना जाता है। सूर्योदय की दिशा पूर्व होती है और सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में उजाला, सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य संबंधी लाभ होते हैं। यदि सूर्य यंत्र को पूर्व दीवार पर स्थापित किया जाए तो इसका प्रभाव अधिक लाभकारी होता है। इससे घर में शांति, समृद्धि और उन्नति का वातावरण बनता है।

उत्तर-पूर्व दिशा:

उत्तर-पूर्व को ईशान कोण भी कहा जाता है, जो घर में ऊर्जा का प्रमुख केंद्र होता है। सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में सकारात्मकता बढ़ती है और जीवन में खुशियां आती हैं। यह दिशा धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी अनुकूल मानी जाती है।

दक्षिण दिशा से बचें:

सूर्य यंत्र को दक्षिण दिशा में लगाने से बचना चाहिए। दक्षिण दिशा में सूर्य का प्रभाव अत्यधिक हो सकता है और यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकता है, जिससे परिवार में संघर्ष और तनाव बढ़ सकता है।

पश्चिम दिशा:

पश्चिम दिशा में सूर्य यंत्र लगाना भी ठीक नहीं माना जाता क्योंकि यह दिशा सूर्य के प्रभाव का उल्टा असर कर सकती है, जिससे घर में समस्या और उलझनें बढ़ सकती हैं।

सूर्य यंत्र की स्थापना के दौरान कुछ खास बातें:

सूर्य यंत्र को स्वच्छ स्थान पर रखें: यंत्र को किसी स्वच्छ और धूल-मिट्टी से मुक्त स्थान पर लगाना चाहिए, ताकि यह पूर्ण रूप से अपनी ऊर्जा दे सके।

सूर्य यंत्र का नियमित पूजन करें: सूर्य यंत्र को स्थापित करने के बाद नियमित रूप से पूजा करें। इससे सूर्य की कृपा घर पर बनी रहती है।

सूर्य यंत्र के पास दीपक रखें: सूर्य यंत्र के पास घी का दीपक रखना अच्छा होता है क्योंकि यह सूर्य के प्रभाव को और अधिक मजबूत करता है और घर में शांति और समृद्धि लाता है।

सूर्य यंत्र का आकार और रूप: यंत्र का आकार और रूप सही होना चाहिए। उचित और प्रमाणिक सूर्य यंत्र का प्रयोग ही असरदार होता है।



वास्तु दोष से मुक्त सुन्दर व अच्छा घर बनाना या उसमें रहना हर व्यक्ति की इच्छा होती है पर थोड़ा सा भी वास्तु दोष आपको काफी कष्ट दे सकता है लेकिन वास्तु दोष निवारण के महंगे उपायों को अपनाने से पहले विघ्नहर्ता गजानन के आगे मस्तक जरूर टेक लें क्योंकि आपके कई वास्तु दोषों का ईलाज गणपति पूजा से ही हो जाता है।

वास्तुदोष दूर करने करें गणपति पूजा

वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्मजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। यह मानव कल्याण के लिए बनाया गया था, इसलिए इनकी अनदेखी करने पर घर के सदस्यों को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि भी उठानी पड़ती है।

अत: वास्तु देवता की संतुष्टि के लिए भगवान गणेश जी को पूजना बेहतर लाभ देगा। इनकी आराधना के बिना वास्तुदेवता को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। बिना तोड़-फोड़ अगर वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं तो इन्हें आजमाएं।

गणपति जी का वंदन कर वास्तुदोषों को शांत किए जाने में किसी प्रकार का संदेह नहीं होता है। मान्यता यह है कि नियमित गणेश जी की आराधना से वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बहुत कम होती है। इससे घर में खुशहाली आती है और तरक्की होती है।

मुख्य द्वार पर लगाये प्रतिमा

यदि घर के मुख्य द्वार पर एकदंत की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर गणेश जी की प्रतिमा इस प्रकार लगाए कि दोनों गणेशजी की पीठ मिली रहे। इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है। भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो उस स्थान पर घी मिश्रित सिंदूर से स्वास्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।

घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुण्ड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं। किंतु प्रतिमा लगाते समय यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुंह दक्षिण दिशा या नैर्ऋत्य कोण में नहीं हो। इसका विपरीत प्रभाव होता है।

घर में बैठे हुए गणेश जी तथा कार्यस्थल पर खड़े गणपति जी का चित्र लगाना चाहिए, किंतु यह ध्यान रखें कि खड़े गणेश जी के दोनों पैर जमीन का स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आने की संभावना रहती है।

भवन के ब्रह्म स्थान अर्थात् केंद्र में, ईशान कोण एवं पूर्व दिशा में सुखकर्ता की मूर्ति अथवा चित्र लगाना शुभ रहता है। किंतु टॉयलेट अथवा ऐसे स्थान पर गणेशजी का चित्र नहीं लगाना चाहिए जहां लोगों को थूकने आदि से रोकना हो। यह गणेशजी के चित्र का अपमान होगा। सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए घर में सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए।

सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल नहीं

सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है। इससे शीघ्र फल की प्राप्ति होती है। विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएं हाथ की ओर सूंड घुमी हुई हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दाएं हाथ की ओर घुमी हुई सूंड वाले गणेश जी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है। शास्त्रों में कहा गाया है कि दाएं सूंड वाले गणपति देर से भक्तों पर प्रसन्न होते हैं।मंगल मूर्ति भगवान को मोदक एवं उनका वाहन मूषक अतिप्रिय है। अत: घर में चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। इससे घर में बरकत होती है। इस तरह आप भी बिना तोड़-फोड़ के गणपति पूजन के द्वारा से घर के वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं।



पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ

सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ माना जाता है जबकि अगरबत्ती नहीं। अगरबत्ती में बांस जलता है जो अशुभ है और स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता है। धूपबत्ती ग्रह शांति और सकारात्मक ऊर्जा देती है। आइए जानें हर नियम ताकि पूजा का पूरा फल मिले।

हिंदू शास्त्रों में अगरबत्ती का कोई उल्लेख नहीं है और इसमें बांस जलता है, जो अंतिम संस्कार से जुड़ा है। बांस जलाने से पितृ दोष, वंश वृद्धि में रुकावट और दुर्भाग्य आता है। वैज्ञानिक रूप से बांस का धुआं सांस की बीमारी पैदा करता है। ऐसे में पूजा में अगरबत्ती ना जलाएं।

ज्योतिष में बांस जलाने से पितृ दोष उत्पन्न होता है और पूर्वजों की आत्मा अशांत रहती है। शव यात्रा व कपाल क्रिया में बांस का उपयोग होता है, इसलिए पूजा में इसे जलाना वर्जित है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और संतान सुख प्रभावित होता है।

धूपबत्ती चंदन, लकड़ी छाल और जड़ी-बूटियों से बनती है, जो ग्रहों को शांत करती है। रोज धूप जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, वास्तु दोष दूर होता है और देव कृपा मिलती है। धूप की सुगंध मन शांत करती है और पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है।

धूपबत्ती में उपयोगी सामग्री अलग-अलग ग्रहों से जुड़ी होती है। चंदन शुक्र ग्रह को, गूगल राहु ग्रह को और लोबान सूर्य को शांत करता है। धूप जलाने से कुंडली के दोष कम होते हैं और जीवन में स्थिरता आती है। शाम को धूप जरूर जलाएं।

धूपबत्ती का धुआं कीटाणुनाशक है और घर की हवा शुद्ध करता है, जबकि अगरबत्ती का धुआं हानिकारक है।



पाकिस्तान के खिलाफ कप्तान तिलक वर्मा की फिफ्टी:अभिषेक शर्मा ने 70 रन बनाए, राइजिंग एशिया कप में PAK ने दिया 314 का टारगेट

अफगान स्पिनर नूर बोले- धोनी महान प्लेयर उन्हें सभी मिस करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी भले ही अब आईपीएल में बतौर खिलाड़ी नजर नहीं आएंगे, लेकिन टीम के साथ मेंटर के रूप में उनकी मौजूदगी सीएसके के लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। यह मानना है अफगानिस्तान के युवा स्पिनर नूर अहमद का। उन्होंने कहा कि धोनी की विकेट के पीछे शानदार विकेटकीपिंग और मैच फिनिश करने की क्षमता को टीम जरूर मिस करेगी, लेकिन उनका अनुभव और मार्गदर्शन खिलाड़ियों के लिए बेहद मददगार होगा। आईपीएल रिटेंशन की समयसीमा से पहले धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स का मेंटर नियुक्त किया गया। इसके साथ ही आईपीएल में बतौर खिलाड़ी उनके शानदार सफर का अंत हो गया।



धोनी की स्टंपिंग और फिनिशिंग को करेंगे मिस

दुबई में जारी डीपी वर्ल्ड इंटरनेशनल लीग टी20 में दुबई कैपिटल्स की ओर से खेल रहे नूर अहमद ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'हर कोई उन्हें मिस करेगा, लेकिन उनकी नई भूमिका टीम की काफी मदद करने वाली है। मैं खुश हूं कि वह अब भी टीम के साथ जुड़े हुए हैं।' धोनी की किन खूबियों की कमी सबसे ज्यादा खलेगी, इस सवाल पर नूर ने कहा कि उनकी स्टंपिंग और मैच को शानदार तरीके से फिनिश करने की क्षमता को सबसे ज्यादा याद किया जाएगा।

21 वर्षीय नूर अहमद का मानना है कि दुनिया भर की टी20 लीग में खेलने से युवा खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने का मौका मिलता है। अलग-अलग टीमों के अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने से उनके खेल में निखार आता है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों में खेलने से खिलाड़ियों को वहां की परिस्थितियों, मैदानों और मैच के दौरान पैदा होने वाली चुनौतियों को समझने का अनुभव मिलता है। इससे खिलाड़ियों की परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता बेहतर होती है।

परिस्थितियों के अनुसार ढलने वाली टीम को मिलेगा फायदा

नूर अहमद ने कहा कि इंटरनेशनल लीग टी20 में वही टीमें बेहतर प्रदर्शन करेंगी, जो जल्द से जल्द वहां की परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढाल लेंगी। कई खिलाड़ी लगातार क्रिकेट खेलने के बाद इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे हैं, ऐसे में खिलाड़ियों की फिटनेस और परिस्थितियों के अनुसार खेलने की क्षमता अहम होगी।

आधुनिक क्रिकेट में बड़े शॉट खेलने वाले बल्लेबाजों के बढ़ते प्रभाव और स्पिनरों के सामने आने वाली चुनौतियों पर नूर ने कहा कि गेंद को हवा में डालना भी स्पिन गेंदबाजों के लिए एक महत्वपूर्ण कला है। इससे गेंद की गति कम करने और बल्लेबाज को चकमा देने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में पिचें काफी सपाट होती हैं। ऐसे में स्पिनरों को टिके रहने और प्रभावी बने रहने के लिए हर तरह की विविधता का इस्तेमाल करना पड़ता है।

न्यूजीलैंड पर हार का खतरा मंडराया, भारत से 233 रन पीछे

वेलिंगटन, एजेंसी। भारतीय टीम ने वेलिंगटन टेस्ट के चौथे दिन पूरी तरह अपना दबदबा बनाए रखा। ऋषभ पंत के तूफानी शतक और ध्रुव जुरेल की शानदार अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन बनाकर घोषित की। इस तरह टीम इंडिया को पहली पारी के आधार पर 352 रन की विशाल बढ़त मिली। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में भी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को खाता खोले बिना पवेलियन भेज दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। मेजबान टीम अभी भी भारत से 233 रन पीछे है और उसके सामने टेस्ट मैच बचाने की बड़ी चुनौती है।

पंत ने शतक से बदला मैच का रुख, भारत ने तेजी से बनाए रन

चौथे दिन भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 486 रन से आगे खेलना शुरू किया। क्रीज पर ऋषभ पंत 55 रन बनाकर मौजूद थे, जबकि अंशुल कंबोज को अपना खाता खोलना बाकी था। भारत की नजर बड़ी बढ़त हासिल करने पर थी। पंत ने दिन की शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने अंशुल कंबोज के साथ मिलकर तेजी से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी हुई। अंशुल कंबोज ने 42 गेंदों में 38 रन बनाए। उन्हें ग्लेन फिलिप्स ने डेवोन कॉनवे के हाथों कैच कराया।

इसके बाद पंत को ध्रुव जुरेल का साथ मिला। दोनों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। पंत ने ग्लेन फिलिप्स की गेंद पर चौका और अगली ही गेंद पर छक्का लगाकर अपने टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया। उनके शतक पूरा करते ही भारतीय ड्रेसिंग रूम में जश्न का माहौल बन गया। पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।



भारत ने बनाए कई बड़े रिकॉर्ड

भारतीय टीम की 720 रन की पारी सिर्फ बड़ी बढ़त के लिहाज से ही खास नहीं रही, बल्कि इस दौरान कई रिकॉर्ड भी बने। भारत का यह विदेशी धरती पर टेस्ट क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इसके अलावा स्वच्छ देशों यानी दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीय टीम ने अपना सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर बनाया।

इस पारी की एक अऔर बड़ी उपलब्धि शुरुआती सात विकेट के लिए लगातार 50 या उससे ज्यादा रन की साझेदारियां होना रही। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल ने 85, केएल राहुल ने 136, देवदत्त पडिक्कल ने 80, शुभमन गिल ने 98 और ऋषभ पंत ने 128 रन बनाए। ध्रुव जुरेल ने 78 रन की पारी खेली। अंशुल कंबोज ने 38, वॉशिंगटन सुंदर ने 24 और आकाश दीप ने 13 रन का योगदान दिया।

न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने तीन विकेट लिए। रचिन रवींद्र को दो विकेट मिले, जबकि मैट हेनरी, काइल जेमीसन, जैकब डफी और नाथन स्मिथ ने एक-एक विकेट हासिल किया।

बुमराह ने फिर पहले ओवर में लाथम को किया आउट

352 रन की बड़ी बढ़त मिलने के बाद भारतीय गेंदबाजों के सामने न्यूजीलैंड को दूसरी पारी में जल्द समेटने की चुनौती थी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने जसप्रीत बुमराह को गेंद थमाई और उन्होंने एक बार फिर कप्तान टॉम लाथम को अपना शिकार बनाया। बुमराह ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी के शुरुआती ओवर में ही लाथम को ऋषभ पंत के हाथों कैच करा दिया। लाथम दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। खास बात यह रही कि न्यूजीलैंड की पहली पारी में भी बुमराह ने लाथम को पारी के शुरुआती ओवर में ही आउट किया था।इसके बाद डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की। हालांकि, प्रसिद्ध कृष्णा ने निकोल्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। पहली पारी में 175 रन बनाने वाले निकोल्स दूसरी पारी में 59 गेंदों पर 31 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने तीन चौके लगाए। प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद उनके बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर जांघ से टकराई और शॉर्ट लेग पर खड़े ध्रुव जुरेल ने शानदार कैच लपक लिया।

जुरेल ने भी खेली शानदार पारी, 720 रन पर घोषित की पारी

ऋषभ पंत के आउट होने के बाद ध्रुव जुरेल ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने एक छोर पर टिककर बल्लेबाजी की और अपना तीसरा टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। जुरेल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ भी उपयोगी साझेदारी की। वॉशिंगटन सुंदर ने 24 रन बनाए। उन्हें रचिन रवींद्र ने अपनी ही गेंद पर कैच किया। इसके बाद आकाश दीप ने भी तेज अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने पांच गेंदों में दो छक्कों की मदद से 13 रन बनाए, लेकिन ग्लेन फिलिप्स ने उन्हें टॉम लाथम के हाथों कैच करा दिया। दूसरी ओर जुरेल ने अपनी पारी जारी रखी। उन्होंने 79 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 78 रन बनाए। 720 के स्कोर पर जुरेल का विकेट गिरते ही कप्तान शुभमन गिल ने भारतीय पारी घोषित कर दी। जसप्रीत बुमराह सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने नौ विकेट पर 720 रन बनाए और पहली पारी में 352 रन की बढ़त हासिल की।

कॉनवे का अर्धशतक, रचिन के साथ संभाली पारी

दो विकेट गिरने के बाद डेवोन कॉनवे और रचिन रवींद्र ने न्यूजीलैंड की पारी को संभाला। कॉनवे ने संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने टेस्ट करियर का 14वां अर्धशतक लगाया। दिन का खेल समाप्त होने तक कॉनवे 59 रन और रचिन रवींद्र 27 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 59 रन की अटूट साझेदारी हो चुकी है। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 45 ओवर में दो विकेट पर 119 रन बना लिए थे। टीम अभी भी भारत की पहली पारी के स्कोर से 233 रन पीछे है।

पांचवें दिन भारत के सामने पारी से जीत दर्ज करने का मौका

वेलिंगटन टेस्ट का पांचवां दिन बेहद रोमांचक होने वाला है। भारतीय टीम को पारी से जीत दर्ज करने के लिए न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल करने होंगे। वहीं मेजबान टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती पूरे दिन बल्लेबाजी करके मैच बचाने की होगी।

भारत के पास 352 रन की विशाल पहली पारी की बढ़त है। ऐसे में अगर भारतीय गेंदबाज शुरुआती सत्र में विकेट निकालने में कामयाब रहते हैं तो न्यूजीलैंड पर दबाव और बढ़ सकता है। फिलहाल कॉनवे और रचिन की साझेदारी मेजबान टीम की उम्मीदों को जिंदा रखे हुए है। अब देखना दिलचस्प होगा कि पांचवें दिन भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड की दूसरी पारी को कितनी जल्दी समेट पाते हैं या फिर कीवी बल्लेबाज संघर्ष करते हुए टेस्ट मैच बचाने में सफल होते हैं।

आलोचकों को दिया करारा जवाब

पंत बोले- अब छक्कों का जुनून नहीं, निरंतरता है प्राथमिकता

वेलिंगटन। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि अब उनके करियर का लक्ष्य सिर्फ छक्के लगाना या रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि अपने खेल में निरंतरता बनाए रखना और मैदान पर उतरते ही टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन करना है। पंत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शानदार शतक लगाकर अपनी फिटनेस और फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों का करारा जवाब दिया। पंत ने रविवार को 153 गेंदों पर 128 रन की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने यह भी उपलब्धि हासिल की कि वह स्वच्छ देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) के चारों देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर बन गए हैं। इसके अलावा वह चारों स्वच्छ देशों में टेस्ट शतक लगाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज भी हैं।

अब रिकॉर्ड नहीं, निरंतरता पर है ध्यान

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंचने के सवाल पर पंत ने कहा कि बचपन में उन्हें खूब छक्के लगाने और बड़े रिकॉर्ड बनाने का शौक था, लेकिन अब उनकी सोच बदल गई है।

उन्होंने कहा, 'बचपन में निश्चित रूप से मेरे कुछ लक्ष्य हुआ करते थे, जिनमें खूब छक्के लगाना भी शामिल था। लेकिन अब अपने करियर के इस पड़ाव पर मैं इन चीजों के बारे में नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपने खेल में निरंतरता लाना चाहता हूं और जहां भी खेलूं, वहां अपना प्रभाव छोड़ना चाहता हूं।'

टेस्ट क्रिकेट में धैर्य और मेहनत जरूरी

भारतीय टीम ने पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। पंत ने कहा कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में हर दिन आसान परिस्थितियां नहीं मिलतीं। ऐसे में खिलाड़ियों को धैर्य के साथ लंबे समय तक मैदान पर टिके रहने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टीम के खिलाड़ी आपस में बातचीत करते हुए छोटे-छोटे पलों का आनंद लेते हैं और हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं। पंत ने भरोसा जताया कि भारतीय टीम पांचवें दिन न्यूजीलैंड के बाकी आठ विकेट हासिल कर सकती है।



न्यूजीलैंड में पहला टेस्ट शतक लगाना था खास

पंत ने न्यूजीलैंड की धरती पर अपना पहला टेस्ट शतक लगाने को खास उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से यहां शतक लगाने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित रूप से एक अच्छी पारी थी। न्यूजीलैंड एक ऐसी जगह थी, जहां मैं शतक लगाना चाहता था। विकेट पर बल्लेबाजी आसान नहीं थी और सभी बल्लेबाज अच्छा खेल रहे थे। ऐसे में मेरा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा समय तक क्रीज पर टिके रहना और टीम के लिए योगदान देना था।'

छक्के से शतक पूरा करने का रहा है शौक

ऋषभ पंत ने बताया कि वह आमतौर पर छक्का लगाकर शतक पूरा करना पसंद करते हैं, लेकिन इस कोशिश में उन्होंने कई बार अपने शतक भी गंवाए हैं। इस बार उन्होंने धैर्य बनाए रखा और सही मौके का इंतजार किया। पंत ने कहा, 'जब भी मैं शतक के करीब होता हूं, तो कोशिश रहती है कि उसे छक्के से पूरा करूं। हालांकि, इस चक्कर में मैंने कई बार शतक गंवाए भी हैं। इस बार मैं धैर्य रख रहा था। लेकिन जब मिड ऑफ का फील्डर ऊपर आया, तो मुझे लगा कि यह सही मौका है और मैं छक्का लगा सकता हूं।' न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पंत की फिटनेस को लेकर सवाल उठ रहे थे। साइड स्ट्रेन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाने के कारण वह न्यूजीलैंड में खेले गए भारत ए के मुकाबलों में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। ऐसे में पहले टेस्ट में उनकी 128 रन की पारी भारतीय टीम के लिए बड़ी राहत और पंत के आत्मविश्वास के लिहाज से अहम साबित हुई।

ओलंपिक मेजबानी की प्रक्रिया का हिस्सा होंगी उषा

नई दिल्ली। भारत की ओर से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी पर दावा जताने के लिए अहम कड़ी आईओसी के फ्यूचर होस्ट कमीशन के समक्ष प्रस्तुतिकरण 26 नवंबर को होने जा रहा है। इस प्रस्तुतिकरण का हिस्सा आईओए अध्यक्ष पीटी उषा भी होंगी। खेल मंत्री मनसुख मांडविया की अगुवाई में होने जा रहे इस प्रस्तुतिकरण में सिर्फ उषा ही नहीं बल्कि आईओसी सदस्य नीता अंबानी, एथलीट कमीशन की चेयरपरसन पीवी सिंधु, खेल सचिव हरिरंजन राव, आईओए सीईओ रघु अय्यर, गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी, गुजरात के प्रमुख सचिव डॉ. राहुल गुप्ता, गुजरात के शहरी विकास सचिव एम थेन्नारासन हिस्सा होंगे।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच आखिरी मुकाबला ड्रॉ टीम इंडिया ने 1-0 से जीती तीन मैचों की सीरीज

ऑकलैंड। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की 'इंडिया-न्यूजीलैंड सेंचुरी ऑफ स्पोर्टिंग यूनिटी' सीरीज 1-0 से जीत ली। रविवार को खेले गए तीसरे और आखिरी मुकाबले में भारत ने मेजबान न्यूजीलैंड के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। इसके साथ ही भारतीय टीम पूरी सीरीज में अजेय रही। भारत ने सीरीज के पहले मुकाबले में 19 नवंबर को न्यूजीलैंड को 3-2 से हराकर जीत के साथ शुरुआत की थी। इसके बाद दूसरे और तीसरे मैच में दोनों टीमों के बीच मुकाबला 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ।

पहले हाफ में भारत ने बनाई बढ़त

मेजबान न्यूजीलैंड ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। टीम को नौवें मिनट में डायलन थॉमस ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, भारत ने जल्द ही वापसी की। कप्तान संजय ने 16वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके दो मिनट बाद ही कार्थी सेल्वम ने 18वें मिनट में शानदार फील्ड गोल दागकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। भारतीय टीम ने इसके बाद अपनी बढ़त कायम रखी और मुकाबले के अंतिम चरण तक बढ़त बनाए रखी।



55वें मिनट में न्यूजीलैंड ने की बराबरी-मैच के 55वें मिनट में न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए स्कोर 2-2 कर दिया। बेनजी कल्हेन ने फील्ड गोल कर मेजबान टीम को बराबरी पर ला दिया। आखिरी मिनटों में दोनों टीमों ने निर्णायक गोल करने की कोशिश की, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली और मुकाबला 2-2 से ड्रॉ समाप्त हुआ।

सैंडपेपर पर नहीं थम रहा विवाद

बॉयकॉट बोले- पूरी टीम ने मिलकर की थी बेईमानी

नई दिल्ली। क्रिकेट जगत में 2018 के चर्चित बॉल टेंपरिंग विवाद यानी 'सैंडपेपरगेट' को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज सर ज्योफ्री बॉयकॉट ने इस मामले को क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया है। उनका मानना है कि ऑस्ट्रेलिया का यह विवाद दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान हैंसी क्रोन्ये से जुड़े मैच फिक्सिंग प्रकरण से भी ज्यादा गंभीर था। बॉयकॉट ने आरोप लगाया कि इस साजिश में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि कोचिंग स्टाफ भी शामिल था।

ख्वाजा के दावों को कमिंस ने नकारा

दरअसल, आठ साल पहले 2018 में ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर केपटाउन टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। इस विवाद ने पूरी दुनिया में क्रिकेट को शर्मसार कर दिया था। अब ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा 'सब्र' में किए गए खुलासों के बाद यह मामला फिर चर्चा में है। ख्वाजा ने अपनी किताब में दावा किया है कि गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की योजना के बारे में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को जानकारी थी। पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने भी इस दावे का समर्थन किया है।



विवाद उस समय और गहरा गया, जब ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने करीब 70 मिनट तक मीडिया के सवालों का जवाब दिया और अपने इस रुख पर कायम रहे कि उन्हें गेंद से छेड़छाड़ की योजना की कोई जानकारी नहीं थी। वहीं, इस मामले में सजा पाने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने भी 'द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन' में एक लेख लिखकर ख्वाजा के दावे का समर्थन किया।ज्योफ्री बॉयकॉट ने 'द टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा कि सैंडपेपरगेट विवाद 25 साल से भी पहले दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को हिला देने वाले हैंसी क्रोन्ये के मैच फिक्सिंग मामले से कहीं बड़ा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में उन्होंने इससे बड़ा घोटाला न तो पढ़ा है और न ही देखा है। बॉयकॉट के मुताबिक, क्रोन्ये के मामले में मुख्य रूप से कुछ युवा खिलाड़ियों हर्शल गिब्स और हेनरी विलियम्स को अपनी साजिश में शामिल किया गया था। टीम के बाकी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को इसकी जानकारी नहीं थी। इसके उलट, सैंडपेपरगेट में पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम और कोचिंग स्टाफ की भूमिका होने का दावा किया गया है।उन्होंने लिखा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ी और कोच इस योजना में पूरी तरह शामिल थे। इसके बाद मामले को छिपाने की कोशिश की गई और तीन खिलाड़ियों को ही इसका जिम्मेदार ठहराकर बाकी लोगों को बचा लिया गया। बॉयकॉट ने इसे हैरान करने वाला और अविश्वसनीय बताया। बॉयकॉट ने इस विवाद में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर को मिली सजा को भी कम बताया। उनका मानना है कि दोनों खिलाड़ियों पर पांच साल का प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि यह कोई अचानक हुई घटना नहीं थी, बल्कि दो टेस्ट मैचों में जीत हासिल करने के लिए सुनियोजित तरीके से गेंद से छेड़छाड़ की कोशिश की गई थी।



टाइप कास्टिंग तोड़ना हम एक्टर्स के हाथ नहीं

हिंदी सिनेमा में निरूपा राय, रीमा लागू, फरीदा जलाल जैसी अदाकाराओं ने मां की भूमिका को पर्दे पर अमर बनाया है। इसी कड़ी में अब ऐक्ट्रेस आयशा रजा मिश्रा भी बॉलिवुड की चहेती मां बन चुकी हैं। वीरे दी वेडिंग, तू झूठी मैं मक्कार, गुंजन सक्सेना : द कारगिल गर्ल, सोनू की टीटू की स्वीटी जैसी कई चर्चित फिल्मों में मां की यादगार भूमिका निभाने वाली आयशा रजा इन दिनों अपनी फैमिली फिल्म मीठे में क्या है में भी मम्मी अमृता के किरदार के लिए चर्चा में हैं। हालांकि, प्रतिभावान ऐक्ट्रेस होने के बावजूद लगातार मां के रूप में टाइपकास्ट होने पर वह कहती हैं, 'ये टाइप कास्टिंग तोड़ना हम ऐक्टर्स के हाथ में नहीं है। इसके लिए किसी डायरेक्टर को आप पर भरोसा जताकर वो अलग किरदार देना पड़ेगा।'

काम को लेकर नाशुक्रा नहीं होना चाहिए

बकौल आयशा रजा मिश्रा, 'मैं अक्सर मनोज भाई (मनोज पाहवा) का उदाहरण देती हूं, क्योंकि उनको भी बहुत समय तक पंजाबी, कॉमिडी अंकल वाले रोल में टाइपकास्ट किया गया। हम साथ में कई फिल्में करते हैं तो हम यही रोते रहते हैं कि मैं पंजाबी मम्मी, वो पंजाबी पापा। हम आपस में यह बहुत डिस्कस करते हैं। फिर अनुभव सिन्हा जैसे डायरेक्टर फिल्म मुल्क में मनोज पाहवा को ऐसे रोल में लेते हैं कि सारे प्रड्यूसर कहते हैं कि वह बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं। ऑडियंस उन्हें इस रोल में एक्सेप्ट ही नहीं करेगी, क्योंकि लोगों की नजर में वह कमीडियन हैं, मगर अनुभव सिन्हा ने कहा कि मैं जानता हूं कि मनोज कितना कमाल का अभिनेता है और मेरे लिए वह क्या कर सकता है। वही हुआ, लेकिन आपको वह एक डायरेक्टर चाहिए जिसमें वो विजन हो और जो आप पर वह भरोसा जताए।'

स्टेज पर भड़ास निकालेंगे

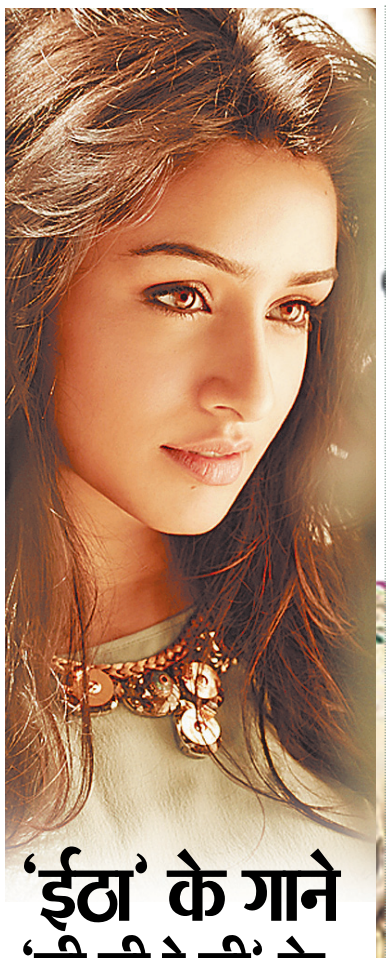
उन्होंने आगे कहा, 'इसके बावजूद, मैंने अपने पति (ऐक्टर कुमुद मिश्रा) से सीखा है कि आपको कभी भी नाशुक्रा नहीं होना चाहिए। हम कम से कम काम कर रहे हैं, जबकि हमसे कहीं ज्यादा टैलंटेड ऐक्टर्स सिर्फ एक मौके का इंतजार कर रहे हैं। हमें कम से कम इतने मौके मिल रहे है तो उसे सर्वश्रेष्ठ ढंग से निभाइए। उसे एंजॉय कीजिए और उसी में कुछ नया करने की कोशिश कीजिए। बाकी तकदीर अच्छी रही तो अलग रोल भी मिलेंगे और अगर नहीं मिले तो हमारे पास स्टेज है। हम वहां अपनी भड़ास निकालेंगे। मगर हम उस स्थिति में हैं कि हमें काम मिल रहा है, वो भी एक आशीर्वाद है। आप किलसकर, दुखी होकर काम नहीं कर पाएंगे।'

घर की मजबूत औरतों का रहा प्रभाव

आयशा रजा जोहरा सहगल और उजरा बट जैसी दिग्गज अदाकाराओं की नवासी हैं। इन सशक्त महिलाओं का उन पर कितना प्रभाव रहा? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'बहुत प्रभाव पड़ा। मेरी नानी और दादी दोनों कामकाजी थीं। मेरी दादी बीबीसी उर्दू सर्विस की दुनिया की पहली महिला न्यूज रीडर थीं। मेरी नानी हाजरा बेगम एक स्वतंत्रता सेनानी थीं। प्रगतिशील लेखक संघ की सदस्या थीं। मेरे घर में कृशन चंदर, कैफी आजमी अक्सर आया करते थे तो मैं वो देखकर बड़ी हुई हूं। मेरी नानी की दो बहनें थीं, जोहरा सहगल और उजरा बट, जो पर्दा करने वाले परिवारों से थीं।'

रूढ़िवादी परिवार से निकलकर रास्ता बनाया

उन्होंने कहा, 'उस रूढ़िवादी परिवार से निकलकर उन्होंने कहा कि हमें डांसर बनना है। हमें ऐक्टिंग करनी है। हम थिएटर करना चाहते हैं। फिर जोहरा ने अपने पिता से कहा कि मुझे एक हिंदू लड़के से शादी करनी है जो मुझसे 8 साल छोटा है। सन 1930 में इस बात के लिए राजी होना बड़ी बात थी। फिर मेरी मां ने अपनी मौसी लोगों को देखकर थिएटर किया, ऐक्टर बनी, तो मेरे लिए तो सारे रास्ते पहले से खुले हुए थे। सच कहूं तो मुझे लगता है कि मैं इतना कुछ नहीं कर पाई हूं क्योंकि उन लोगों ने मेरे लिए सारे दरवाजे रख दिए थे तो मेरे लिए ज्यादा मसला है कि मैं अपने लिए नई चुनौतियां ढूंढूं। अपने को एक्सप्लोर कर पाऊं, तो उनकी ये विरासत मेरे लिए बहुत अहम हैं।'



'ईठा' के गाने 'जी जी रे जी' के लिए श्रद्धा कपूर ने पारंपरिक डांस फॉर्म लावणी सीखा

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी आने वाली फिल्म 'ईठा' के गाने 'जी जी रे जी' में लावणी करती नजर आएंगी। इस गाने के लिए उन्होंने महाराष्ट्र के पारंपरिक डांस फॉर्म लावणी को सीखा और उसकी बारीकियों को समझने की कोशिश की। श्रद्धा ने इसे अपने लिए बेहद रोमांचक अनुभव बताया। उनका कहना है कि लावणी की लय, हाव-भाव और ऊर्जा ऐसी है, जो सीधे दर्शकों से जुड़ती है, हालांकि इस गाने के जरिए एक दिग्गज कलाकार की दुनिया में कदम रखना उनके लिए जितना खास था, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी रहा। श्रद्धा कपूर ने गाने को लेकर कहा, ''ईठा के किरदार में 'जी जी रे जी' पर परफॉर्म करना मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। लावणी में कुछ ऐसा है, जो आपको तुरंत अपनी ओर खींच लेता है। इसकी लय, हाव-भाव, ऊर्जा और दर्शकों से जुड़ने का अंदाज बहुत खास है। मुझे इस गाने के जरिए एक महान कलाकार की दुनिया में कदम रखना बहुत अच्छा लगा, लेकिन इसे लेकर मन में डर भी था।'' उन्होंने कहा, ''इस गाने के पीछे एक बहुत खास कहानी है, जो उस महान कलाकार की जिंदगी में एक बड़ा मोड़ लेकर आती है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस गाने के जरिए उस कहानी को पर्दे पर उतारने के लिए की गई हमारी मेहनत को महसूस कर पाएंगे।''

फिल्म के म्यूजिक को तैयार करने वाले मशहूर संगीतकार जोड़ी अजय-अतुल ने बताया कि 'ईठा' जैसी फिल्म में संगीत सिर्फ बैकग्राउंड तक सीमित नहीं रह सकता। उसे किरदारों, कहानी की दुनिया और भावनाओं का हिस्सा बनना जरूरी है। 'जी जी रे जी' फिल्म 'ईठा' का पहला गाना है, जिसके जरिए दर्शकों को फिल्म की रंगीन और संगीतमय दुनिया की पहली झलक देखने को मिलेगी। इस गाने को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार जोड़ी अजय-अतुल ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है।



मुरैमामन विवाद पर कीर्ति सुरेश ने दी सफाई

अभिनेत्री कीर्ति सुरेश आगामी तमिल कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'सत्यवान सावित्री' में युवा वकील की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने सीरीज 'अक्का' के प्रमोशन के दौरान राधिका आप्टे द्वारा दक्षिण भारत में प्रचलित मुरैमामन प्रथा को लेकर दिए गए बयान पर सफाई दी। दरअसल, नेटफ्लिक्स सीरीज 'अक्का' के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री राधिका आप्टे ने कीर्ति सुरेश के साथ एक इंटरव्यू में एक तेलुगु फिल्म का अनुभव शेयर किया था, जिसमें उन्होंने फिल्म के अनुभव को अपने करियर का सबसे मुश्किल किरदार बताया, जिसमें उनके किरदार को अपने मामा से शादी करनी थी। उन्होंने कहा कि उन्हें उस अनुभव की हर बात नापसंद थी और एक पितृसत्तात्मक माहौल में अपने से काफी बड़े अभिनेता के साथ रोमांस करना उनके लिए सबसे कठिन रहा। प्री-रिलीज इवेंट में कीर्ति सुरेश से पूछा गया था कि वो खुद को किस फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा मानती हैं क्योंकि उन्होंने तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में काम किया है। एक्ट्रेस ने जैसे ही साफ किया कि वो खुद को एक साउथ एक्ट्रेस मानती हैं, कीर्ति सुरेश का ध्यान हाल ही में एक्ट्रेस राधिका आप्टे के साथ दिए गए उनके एक जॉइंट इंटरव्यू की तरफ दिलाया गया, जिसमें राधिका के एक सवाल के जवाब में दक्षिण भारत में प्रचलित मुरैमामन संस्कृति (चाचा द्वारा अपनी भतीजी से शादी करने की प्रथा) का जिक्र किया गया था।

सोशल मीडिया पर तेलुगु और तमिल सिनेमा के फैंस ने इस जवाब की आलोचना की थी क्योंकि कई लोगों को लगा था कि इसका लहजा नीचा दिखाने वाला था। कीर्ति सुरेश से पूछा गया कि जब वे खुद को साउथ सिनेमा की एक्ट्रेस मानती हैं, तो उन्होंने चीजों को सही तरीके से समझाने के लिए आगे आकर कदम क्यों नहीं उठाया, जिसके बाद अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आया था कि राधिका आप्टे फिल्म में मामा से शादी करने की बात किस संदर्भ में कह रही हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें बाद में अहसास हुआ कि राधिका एक सांस्कृतिक परंपरा का जिक्र कर रही हैं। कीर्ति सुरेश ने कहा, 'सच कहूं तो शुरुआत में मुझे समझ ही नहीं आया कि वो क्या कह रही हैं और फिर मुझे समझ आया कि वो हमारी संस्कृति के बारे में बात कर रही हैं। जैसे ही मुझे एहसास हुआ कि उन्हें इस संस्कृति के बारे में पता नहीं है, मैंने समझाने की कोशिश की कि ये दक्षिण भारत की एक संस्कृति है।' इवेंट के दौरान जब एक्ट्रेस को उनके इस जवाब के बारे में बताया गया कि ये प्रथा सिर्फ तमिल और तेलुगु में है लेकिन मलयालम में नहीं, तो उन्होंने कहा, 'हां, मैंने ऐसा कहा था। मैं संस्कृति की बात कर रही थी क्योंकि वो संस्कृति केरल में नहीं है। पूरे सम्मान के साथ क्योंकि मैं वहां की संस्कृति को कभी नीचा नहीं दिखाऊंगी।'

उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें ये साबित नहीं कर सकती कि ये एक परंपरा है और आप इसके बारे में बात नहीं कर सकते। इसलिए मैंने उन्हें समझाने की कोशिश की, ये कहते हुए कि ऐसा तमिलनाडु और आंध्र में होता है।



मैसा में दिखेगी पिता और बेटी के रिश्ते की दिल छू लेने वाली कहानी

मैसा में रश्मिका मंदाना बिल्कुल नए और पहले कभी नहीं देखे गए अंदाज में नजर आएंगी। यह भारत की पहली महिला-केंद्रित पैन-इंडिया फिल्मों में से एक है, जिसमें जबरदस्त एक्शन के साथ पिता और बेटी के रिश्ते की दिल छू लेने वाली कहानी भी देखने को मिलेगी। यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म के हाल ही में रिलीज़ हुए टीजर को देश भर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। दर्शकों से लेकर आलोचकों तक से फिल्म ने अपनी रॉ एनर्जी, ग्रैंड स्केल और इंटेंस एटमॉस्फियर के लिए खूब तारीफ अपने नाम की है। सबसे ज्यादा खास बात यह है कि इस चीज ने मैसा को एक अनोखे सिनेमैटिक कहानी में स्थापित कर दिया है। बहुत सी भारतीय फिल्म मास एक्शन ड्रामा की कहानी में मजबूत मां और बेटे के रिश्ते को दिखाती हैं, जैसे बाहुबली और चत्रस्र, लेकिन मैसा इससे अलग है क्योंकि इसमें मेकर्स नए और एक मजबूत भावनात्मक पक्ष को पेश करने वाले हैं।

दरअसल, फिल्म में आदिवासी भूमि की पृष्ठभूमि पर बाप और बेटी के बीच की मजबूत जोड़ी देखने मिलने वाली है। मैसा की रिलीज में अब सिर्फ 9 दिन बचे हैं, ऐसे में इसे देखने को लेकर हर तरफ उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। उत्साह के सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए, मेकर्स ने एक नया पोस्टर रिलीज किया है जिसमें फिल्म की दुनिया की झलक देखी जा सकती है। फिल्म के गहरे इमोशंस को खुद में कैद करने वाले पोस्टर को शेयर करते हुए टीम ने लिखा है: बड़े पर्दे पर बाप और बेटी के खूबसूरत रिश्ते और उनके इमोशन्स को देखने के लिए अब सिर्फ 9 दिन बाकी हैं। मैसा 27 नवंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज।

नए पोस्टर ने फिल्म के लिए सही टोन सेट कर दिया है। जबसे, फिल्म का टीजर रिलीज़ हुआ है, तब से देश भर में मौजूद दर्शक इसकी चर्चा करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। बहुत सी भारतीय फिल्म मास एक्शन ड्रामा की कहानी में मजबूत मां और बेटे के रिश्ते को दिखाती हैं, जैसे बाहुबली और चत्रस्र, लेकिन मैसा इससे अलग है क्योंकि इसमें मेकर्स नए और एक मजबूत भावनात्मक पक्ष को पेश करने वाले हैं। दरअसल, फिल्म में आदिवासी भूमि की पृष्ठभूमि पर बाप और बेटी के बीच की मजबूत जोड़ी देखने मिलने वाली है।

मनोज बाजपेयी स्टारर सुधीर मिश्रा और अनुभव सिन्हा की फिल्म की पूरी हुई शूटिंग

मुंबई अनुभव सिन्हा के प्रोडक्शन में बनारस मीडिया वर्क्स के बैनर तले बनी यह मच अवेटेड फिल्म भारतीय इतिहास के कम जानें जाने वाले 21 दिनों की कहानी दिखाएगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसके साथ ही फिल्म ने एक बड़ा पड़ाव भी पार कर लिया है। सुधीर मिश्रा द्वारा डायरेक्टेड और अनुभव सिन्हा द्वारा प्रोड्यूस फीचर फिल्म की जबसे घोषणा हुई है, तब से प्रोजेक्ट के इर्दगिर्द दर्शकों का उत्साह बढ़ता हुआ देखने मिल रहा है। यह कहानी भारत की आजादी के पहले की है, उन 21 दिनों की जिसके बारे में शायद ही कोई जानता है। फिल्म में महात्मा गांधी का किरदार नेशनल अवॉर्ड विनर मनोज बाजपेयी पहली बार निभाते नजर आने वाले हैं। अब जब फैंस बेसब्री से बापू के किरदार में एक्टर को देखने का इंतजार कर रहे हैं, ऐसे में उनकी एक तस्वीर ऑनलाइन लीक हुई है।



स्टार्टअप की दुनिया और फिल्म इंडस्ट्री में काफी समानता



अभिनेता अमित साध ने फिल्मों में काम करते हुए कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। कभी किसी फिल्म ने उन्हें नई पहचान दी, तो कभी किसी प्रोजेक्ट से उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिले। अब वह बिजनेस रियलिटी शो 'कल के करोड़पति - शुभ लाभ' से जुड़े हैं। उनका मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री और स्टार्टअप की दुनिया भले ही अलग-अलग हों, लेकिन दोनों में मेहनत, जोखिम और अनिश्चितता काफी हद तक एक जैसी है। यहां भी लोग सालों तक अपने सपने पर काम करते हैं और फिर एक ऐसे मौके का इंतजार करते हैं, जो उनकी जिंदगी बदल सकता है। अमित साध इस शो में होस्ट और मेंटर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। शो से जुड़ने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने बताया कि यहां उन्हें स्टार्टअप फाउंडर्स, निवेशकों और उद्यमियों से सीधे मिलने और उनकी जिंदगी को करीब से समझने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि इन लोगों की कहानियां सुनकर उन्हें इंडस्ट्री में अपने सफर की याद आई।

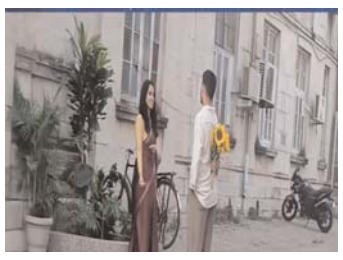
अमित ने कहा, ''इस शो के लिए मुझसे प्रणव ने संपर्क किया था। वह चाहते थे कि मैं सिर्फ एक होस्ट बनकर शो का हिस्सा न बनूं, बल्कि अपने निजी सिद्धांतों और जीवन में अपनाए गए मूल्यों को भी इसमें लेकर आऊं। मुझे यह विचार पसंद आया और मैंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का फैसला किया।'' शो के अनुभव को लेकर अमित ने कहा, ''मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा। स्टार्टअप फाउंडर्स, निवेशकों और उद्यमियों के साथ बातचीत के दौरान मुझे उनकी जिंदगी की कहानियों, संघर्ष और चुनौतियों को करीब से महसूस करने का मौका मिला। मैंने फिल्म इंडस्ट्री और स्टार्टअप की दुनिया, दोनों को एक ही नजर से देखा, क्योंकि दोनों जगह बहुत कुछ हिट और मिस पर निर्भर करता है। एक फिल्म आपको ऊपर उठा देती है, तो दूसरी आपको तोड़ भी सकती है।''

अभिनेता ने आगे कहा, ''स्टार्टअप फाउंडर्स को अपने आइडिया निवेशकों के सामने पेश करते देखकर मुझे उनके पीछे की मेहनत का अंदाजा हुआ। किसी बिजनेस आइडिया को एक प्रेजेंटेशन में समझाना आसान नहीं होता। उसके पीछे कई सालों की तैयारी, मेहनत और उम्मीदें जुड़ी होती हैं। जब मैंने इन लोगों को अपने काम के बारे में बताते देखा, तो मुझे लगा कि यह भी उनकी अपनी जिंदगी की कहानी है। जिस तरह एक अभिनेता किसी फिल्म के लिए लंबे समय तक मेहनत करता है, उसी तरह एक उद्यमी भी अपने आइडिया को हकीकत में बदलने के लिए लगातार कोशिश करता है।'' अमित ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि 'कल के करोड़पति - शुभ लाभ' देशभर के दर्शकों से जुड़ पाएंगे। इस शो में सिर्फ बिजनेस और निवेश की बातें नहीं हैं, बल्कि इसमें लोगों के सपने, भावनाएं और सफलता पाने के लिए किए गए संघर्ष भी देखने को मिलेंगे।

वडोदरा महानगरपालिका की मुख्य इमारत बनी फोटोशूट का केंद्र, सुरक्षा गार्डों की मौजूदगी में जोड़ों ने कराए रोमांटिक फोटोशूट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। गुजरात की संस्कारी नगरी वडोदरा से सरकारी प्रशासन की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाला एक मामला सामने आया है। आम नागरिक जहां अपने दैनिक कार्यों, पानी, जल निकासी और कर संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए वडोदरा महानगरपालिका (वीएमसी) के कार्यालयों के चक्कर लगाते हैं, वहीं दूसरी ओर महानगरपालिका की मुख्य इमारत में कुछ लोगों द्वारा निजी स्टूडियो की तरह फोटोशूट कराए जाने का मामला चर्चा में है। आरोप है कि सरकारी कार्यालय की मर्यादा और गरिमा की परवाह किए बिना कुछ जोड़ों ने परिसर में बेधड़क रोमांटिक अंदाज में तस्वीरें खिंचवाईं और वीडियो बनाए। हैरानी की बात यह है कि इस दौरान परिसर में सुरक्षा गार्ड भी तैनात थे, लेकिन उनकी मौजूदगी के बावजूद कथित तौर पर ये गतिविधियां चलती रहीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वडोदरा महानगरपालिका की मुख्य इमारत में प्रतिदिन सैकड़ों नागरिक, अधिकारी, कर्मचारी और जनप्रतिनिधि आते-जाते हैं। यह कार्यालय शहर के प्रशासनिक कामकाज का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां नागरिक अपनी विभिन्न समस्याओं के समाधान और सरकारी सेवाओं से जुड़े कार्यों के लिए पहुंचते हैं। इसके बावजूद सरकारी परिसर में निजी फोटोशूट और रील बनाने की गतिविधियों की चर्चा ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि सामाजिक माध्यमों पर लोकप्रियता हासिल करने और आकर्षक तस्वीरें तथा वीडियो बनाने की होड़ में कुछ लोगों ने महानगरपालिका के गलियारों और परिसर को फोटोशूट का स्थान बना लिया। जोड़ों द्वारा रोमांटिक अंदाज में तस्वीरें खिंचवाने और कैमरे के सामने अलग-अलग मुद्राओं में वीडियो बनाने की गतिविधियां सामने आने के बाद यह मामला शहर में चर्चा का विषय बन गया है। नागरिकों का सवाल है कि क्या किसी सरकारी कार्यालय का उपयोग इस तरह निजी मनोरंजन और प्रचार के लिए किया जा सकता है? महानगरपालिका की इमारत जनता के कामकाज और प्रशासनिक गतिविधियों के लिए बनाई गई है, न कि किसी निजी फोटोग्राफी स्टूडियो या सामाजिक माध्यमों



पर वीडियो बनाने के लिए। ऐसे में परिसर के उपयोग को लेकर स्पष्ट नियमों और उनकी पालना की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल महानगरपालिका की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उठ रहा है। वीएमसी की मुख्य इमारत में सुरक्षा के लिए गार्डों की तैनाती की जाती है और परिसर में आने-जाने वाले लोगों पर निगरानी रखने की जिम्मेदारी भी सुरक्षा कर्मचारियों की होती है। इसके बावजूद यदि निजी लोग कैमरे लगाकर फोटोशूट और वीडियो बना रहे थे, तो सुरक्षा कर्मचारियों ने उन्हें रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया? क्या सुरक्षा गार्डों को सरकारी परिसर में इस तरह की गतिविधियों की अनुमति देने का अधिकार है? क्या परिसर में फोटोशूट और वीडियो रिकॉर्डिंग को लेकर कोई निर्धारित नियम लागू हैं? यदि नियम मौजूद हैं, तो उनकी पालना सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किस अधिकारी की है? इन सवालों के जवाब अब महानगरपालिका प्रशासन से मांगे जा रहे हैं।

करदाताओं के पैसों से संचालित कार्यालय में ऐसी गतिविधियों पर नाराजगी

मामला सामने आने के बाद वडोदरा के जागरूक नागरिकों और करदाताओं में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि महानगरपालिका का संचालन आम जनता से प्राप्त करों के माध्यम से होता है। शहरवासी अपने जरूरी कामों के लिए कार्यालय पहुंचते हैं और कई बार उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में उसी सरकारी परिसर में निजी फोटोशूट और मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियों की चर्चा प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े करती है।

नागरिकों का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था का उद्देश्य केवल आम लोगों की आवाजाही को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि सरकारी भवन की गरिमा, सुरक्षा और प्रशासनिक अनुशासन बनाए रखना भी है। ऐसे में यदि किसी अनधिकृत गतिविधि की जानकारी होने के बावजूद उसे नहीं रोका गया, तो इसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

गुजरात में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के सामने संगठन और सामाजिक समीकरणों की चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात में बदलते राजनीतिक समीकरण, जातिगत प्रतिनिधित्व को लेकर उठती चर्चाएं और पार्टी के भीतर गुटों के बीच तालमेल जैसे मुद्दे आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक बहस के केंद्र में हैं। वर्ष 2027 में होने वाला विधानसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी के लिए सत्ता बरकरार रखने के साथ-साथ अपने संगठन को एकजुट रखने की चुनौती भी लेकर आएगा। राज्य में लंबे समय से मजबूत राजनीतिक आधार रखने वाली भाजपा के लिए चुनावी तैयारियों के दौरान सामाजिक समीकरणों, स्थानीय नेतृत्व और संगठनात्मक समन्वय जैसे विषय महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। गुजरात की राजनीति में विकास, सामाजिक प्रतिनिधित्व और जातिगत समीकरणों के बीच संतुलन का मुद्दा लगातार चर्चा में रहता है। राजनीतिक गतिविधियों के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि कुछ नेताओं की ओर से अपने-अपने सामाजिक आधार को मजबूत करने की कोशिशें पार्टी के सामूहिक संगठनात्मक हितों के साथ कितना तालमेल बिठा पा रही हैं। अलग-अलग समुदायों के बीच राजनीतिक समर्थन बनाए रखने की कोशिश किसी भी दल के लिए महत्वपूर्ण होती है, लेकिन इसके साथ सभी वर्गों को संगठन में उचित स्थान देने और पार्टी के भीतर एकजुटता बनाए रखने की जिम्मेदारी भी जुड़ी रहती है। इस पूरे परिदृश्य में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा की भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। प्रदेश संगठन की जिम्मेदारी संभालते हुए उनके सामने अलग-अलग क्षेत्रों के नेताओं, कार्यकर्ताओं और सामाजिक समूहों के बीच समन्वय बनाए रखने की चुनौती है। पार्टी के भीतर अलग-अलग विचारों और क्षेत्रीय प्राथमिकताओं के बीच संतुलन कायम करना संगठन के लिए अहम होगा। राजनीतिक हलकों में गुटबाजी और आपसी असंतोष को लेकर होने वाली चर्चाएं भी इसी संदर्भ में देखी जा रही हैं। यदि संगठन के विभिन्न स्तरों पर संवाद और तालमेल मजबूत रहता है, तो चुनावी तैयारियों को व्यवस्थित करने में मदद मिल सकती है। इसके विपरीत, आंतरिक मतभेदों का समाधान नहीं होने पर चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेतृत्व के बीच समन्वय प्रभावित होने की आशंका बनी रह सकती है। गुजरात में भाजपा की चुनावी तैयारियों के बीच केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका भी लगातार चर्चा में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य की राजनीति और संगठनात्मक गतिविधियों से लंबे समय से जुड़े रहे हैं। राज्य में सरकार और संगठन के बीच तालमेल, स्थानीय मुद्दों तथा आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर समय-समय पर बैठकों और चर्चाओं का दौर भी जारी है। केंद्रीय नेतृत्व की नजर गुजरात की राजनीतिक गतिविधियों और संगठन की तैयारियों पर बनी हुई है। नवंबर 2026 में भाजपा ने सभी 182 विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी की। इन कार्यक्रमों के माध्यम से कार्यकर्ताओं और समर्थकों से संवाद तथा संगठनात्मक संपर्क को मजबूत करने का प्रयास किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुजरात दौरे और राज्यव्यापी कार्यक्रमों को भी 2027 के चुनाव से पहले संगठन को सक्रिय करने की व्यापक कवायद के रूप में देखा जा रहा है। राज्य के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में भी भाजपा की गतिविधियां बढ़ी हैं। पार्टी इन क्षेत्रों में अपना जनाधार मजबूत करने के लिए आदिवासी गौरव सप्ताह, बिरसा मुंडा की विरासत और विकास योजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों पर जोर दे रही है। आदिवासी क्षेत्रों में आम आदमी पार्टी की बढ़ती राजनीतिक गतिविधियां भी भाजपा की रणनीति के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू बन रही हैं। ऐसे में इन क्षेत्रों में सामाजिक प्रतिनिधित्व, स्थानीय विकास और जनसमस्याओं से जुड़े मुद्दे आगामी चुनाव में चर्चा का विषय बन सकते हैं। आनंदीबेन पटेल के नाम को लेकर भी गुजरात की राजनीति में चर्चा देखने को मिल रही है।



लुणावाड़ा से चोरी की मोटरसाइकिल के साथ मध्य प्रदेश का आरोपी बोड़ेली पुलिस की गिरफ्त में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। जिले में बढ़ती वाहन चोरी और घरों में सेंधमारी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जिला पुलिस की ओर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत बोड़ेली पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना और सघन वाहन जांच के आधार पर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने लुणावाड़ा से करीब दो महीने पहले चोरी हुई मोटरसाइकिल बरामद कर मध्य प्रदेश के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक आई.जी. शेख और बोड़ेली संभाग के सहायक पुलिस अधीक्षक हर्ष शर्मा के कड़े निर्देश और मार्गदर्शन में बोड़ेली पुलिस थाने के निरीक्षक पी.एस. बरंडा ने पुलिसकर्मियों को क्षेत्र में नाकाबंदी और सघन वाहन जांच करने के निर्देश दिए थे। इसी के तहत बोड़ेली पुलिस थाने के उपनिरीक्षक के.एम. राठौड़ अपनी निगरानी टीम के साथ मोरखला चौकी क्षेत्र के भगवानपुरा स्थित नर्मदा मुख्य नहर के पास वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान बोड़ेली की ओर से बिना नंबर प्लेट की एक संदिग्ध मोटरसाइकिल आती दिखाई दी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल चालक को रोक लिया और उससे पूछताछ शुरू की। पुलिस ने अपनी सूझबूझ और आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए पॉकेटकॉप मोबाइल एप के माध्यम से मोटरसाइकिल के चेचिस और इंजन नंबर की ऑनलाइन जांच की। जांच में मोटरसाइकिल का वास्तविक पंजीकरण नंबर GJ-35-F-2446 सामने आया। आगे की पड़ताल में पता चला कि यह मोटरसाइकिल करीब दो महीने पहले लुणावाड़ा पुलिस थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी। इस संबंध में लुणावाड़ा पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत पहले ही मामला दर्ज किया गया था। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए आरोपी की पहचान मध्य प्रदेश के धार जिले के कुक्षी तहसील के झाई गांव निवासी 22 वर्षीय रोहनभाई कोदरियाभाई मीनावा के रूप में हुई है। अंतरराज्यीय वाहन चोरी के मामले में आरोपी के पकड़े जाने से पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। फिलहाल बोड़ेली पुलिस ने लुणावाड़ा से चोरी की गई मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में लेकर जब्त कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 35(1)(ई) के तहत कानूनी कार्रवाई की गई है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और इस संबंध में लुणावाड़ा पुलिस थाने को भी आधिकारिक सूचना दे दी गई है, ताकि आरोपी से अन्य चोरी की घटनाओं का खुलासा किया जा सके।

मानस भारत स्वस्तिक यात्रा का जगन्नाथपुरी में समापन, लगभग 900 श्रद्धालुओं के साथ भारत के मानचित्र पर रचा स्वस्तिक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जगन्नाथपुरी (तखुभाई सांडसुर द्वारा)। पूज्य मोरारी बापू के व्यासपीठ पर आयोजित मानस भारत स्वस्तिक यात्रा आज ओडिशा राज्य के जगन्नाथपुरी में भगवान जगन्नाथ के श्रीचरणों में पहुंचकर संपन्न हुई। रेलगाड़ी से आयोजित ये दोनों यात्राएं पूज्य मोरारी बापू की व्यासपीठ पर आयोजित 985वीं और 986वीं कथा थीं। विश्व मंगल और विश्व कल्याण के उद्देश्य से आयोजित इन कथाओं का आज विराम हुआ। कथा के समापन अवसर पर पूज्य बापू ने अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वस्तिक केवल चिरोड़ी का स्वस्तिक नहीं है, बल्कि सनातन धर्म का शाश्वत स्वस्तिक है। जब-जब किसी कथा की पूर्णाहुति होती है, तब वास्तव में कथा समाप्त नहीं होती, बल्कि नए पड़ाव की ओर बढ़ने के लिए कुछ समय रुकती है। इसलिए यह अंत नहीं, बल्कि अल्पविराम है। इसके बाद फिर से कथा की गंगा प्रवाहित होती है। भावुक हृदय से बापू ने





कहा कि उनकी भावना है कि वे केवल इस जीवन में ही नहीं, बल्कि जन्म-जन्मांतर तक भगवान श्रीराम के गुणगान करते रहें। आज कथा के क्रम में कोलकाता के दक्षिणेश्वर में भगवान रामेश्वर की स्थापना के बाद की कथा का प्रसंग लिया गया। इसके बाद लंकाकांड और उत्तरकांड की कथाएं संक्षिप्त रूप में सुनाई गईं। बापू ने बताया कि लंका विजय असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। 14 नवंबर को प्रारंभ हुई मानस भारत स्वस्तिक यात्रा का दूसरा चरण 22 नवंबर को संपन्न हुआ। इसके साथ ही यात्रा के पहले और दूसरे, दोनों चरणों की स्वस्तिक कथाओं का भी समापन हुआ। भारत गौरव विशेष रेलगाड़ी के माध्यम से लगभग 900 श्रद्धालुओं के साथ बापू ने पूरे भारत में स्वस्तिक की रचना की। यात्रा का पहला चरण कन्याकुमारी से केदारनाथ तक था, जबकि दूसरा चरण द्वारका से जगन्नाथपुरी तक आयोजित किया गया। उल्लेखनीय है कि दूसरे चरण की स्वस्तिक कथा का सातवां दिन मायापुर में आयोजित हुआ था। मायापुर वह पवित्र स्थान है, जहां भगवान चैतन्य महाप्रभु का प्राकट्य हुआ था। रेलगाड़ी की तकनीकी समस्याओं और चक्रवात के कारण ये रेलगाड़ियां रात में लगभग डेढ़ बजे कथा स्थल पर पहुंचीं। इसके बाद रात 2 बजकर 15 मिनट पर कथा प्रारंभ हुई और सुबह 5 बजकर 30 मिनट पर कथा का विराम हुआ।

डभोई के भीलापुर के पास ढाढर नदी में मिल रहा जहरीला गंदा पानी, जल प्रदूषण बेकाबू; पशु-पक्षियों के जीवन पर मंडराया खतरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। गुजरात की नदियों को प्रदूषण मुक्त रखने और गंदे पानी के उचित निस्तारण को लेकर सरकार तथा गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जीपीसीबी) की ओर से बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन डभोई तहसील के भीलापुर गांव के पास सामने आई स्थिति इन दावों पर सवाल खड़े कर रही है। यहां से गुजरने वाली ढाढर नदी में खुलेआम गटर का गंदा और जहरीला पानी छोड़ा जा रहा है। इसके कारण नदी में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। कभी स्वच्छ जल का स्रोत रही यह नदी अब काले और असहनीय दुर्गंध वाले पानी में तब्दील होती जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, भीलापुर गांव के निकट ढाढर नदी में बिना किसी शोधन प्रक्रिया के सीधे गटर का दूषित पानी छोड़ा जा रहा है। एक समय यह नदी आसपास के ग्रामीणों, किसानों और पशुओं के लिए जीवनदायिनी साबित होती थी, लेकिन अब इसमें गंदगी और कचरा जमा होने से स्थिति चिंताजनक हो गई है। नदी का पानी अत्यधिक गंदा और काला होने के कारण आसपास विचरण करने वाले पशु-पक्षियों, जलीय जीवों और किसानों के मवेशियों के सामने स्वच्छ



पेयजल का संकट खड़ा हो गया है। दूषित पानी के संपर्क और सेवन से पशुओं के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा होने की आशंका है। स्थानीय ग्रामीणों और किसानों के अनुसार, इस वर्ष कमजोर मानसून के कारण ढाढर नदी में नए पानी की आवक पहले से ही बेहद कम रही है। नदी में जलप्रवाह कम होने के कारण गटर का दूषित पानी पूरे जलस्रोत को प्रदूषित कर रहा है। आने वाले सर्दियों के मौसम और विशेषकर गर्मियों में पानी की कमी की स्थिति और गंभीर हो सकती है। ऐसे में यदि नदी में गंदे पानी का प्रवाह तत्काल नहीं रोका गया तो आसपास के गांवों और किसानों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। क्षेत्र की जीवनरेखा मानी जाने वाली इस नदी को बचाने के लिए गंदे पानी का निस्तारण रोकना बेहद जरूरी हो गया है। जीपीसीबी के कड़े नियमों के बावजूद नदी में प्रदूषण फैलने की स्थिति ने स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों और किसानों में इस मामले को लेकर भारी नाराजगी है। लोगों की मांग है कि जिम्मेदार विभाग तत्काल कार्रवाई करें, नदी में बिना शोधन के गंदा पानी छोड़ने वाली इकाइयों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाए तथा नदी की सफाई के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इस गंभीर समस्या का समाधान नहीं किया गया और नदी में दूषित पानी छोड़ने पर रोक नहीं लगी तो आने वाले दिनों में आंदोलन किया जाएगा। अब देखना होगा कि संबंधित विभाग इस गंभीर पर्यावरणीय समस्या पर कब तक कार्रवाई करते हैं।

अहमदाबाद में मां के प्रेमी पर मासूम बेटे की हत्या का आरोप, फ्लैट में मिला बच्चे का शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद ।गुजरात में अहमदाबाद से एक गंभीर आपराधिक मामला सामने आया है। यहां एक फ्लैट में मासूम बच्चे की हत्या का मामला उजागर होने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। देर रात करीब 11 बजे पुलिस ने फ्लैट का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो एक कमरे में महिला की चीख-पुकार सुनाई दे रही थी, जबकि दूसरे कमरे में उसके बेटे का शव मिला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बच्चे की हत्या धारदार हथियार और भारी वस्तु से किए गए हमले में हुई। मामले में महिला के प्रेमी को मुख्य आरोपी बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देर रात करीब 11 से 12 बजे के बीच एक फ्लैट से संदिग्ध गतिविधियों और विवाद की आवाजें सुनाई दे रही थीं। स्थिति गंभीर लगने पर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। फ्लैट का दरवाजा बाहर से बंद था और अंदर किसी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए पुलिस ने ताला तोड़कर प्रवेश किया। अंदर पहुंचने पर पुलिस को एक कमरे में महिला घबराई हुई अवस्था में मिली, जबकि दूसरे कमरे में उसके बेटे का शव पड़ा था। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी।

डभोई का नवनिर्मित सरिता ओवरब्रिज बना हादसों का अड्डा, निर्माण की खुली पोल; जगह-जगह बड़े दरारें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई । गुजरात में विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच सरकारी तंत्र और ठेकेदारों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने वाला एक गंभीर मामला डभोई से सामने आया है। यहां नवनिर्मित सरिता ओवरब्रिज पर घटिया निर्माण कार्य की पोल खुल गई है। पुल का निर्माण हुए अभी अधिक समय भी नहीं बीता है और इसकी सतह पर बड़े-बड़े खतरनाक दरारें दिखाई देने लगी हैं। इस स्थिति के कारण यहां से गुजरने वाले हजारों वाहन चालकों को जोखिम भरे हालात में सफर करना पड़ रहा है। पुल पर बनेदरारों से किसी गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। डभोई का सरिता ओवरब्रिज कोई सामान्य मार्ग नहीं है, बल्कि यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के साथ ही प्रसिद्ध तीर्थस्थलों चाणोद, करनाली और राजपीपला की ओर जाने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है। इस कारण पुल से प्रतिदिन स्थानीय वाहनों के अलावा देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की गाड़ियां और भारी वाहन भी गुजरते हैं। ऐसे व्यस्त और महत्वपूर्ण मार्ग पर निर्माण की गुणवत्ता में इस तरह की कमी सामने आना बड़ी चिंता का विषय है। उल्लेखनीय है कि सरिता ओवरब्रिज निर्माण की शुरुआत से ही किसी न किसी विवाद को लेकर चर्चा में रहा है। कुछ समय पहले भी पुल पर खराब निर्माण कार्य की शिकायतें सामने आने के बाद इसे मरम्मत के लिए बंद किया गया था । हालांकि, मरम्मत के कुछ ही दिनों बाद पुल पर फिर से बड़े और खतरनाक दरारें दिखाई देने लगी हैं। इससे पहले किए गए मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों में इस स्थिति को लेकर भारी नाराजगी है। लोगों का आरोप है कि जब भी किसी सरकारी पुल या राजमार्ग का निर्माण अथवा मरम्मत कार्य किया जाता है, तब राज्य राजमार्ग विभाग के जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचकर उचित निगरानी नहीं करते। अधिकारियों की कथित लापरवाही का लाभ उठाकर ठेकेदार मनमाने तरीके से काम करते हैं और निर्माण की गुणवत्ता से समझौता किया जाता है। इसका खामियाजा आम नागरिकों और यहां से गुजरने वाले पर्यटकों को भुगतना पड़ रहा है। सरिता ओवरब्रिज की बदहाल स्थिति को लेकर अब लोगों के बीच यह सवाल उठने लगा है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही जागेगा? स्थानीय नागरिकों की मांग है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और निर्माण तथा मरम्मत कार्य में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही पुल की तत्काल और गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कराई जाए, ताकि वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो जनआक्रोश आने वाले दिनों में बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है।



वडोदरा पुलिस का 'मेंटर प्रोजेक्ट' एक्शन मोड में, अपराध की राह पर बढ़ रहे युवाओं को सुधारने की पहल



महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा । गुजरात की संस्कारी नगरी वडोदरा में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा युवा पीढ़ी को अपराध की दुनिया से दूर रखने के लिए वडोदरा पुलिस ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। पुलिस विभाग की ओर से शुरू किए गए चर्चित 'मेंटर प्रोजेक्ट' के तहत अब पुलिस सक्रिय रूप से काम कर रही है। इस परियोजना का उद्देश्य केवल अपराधियों को पकड़ना ही नहीं, बल्कि अपराध की ओर बढ़ रहे युवाओं और किशोरों को समय रहते सही दिशा दिखाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना भी है। पुलिस आयुक्त के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस पहल के माध्यम से शहर में अपराध रोकथाम के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का प्रयास किया जा रहा है।

मेंटर प्रोजेक्ट: अपराध की राह पर बढ़ रहे युवाओं को सही दिशा देने की पहल

वडोदरा पुलिस के इस मेंटर प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य ऐसे युवाओं और किशोरों की पहचान करना है, जो गलत संगत, छोटी-मोटी आपराधिक गतिविधियों या अन्य कारणों से अपराध की दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं। पुलिस का प्रयास है कि ऐसे युवाओं को समय रहते समझाकर, परामर्श देकर और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराकर अपराध से दूर रखा जाए। इस परियोजना के अंतर्गत पुलिस विभाग के अनुभवी अधिकारी और कर्मचारी मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहे हैं। वे संबंधित युवाओं के संपर्क में रहकर उनकी परिस्थितियों को समझने, उनकी समस्याओं का समाधान खोजने और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ ही इन युवाओं की गतिविधियों पर भी लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि वे दोबारा गलत संगत या आपराधिक गतिविधियों की ओर न बढ़ें। पुलिस की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा यह भी है कि कोई अपराधी या गिरोह युवाओं को दोबारा अपराध की दुनिया में धकेलने का प्रयास न कर सके। ऐसे मामलों में पुलिस समय रहते हस्तक्षेप कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए तैयार है।

अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस की सख्ती

एक ओर मेंटर प्रोजेक्ट के माध्यम से युवाओं को सुधारने और उन्हें सही दिशा देने का प्रयास किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर वडोदरा पुलिस ने अपराधियों और अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ भी कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस की विभिन्न टीमें शहर में लगातार गश्त कर रही हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में नाकाबंदी और वाहन जांच के साथ पुराने आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों पर भी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस का ध्यान उन लोगों पर विशेष रूप से है, जो शहर में आपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देने या युवाओं को गलत रास्ते पर ले जाने में सक्रिय हैं। पुलिस आयुक्त के निर्देशों के बाद शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की सक्रियता बढ़ाई गई है। अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों और वांछित आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस सक्रियता से असामाजिक तत्वों और अपराधियों में कार्रवाई का डर पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है।

नागरिकों में पहल को लेकर सकारात्मक चर्चा

वडोदरा पुलिस के मेंटर प्रोजेक्ट और अपराध नियंत्रण के लिए अपनाई जा रही रणनीति को लेकर शहर के जागरूक नागरिकों और बुद्धिजीवियों के बीच सकारात्मक चर्चा हो रही है। लोगों का मानना है कि केवल सख्त कार्रवाई से अपराध पर पूरी तरह नियंत्रण पाना संभव नहीं है, बल्कि युवाओं को सही समय पर मार्गदर्शन देना और उन्हें सकारात्मक अवसर उपलब्ध कराना भी जरूरी है। इस पहल में पुलिस की सख्ती और सामाजिक सुधार के प्रयासों का समन्वय दिखाई देता है। यदि युवाओं को समय रहते सही मार्गदर्शन मिले और उन्हें गलत संगत से दूर रखा जाए, तो भविष्य में अपराध की घटनाओं को रोकने में मदद मिल सकती है। वडोदरा पुलिस की इस पहल से यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि कानून तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी, वहीं अपराध की राह पर बढ़ रहे युवाओं को सुधारने और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भी पुलिस अपनी जिम्मेदारी निभाएगी।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.